RNI No. 58061/93 ■ वर्ष - 21 ■ अंक - 285 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » शनिवार » 16-05-2026 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 यूसीसी प्रत्येक नागरिक के लिए न्याय सुनिश्चित करेगा : हिमंत

6 कब तक दोहराई जाती रहेंगी निर्भया जैसी त्रासदियां?

7 हम रास्ते नहीं बना रहे थे, बस अपनी कहानी जी रहे थे : मनीष रायसिंघानी

फर्स्ट टेक

प्लास्टिक, घरेलू कचरे को नालियों में न फेंकें : योगी

गोरखपुर/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को लोगों से प्लास्टिक, कपड़े और घरेलू कचरे को नालियों में नहीं डालने की अपील करते हुए कहा कि शहरों को स्वच्छ, स्वस्थ एवं जलभराव व मौसमी बीमारियों से मुक्त रखने के लिए जन भागीदारी आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने गोरखपुर में 495 करोड़ रुपए से अधिक की विकास परियोजनाओं का निरीक्षण करने के बाद एक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार ने शहर में नागरिक समस्याओं, विशेष रूप से जलभराव, मच्छर से संबंधित मुद्दों और मानसून के मौसम के दौरान और उसके बाद उभरने वाली बीमारियों को हल करने पर लगातार ध्यान केंद्रित किया है। उन्होंने कहा, हमारा प्रयास यह सुनिश्चित करना है कि गोरखपुर की लंबित समस्याओं का समाधान हो। जलभराव, मच्छरों और बारिश के मौसम में फैलने वाली बीमारियों जैसे मुद्दों का स्थायी समाधान किया जाना चाहिए।

श्रीलंका में भारी वर्षा का कहर; हजारों प्रभावित

कोलंबो/भाषा। श्रीलंका में लगातार हो रही भारी वर्षा और खराब मौसम के कारण दो लोगों की मृत्यु हो गई है। देश के आपदा प्रबंधन केंद्र (डीएमसी) ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि मौत के ये मामले पूर्वी जिले बट्टिकलोआ और उत्तरी जिले जाफना से सामने आए हैं। केंद्र द्वारा जारी नवीनतम स्थिति रिपोर्ट के अनुसार, शुक्रवार सुबह छह बजे तक देश के 25 में से आठ जिले पिछले पांच दिन से हो रही वर्षा से प्रभावित हुए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, इस प्राकृतिक आपदा से 4,000 से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं, जिनमें से 29 परिवारों के 100 से अधिक लोगों को दो अस्थायी राहत केंद्रों में रखा गया है। इसके अलावा, लगभग 88 घर आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गए हैं।

अफ्रीका के कांगो प्रांत में इबोला वायरस के नए प्रकोप की पुष्टि

किंशासा (कांगो)/एपी। अफ्रीका की शीर्ष सार्वजनिक स्वास्थ्य संस्था ने शुक्रवार को कांगो के सुदूरवर्ती इटुरी प्रांत में इबोला वायरस के नए प्रकोप की पुष्टि की जिससे 246 लोगों के संक्रमित होने का संदेह है और अब तक 65 लोगों की मृत्यु दर्ज की जा चुकी है। शीर्ष सार्वजनिक स्वास्थ्य संस्था 'अफ्रीका रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र' (सीडीसी) ने एक बयान में कहा कि वायरस के संक्रमण से लोगों की मौत और संदिग्ध मामले मुख्य रूप से मोंगवालू और रवाम्पारा स्वास्थ्य क्षेत्रों में दर्ज किए गए हैं।

धार के भोजशाला-कमाल मौला मस्जिद परिसर के ऐतिहासिक विवाद के मामले में आया फैसला

भोजशाला सरस्वती मंदिर घोषित

मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय ने परिसर में नमाज अदा करने का आदेश रद्द किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ अदालत ने रेखांकित किया कि परमार वंश के राजा भोज की विरासत से जुड़े इस स्थल पर हिंदुओं की पूजा-अर्चना की निरंतरता कभी समाप्त नहीं हुई है।

इंदौर/भाषा। मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय ने धार के भोजशाला-कमाल मौला मस्जिद परिसर के ऐतिहासिक विवाद के मामले में शुक्रवार को फैसला सुनाते हुए इस मध्यकालीन स्मारक की धार्मिक प्रकृति हिंदू मान्यताओं में 'ज्ञान की देवी' के रूप में पूजी जाने वाली वाग्देवी (सरस्वती) के मंदिर के तौर पर तय की। अदालत ने रेखांकित किया कि परमार वंश के राजा भोज की विरासत से जुड़े इस स्थल पर हिंदुओं की पूजा-अर्चना की निरंतरता कभी समाप्त नहीं हुई है।

उच्च न्यायालय ने विवादित परिसर में केवल हिंदुओं को उपासना का अधिकार दिए जाने की गुहार स्वीकार की और इसके साथ ही भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के सात अप्रैल 2003 के उस आदेश को रद्द कर दिया जिसमें मुस्लिमों को हर शुक्रवार स्मारक में नमाज अदा करने की इजाजत दी गई थी।

उच्च न्यायालय की इंदौर पीठ के न्यायमूर्ति विजय कुमार शुक्ला और न्यायमूर्ति आलोक अवस्थी ने इस मामले से संबंधित पांच याचिकाओं और एक रिट अपील पर पुरातात्विक व ऐतिहासिक तथ्यों, एएसआई की अधिसूचनाओं व उसके वैज्ञानिक सर्वेक्षण और कानूनी प्रावधानों की रोशनी में फैसला सुनाया।

उच्च न्यायालय ने अपने निर्णय में अयोध्या के राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद विवाद के मुकदमे में शीर्ष अदालत के फैसले में निर्धारित सिद्धांतों का भी उल्लेख किया।

शीर्ष अदालत जाने की तैयारी में मुस्लिम पक्ष

इंदौर/भाषा। धार के भोजशाला-कमाल मौला मस्जिद परिसर को सरस्वती मंदिर करार दिए जाने और इस मध्यकालीन स्मारक में नमाज की अनुमति समाप्त करने संबंधी मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के शुक्रवार के फैसले को मुस्लिम पक्ष ने शीर्ष अदालत में चुनौती देने की घोषणा की है। मुस्लिम पक्ष के वकील अशहर वारसी ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, हम भोजशाला मामले में उच्च न्यायालय के फैसले से संतुष्ट नहीं हैं और इसे शीर्ष अदालत में जल्द से जल्द चुनौती देंगे।

हिंदू पक्ष ने उच्चतम न्यायालय में कैविएट दाखिल की

नई दिल्ली/भाषा। हिंदू पक्ष के एक याचिकाकर्ता की तरफ से शुक्रवार को उच्चतम न्यायालय में एक कैविएट दाखिल की गई, जिसमें अनुरोध किया गया कि मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ किसी भी अपील पर कोई भी आदेश उसका पक्ष सुने बिना पारित नहीं किया जाए। जितेंद्र सिंह 'विशेन' द्वारा वकील बरुण कुमार सिन्हा के जरिए दायर की गई कैविएट अर्जी में कहा गया, ''नीचे हस्ताक्षर करने वाले व्यक्ति को नोटिस दिए बिना उपरोक्त मामले में कोई आदेश न दिया जाए।''

पेट्रोल और डीजल की कीमतें तीन रुपए प्रति लीटर बढ़ी

■ सीएनजी दो रुपए प्रति किलोग्राम हुई महंगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पेट्रोल और डीजल की कीमतों में शुक्रवार को तीन रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई। यह पिछले चार वर्षों में पेट्रोल-डीजल के दाम में पहली वृद्धि है। कच्चे तेल की बढ़ती वैश्विक कीमतों के कारण तेल विपणन कंपनियों का घाटा बढ़ने के बीच यह वृद्धि की गई है। इसके साथ ही, दिल्ली और मुंबई जैसे शहरों में सीएनजी की कीमतों में दो रुपए प्रति किलोग्राम की बढ़ोतरी की गई।

उद्योग जगत से जुड़े सूत्रों ने बताया कि राष्ट्रीय राजधानी में पेट्रोल की कीमत 94.77 रुपए से बढ़कर 97.77 रुपए प्रति लीटर हो गई है। डीजल अब 87.67 रुपए के मुकाबले 90.67 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

दरें राज्यों में मूल्य वर्धित कर (वैट) के अंतर के कारण अलग-अलग होती हैं। दिल्ली में अब सीएनजी की कीमत 79.09 रुपए प्रति किलोग्राम और मुंबई में 84 रुपए प्रति किलोग्राम है। हालांकि, घरों में खाना पकाने के लिए पाइप से मुहैया कराई जाने वाली प्राकृतिक गैस (पीएनजी) और घरेलू खाना पकाने वाली गैस एलपीजी दोनों की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में 28 फरवरी को ईरान पर अमेरिका-इजराइल हमले के बाद और तेहरान की जवाबी कार्रवाई के बाद से 50 प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी हुई है।

तीन रुपए का झटका लगा, बाकी वसूली क़िस्तों में की जाएगी : राहुल गांधी

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने पेट्रोल एवं डीजल के दाम में बढ़ोतरी को लेकर शुक्रवार को कहा कि गलती मोदी सरकार करेगी और कीमत जनता चुकाएगी। उन्होंने यह दावा भी किया कि तीन रुपए का झटका आ चुका, बाकी वसूली क़िस्तों में की जाएगी। कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने आरोप लगाया कि ईंधन संकट के साथ-साथ भारत में आर्थिक संकट की बड़ी वजह मोदी सरकार में दूरदर्शी सोच का अभाव है।

नीट-यूजी की पुनः परीक्षा 21 जून को होगी

अगले वर्ष से कंप्यूटर आधारित परीक्षा होगी : धर्मेंद्र प्रधान

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शुक्रवार को घोषणा की कि राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) की पुनः परीक्षा 21 जून को आयोजित की जाएगी। साथ ही उन्होंने कहा कि अनियमितताओं के आरोपों के मद्देनजर सुधारों के तहत अगले वर्ष से मेडिकल प्रवेश परीक्षा कंप्यूटर आधारित होगी। प्रधान ने संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि छात्र और उनका भविष्य सरकार की ''सर्वोच्च प्राथमिकता'' हैं। उन्होंने कहा कि नीट-यूजी परीक्षा के संचालन में पाई गई अनियमितताओं के खिलाफ 'बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करने' की नीति अपनाई जाएगी और सख्त कार्रवाई की जा रही है। परीक्षा प्रक्रिया में अनियमितताओं के आरोपों के बाद तीन मई को आयोजित राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (स्नातक) रद्द कर दी गई।

प्रधान ने बताया कि पुनः परीक्षा की अवधि 15 मिनट बढ़ा दी गई है और उम्मीदवारों को परीक्षा के लिए अपनी सुविधा के अनुसार शहर चुनने का मौका फिर से मिलेगा और उन्हें 14 जून तक प्रवेश पत्र मिल जाएगा। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार राज्य सरकारों के साथ मिलकर छात्रों के लिए परिवहन व्यवस्था का समन्वय भी करेगी। उन्होंने कहा, ''छात्रों का भविष्य हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। मैं समाज से, विशेष रूप से छात्रों से अपील करना चाहता हूं कि वे बिना किसी डर के परीक्षा दें। सरकार आपके साथ है। इस बार हम किसी भी प्रकार की अनियमितता नहीं होने देंगे।''

पश्चिम एशिया में शांति के लिए हर संभव सहयोग देने को तैयार भारत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ दोनों पक्षों ने ऊर्जा, रक्षा और प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में रणनीतिक सहयोग को मजबूत करने के लिए समझौतों पर हस्ताक्षर भी किए।

अबू धाबी/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान के साथ शुक्रवार को बातचीत की और कहा कि भारत पश्चिम एशिया में शांति लाने के लिए हर संभव सहयोग देने को तैयार है। इस दौरान दोनों पक्षों ने ऊर्जा, रक्षा और प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में रणनीतिक सहयोग को मजबूत करने के लिए समझौतों पर हस्ताक्षर भी किए। मोदी ने कहा कि यूएई ने भारत में पांच अरब अमेरिकी डॉलर के निवेश की भी घोषणा की है।

प्रधानमंत्री और अल नाहयान की मुलाकात मोदी के पांच देशों के दौरे के पहले चरण में यूएई पहुंचने के तत्काल बाद हुई। मोदी यूएई में लगभग ढाई घंटा ठहरे और उसके बाद नीदरलैंड के लिए रवाना हो गये। यूएई के नेता के साथ बैठक की शुरुआत में मोदी ने कहा, ''हम यूएई पर हुए हमलों की निंदा करते हैं।''

ईरान और अमेरिकी-इजराइल युद्ध के दौरान यूएई ईरानी हमलों का शिकार हुआ है। यहां अमेरिका का एक प्रमुख सैन्य अड्डा है।

मोदी ने कहा, ''यूएई को जिस तरह से निशाना बनाया गया है, वह अस्वीकार्य है लेकिन यूएई ने जिस तरह से संयम रखते हुए मौजूदा स्थिति को संभाला है वह प्रशंसनीय है।'' प्रधानमंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि पश्चिम एशियाई संघर्ष का प्रभाव वैश्विक स्तर पर महसूस किया जा रहा है। उन्होंने कहा, ''भारत पश्चिम एशिया में शांति लाने के लिए हर संभव सहयोग करने को तैयार है।''

बैठक के दौरान दोनों नेताओं ने कुछ महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर किए। मोदी ने सोशल मीडिया पर कहा, ''यूएई की इस यात्रा के दौरान ऊर्जा, रक्षा, बुनियादी ढांचे, जहाजरानी और उन्नत प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में कई महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए।

आयकर के आईटीआर-1 एवं आईटीआर-4 फॉर्म दाखिल करने की ऑनलाइन सुविधा शुरू

नई दिल्ली/भाषा। आयकर विभाग ने आकलन वर्ष 2026-27 के लिए आईटीआर-1 और आईटीआर-4 फॉर्म को ऑनलाइन दाखिल करने की सुविधा शुक्रवार को शुरू कर दी। ये फॉर्म मुख्य रूप से छोटे और मध्यम करदाताओं द्वारा भरे जाते हैं। आयकर विभाग ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि आईटीआर-1 और आईटीआर-4 फॉर्म के लिए एक्सेल यूटिलिटी और ऑनलाइन फाइल करने की सुविधा अब ई-फाइलिंग पोर्टल पर उपलब्ध है। इन दोनों फॉर्म को 30 मार्च को अधिसूचित किया गया था। ऑनलाइन फाइलिंग और एक्सेल यूटिलिटी शुरू होने के साथ ही करदाता अब आयकर रिटर्न दाखिल करना शुरू कर सकते हैं। व्यक्तिगत करदाताओं के लिए आईटीआर-1 दाखिल करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई है, जबकि आईटीआर-4 (गैर-ऑडिट मामलों) के लिए यह समयसीमा 31 अगस्त तय की गई है।

सीबीआई ने नीट-यूजी प्रश्नपत्र लीक मामले के 'सरगना' को पुणे से गिरफ्तार किया

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) प्रश्नपत्र लीक मामले के कथित 'सरगना' एक प्रोफेसर को महाराष्ट्र के पुणे से गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, पुणे से गिरफ्तार प्रोफेसर पी वी कुलकर्णी लातूर के निवासी हैं और रसायन विज्ञान के विशेषज्ञ हैं। वह कई वर्षों तक नीट परीक्षा का प्रश्नपत्र तैयार करने वाली समिति का हिस्सा रहे थे। उन्होंने बताया कि प्रोफेसर कुलकर्णी को पुणे स्थित उनके आवास से गिरफ्तार किया गया। अधिकारियों ने कहा कि प्रश्नपत्रों तक पहुंच होने के कारण प्रोफेसर कुलकर्णी अपने घर पर विशेष कोचिंग कक्षाएं चलाते थे।

इस मामले की जानकारी रखने वाले एक अधिकारी ने बताया, ''अप्रैल 2026 के अंतिम सप्ताह के दौरान प्रोफेसर कुलकर्णी ने एक अन्य आरोपी मनीषा वाघमारे की मदद से छात्रों को संगठित किया था। मनीषा वाघमारे को सीबीआई ने 14 मई को गिरफ्तार किया था।''

राजनाथ सिंह ने आंध्र प्रदेश में लड़ाकू विमान अवसरंचना परियोजना की आधारशिला रखी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ आज दुनिया कई चुनौतियों का सामना कर रही है और ऐसे कठिन समय में यदि हम अपनी ताकत के दम पर खड़े हो सकते हैं, तो हम मजबूती से अपनी रक्षा कर सकते हैं।

पुट्टपर्थी (आंध्र प्रदेश)/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने शुक्रवार को श्री सत्य साई जिले में यहां लगभग 16,000 करोड़ रुपए की लागत वाली लड़ाकू विमान अवसंरचना परियोजना की आधारशिला रखी।

सिंह ने कहा कि यह भारत के रक्षा इतिहास में एक ऐतिहासिक अध्याय है। उन्होंने यह भी कहा कि आंध्र प्रदेश में एक नए युग की शुरुआत हो रही है। सिंह और नायडू ने उन्नत मध्यम लड़ाकू विमान (एएमसीए) कार्यक्रम अवसंरचना की आधारशिला रखी।

रक्षा मंत्री ने एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, ''आज आंध्र प्रदेश के इतिहास में एक नए युग की शुरुआत हो रही है और भारत के रक्षा इतिहास में एक ऐतिहासिक अध्याय लिखा जा रहा है। आज के शिलान्यास समारोह में चार बड़ी परियोजनाओं की शुरुआत हो रही है। इनके अलावा आठ ड्रोन कंपनियां भी कुरनूल में ड्रोन सिटी की शुरुआत कर रही हैं।''

उन्होंने कहा कि आज दुनिया कई चुनौतियों का सामना कर रही है और ऐसे कठिन समय में यदि हम अपनी ताकत के दम पर खड़े हो सकते हैं, तो हम मजबूती से अपनी रक्षा कर सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि भारत अब भी अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए अन्य देशों पर निर्भर है और इसी कारण आज शुरू हो रही परियोजनाएं बेहद महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने बताया कि पुट्टपर्थी में शुरू की जा रही परियोजना का विकास वैमानिक विकास अभिकरण (एडीए) द्वारा किया जा रहा है जो रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) का हिस्सा है। सिंह ने कहा कि यह एजेंसी पांचवीं पीढ़ी के एएमसीए लड़ाकू विमान का विकास कर रही है। सिंह ने कहा कि लगभग 16,000 करोड़ रुपए के निवेश से यहां विमान एकीकरण और उन्नत उड़ान परीक्षण केंद्र विकसित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसी सुविधाएं दुनिया के केवल कुछ ही देशों के पास हैं।

मुख्यमंत्री नायडू ने कहा कि विभिन्न रक्षा सुविधाओं के विकसित होने से आंध्र प्रदेश देश की रक्षा ढाल बनकर उभरेगा।

एएमसीए परियोजना के महत्व पर प्रकाश डालते हुए नायडू ने कहा कि यह पहल भारत के रक्षा क्षेत्र की क्षमताओं को प्रदर्शित करेगी और स्वदेशी तकनीक के जरिए लड़ाकू विमान निर्माण को मजबूती देगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि पुट्टपर्थी में लगभग 650 एकड़ भूमि पर स्थापित की जा रही एएमसीए परियोजना एक समर्पित टाउनशिप के विकास का मार्ग प्रशस्त करेगी और करीब 7,500 लोगों के लिए रोजगार के अवसर पैदा करेगी।

पश्चिम एशिया में शांति के लिए भारत 'बड़ी भूमिका' निभा सकता है : अराघची

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने शुक्रवार को कहा कि भारत पश्चिम एशिया में शांति के लिए ''बड़ी भूमिका'' निभा सकता है क्योंकि इस क्षेत्र के लगभग सभी देशों के साथ उसके मैत्रीपूर्ण संबंध हैं।

अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच युद्ध के आर्थिक प्रभावों को लेकर बढ़ती वैश्विक चिंता के बीच उनका यह बयान आया है।

नई दिल्ली में संवाददाता सम्मेलन में उनकी ये टिप्पणियां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अबू धाबी में दिए गए उस बयान के कुछ ही समय बाद आईं, जिसमें उन्होंने कहा था कि भारत इस क्षेत्र में शांति के लिए हर संभव सहयोग देने को तैयार है।

अराघची भारत द्वारा आयोजित ब्रिक्स देशों के विदेश मंत्रियों के सम्मेलन में भाग लेने के लिए तीन दिवसीय दौरे पर राष्ट्रीय राजधानी में हैं।

एक सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि भारत, अपनी अच्छी छवि के साथ इस क्षेत्र में शांति और सुरक्षा को बढ़ावा देने में बड़ी भूमिका निभा सकता है।''

ईरान के विदेश मंत्री ने कहा, ''इस क्षेत्र में भारत द्वारा निभाई जाने वाली किसी भी सकारात्मक और रचनात्मक भूमिका की हम सराहना करेंगे।''

अमेरिका के साथ बातचीत के बारे में उन्होंने कहा कि यह ''विश्वास की कमी'' के कारण प्रभावित हो रही है। उन्होंने कहा, ''ईरान अमेरिका और इजराइल द्वारा की गई बिना उकसावे की आक्रामकता का शिकार हुआ है।'' उन्होंने कहा, ''एक राजनयिक के तौर पर, मुझे उम्मीद है कि कूटनीतिक समाधान निकल सकता है, लेकिन हमें पूर्ण पैमाने पर युद्ध की ओर लौटने की संभावना को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। हम, 'इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान' के रूप में, दोनों ही स्थितियों के लिए तैयार हैं।''

अराघची ने कहा, ''हम फिर से लड़ने के लिए तैयार हैं और हम जानते हैं कि अपना बचाव कैसे करना है और हमने युद्ध के इन 40 दिन में इसे साबित कर दिया है और हम कूटनीतिक समाधान के लिए भी तैयार हैं।''

16-05-2026 सूर्यास्त 6:38 बजे | 17-05-2026 सूर्योदय 5:54 बजे

BSE	NSE
75,237.99 (-160.73)	23,643.50 (-46.10)

सोना	चांदी
16,260 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	288,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

साझी सत्ता

जोड़-तोड़ की नाव बना कर,
हम साझा पतवार चलाएं।
कुछ तुम अकड़ो कुछ हम अकड़ें,
मिल करके अधिकार चलाएं।
नये दौर की चाल समझ कर,
भारत की जयकार चलाएं।
जनमत का करके बँटवारा,
चलो नई सरकार चलाएं।।

कर्नाटक में शिक्षण संस्थानों में हिजाब की अनुमति देने के फैसले का 'विहिप' ने विरोध किया

बेंगलूरु। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने शुक्रवार को कर्नाटक सरकार के राज्य भर के शिक्षण संस्थानों में हिजाब पहनने की अनुमति देने के फैसले पर कड़ा विरोध जताया और इस प्रतिबंध को हटाने वाले सरकारी आदेश को तत्काल वापस लेने की मांग की। विहिप ने यह मांग राज्य सरकार द्वारा छात्राओं को विद्यालयों में हिजाब, जनेऊ, शिवधारा और रुद्राक्ष पहनने की अनुमति देने वाला आदेश पारित करने के दो दिन बाद की है। राज्य सरकार ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार के 2022 के उस आदेश को रद्द कर दिया है जिसमें हिजाब बनाम भगवा शॉल विवाद के बाद सरकारी स्कूलों में हिजाब पर प्रतिबंध लगाया गया था। विहिप इसे 'तुष्टीकरण की राजनीति' मानती है। विहिप ने एक बयान में कहा कि पांच फरवरी 2022 के सरकारी आदेश के तहत लगाए गए प्रतिबंध कर्नाटक शिक्षा अधिनियम, 1983 की धारा 133(2) के अंतर्गत जारी किए गए थे।

बयान के अनुसार, यह आदेश संस्थानों को अनुशासन, एकरूपता और कक्षाओं को धर्मनिरपेक्ष बनाने के लिए स्कूली पोशाक निर्धारित करने का अधिकार देता था। यह इस सिद्धांत पर आधारित था कि शैक्षणिक परिसरों को ऐसे धार्मिक प्रतीकों से मुक्त रहना चाहिए जो छात्रों के बीच अलगाव पैदा करते हैं। विहिप ने आरोप लगाया, सरकार ने व्यक्तिगत धार्मिक प्रथाओं को संस्थागत नियमों पर हावी होने की अनुमति देकर प्रशासनिक अनुशासन को कमजोर किया है और कानूनी अनिश्चितता का आधार तैयार किया है।

एसआईआर को अनुसूचित जाति, पिछले वर्ग और अल्पसंख्यकों के वोट काटने के लिए शुरू किया जा रहा : शिवकुमार

बेंगलूरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को अनुसूचित जाति (एससी), पिछड़े वर्ग और अल्पसंख्यकों के वोट काटने के उद्देश्य से शुरू किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य की सत्तारूढ़ कांग्रेस यह सुनिश्चित करेगी कि उनके वोट सुरक्षित रहें। शिवकुमार ने कहा कि पार्टी अपने सभी नेताओं को मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के बारे में जागरूक कर रही है। शिवकुमार कांग्रेस की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष भी हैं। भारत निर्वाचन आयोग ने बृहस्पतिवार को 16 राज्यों और तीन केंद्र शासित प्रदेशों में चरणबद्ध तरीके से 36.73 करोड़ मतदाताओं को शामिल करते हुए एसआईआर के तीसरे चरण को लागू करने की घोषणा की थी। कर्नाटक भी इसमें शामिल है। शिवकुमार ने कहा, हमें पता है कि यह (एसआईआर) लागू किया जा रहा है। हमारे पास सारी जानकारी है। हम पार्टी के सभी नेताओं को जागरूक कर रहे हैं। सभी दल अपने-अपने वोट सुरक्षित करें - भाजपा और जनता दल (सेक्युलर) भी अपने वोट सुरक्षित करें। यहां संवाददाताओं से बातचीत में उन्होंने कहा, इसका (एसआईआर का) उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि अनुसूचित जाति, पिछड़े वर्ग और अल्पसंख्यकों के वोट काट दिए जाएं। लेकिन हम सुनिश्चित करेंगे कि वे सुरक्षित रहें। भारत में जन्म लेने वाले हर व्यक्ति को उसका अधिकार मिलना चाहिए।

शिवकुमार ने केरल के मुख्यमंत्री पद के लिए नामित सतीशन को शुभकामनाएं दीं

बेंगलूरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने शुक्रवार को केरल के मुख्यमंत्री पद के लिए नामित वी. डी. सतीशन को शुभकामनाएं दीं और कहा कि इस दौड़ में कुछ वरिष्ठ नेता भी थे, लेकिन कांग्रेस पार्टी ने शीर्ष पद के लिए उन्हें ही चुना। केरल में मुख्यमंत्री पद के लिए बृहस्पतिवार को सतीशन के नाम का ऐलान किया गया, जिससे पार्टी के नेतृत्व वाले संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) को नौ अप्रैल को हुए विधानसभा चुनावों में शानदार जीत मिलने के बावजूद शीर्ष पद को लेकर कई दिनों से जारी असमंजस की स्थिति समाप्त हो गयी। शिवकुमार ने यहां पत्रकारों से कहा, मैं उन्हें (सतीशन को) शुभकामनाएं देता हूं। लेकिन फिर भी कई वरिष्ठ नेता थे। मुख्यमंत्री पद की दौड़ में तीन नेता थे। सभी बहुत सक्षम और कुशल हैं। लेकिन पार्टी ने सतीशन को चुना है। मैं उन्हें शुभकामनाएं देता हूं।

सोमवार और शुक्रवार को उच्चतम न्यायालय में वीडियो कॉन्फ्रेंस से होगी मामलों की सुनवाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने फैसला किया है कि सोमवार और शुक्रवार को मामलों की सुनवाई सिर्फ वीडियो कॉन्फ्रेंस से की जाएगी। साथ ही, न्यायाधीशों ने ईंधन की बचत के लिए आपस में 'कार-पूलिंग' की व्यवस्था को प्रोत्साहित करने का सर्वसम्मति से संकल्प लिया।

यह कदम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के उस आह्वान के बाद आया है, जिसमें उन्होंने पश्चिम एशिया संकट के मद्देनजर ऐसे खर्च में कटौती करने की बात कही थी, जिससे बचा जा सकता है। एक परिपत्र में कहा गया है, ''विविध दिनों (यानी सोमवार, शुक्रवार, या ऐसे दूसरे दिन जिन्हें विविध घोषित किया गया है) में सूचीबद्ध मामलों और न्यायालय के आंशिक कामकाजी दिनों के दौरान सूचीबद्ध मामलों की सुनवाई सिर्फ वीडियो-कॉन्फ्रेंस से की जाएगी।''

आम तौर पर विविध दिनों में उच्चतम न्यायालय में नये और अत्यावश्यक मामलों की सुनवाई की जाती है। इसमें कहा गया है, ''रजिस्ट्री सुनिश्चित करेगी कि वीडियो-कॉन्फ्रेंस के लिए लिंक समय पर भेजे जाएं, वीडियो-कॉन्फ्रेंस की स्थिरतापूर्ण सुविधा बनी रहे और समय पर तकनीकी मदद की सुविधा मिले, ताकि अदालत को कोई असुविधा न हो।''

शीर्ष अदालत के परिपत्र में यह भी कहा गया है कि अगले आदेश तक रजिस्ट्री के प्रत्येक खंड या शाखा में 50 प्रतिशत कर्मियों को हर सप्ताह दो दिन तक घर से काम करने की अनुमति होगी, बशर्ते बाकी कर्मचारी निर्बाध कामकाज के लिए दफ्तर में उपस्थित हों।

परिपत्र में लिखा है, ''संबंधित रजिस्ट्रार सप्ताह शुरू होने से पहले साप्ताहिक रोस्टर तैयार कराएंगे। जिन कर्मचारियों को घर से काम करने की अनुमति होगी, उन्हें टेलीफोन पर उपलब्ध रहने और किसी भी समय जरूरत पड़ने पर कार्यालय आने के लिए तैयार रहने का निर्देश दिया जाए।''

इसमें कहा गया है, ''संबंधित अधिकारी उन्हें दिए गए विभिन्न कार्यों का समय पर पूरा किया जाना सुनिश्चित करेंगे। अगर किसी शाखा या खंड में काम की आवश्यक प्रकृति पर विचार करने के बाद, संबंधित रजिस्ट्रार को लगता है कि घर से काम करने की व्यवस्था प्रभावी नहीं है, तो रजिस्ट्रार उस शाखा या खंड के लिए ऐसी व्यवस्था पर रोक लगा सकते हैं या उसमें बदलाव कर सकते हैं।

चीन को भारत का निर्यात अप्रैल में 27% बढ़ा, आयात में 20.85% की वृद्धि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत का चीन को निर्यात अप्रैल में 27 प्रतिशत बढ़ा, जबकि उसी अवधि में चीन से आयात 20.85 प्रतिशत बढ़ गया। सरकारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। अप्रैल 2026 में चीन को निर्यात बढ़कर 1.77 अरब डॉलर हो गया, जो एक साल पहले इसी अवधि में 1.39 अरब डॉलर था। इसी तरह चीन से आयात बढ़कर 11.97 अरब डॉलर पहुंच गया, जो अप्रैल 2025 में 9.90 अरब डॉलर था।

इस दौरान भारत का चीन के साथ व्यापार घाटा बढ़कर 10.2 अरब डॉलर हो गया, जबकि पिछले वर्ष समान अवधि में यह 8.51 अरब डॉलर था। आंकड़ों के अनुसार चीन ने वित्त वर्ष 2025-26 में अमेरिका को पीछे छोड़ते हुए भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बन गया है। इस अवधि में दोनों देशों के बीच कुल व्यापार 151.1 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जबकि चीन के साथ भारत का व्यापार घाटा 112.16 अरब डॉलर रहा। अमेरिका 2024-25 तक चार वर्षों तक भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार रहा था। अमेरिका को भारत का निर्यात अप्रैल में 1.14% बढ़कर 8.47 अरब डॉलर हो गया, जबकि अमेरिका से आयात 4.67% घटकर 5.27 अरब डॉलर रहा। सरकारी आंकड़ों के अनुसार सिंगापुर, तंजानिया, हांगकांग, मलेशिया, वियतनाम, ऑस्ट्रेलिया और बांग्लादेश जैसे देशों को निर्यात में तेज बढ़ोतरी दर्ज की गई, जिससे अप्रैल में कुल निर्यात वृद्धि 13.48% के पांच महीने के उच्च स्तर पर पहुंच गई। सिंगापुर को निर्यात 179.18% बढ़कर 3.19 अरब डॉलर, तंजानिया को 157.63% बढ़कर 1.29 अरब डॉलर और श्रीलंका को 214.65% बढ़कर 1.02 अरब डॉलर रहा।

सतीशन ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता चेन्निथला और पूर्व मुख्यमंत्री पिनराई विजयन से मुलाकात की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल के मुख्यमंत्री बनने जा रहे कांग्रेस नेता वी.डी. सतीशन ने शुक्रवार को पार्टी के वरिष्ठ सहयोगी रमेश चेन्निथला से यहां उनके आवास पर मुलाकात की और कहा कि वह दोनों भाई जैसे हैं।

इसके अलावा, सतीशन अपने पूर्ववर्ती पिनराई विजयन से भी मिले। सतीशन और चेन्निथला दोनों मुख्यमंत्री पद की दौड़ में थे। हालांकि, कांग्रेस द्वारा सतीशन को अगला मुख्यमंत्री घोषित किए जाने के बाद, चेन्निथला बृहस्पतिवार को तिरुवनंतपुरम स्थित अपने आवास से निकलकर गुरुवायुर चले गए। वह शुक्रवार सुबह राजधानी लौटे। सतीशन को पूर्वाह्न 10 बजे चेन्निथला के आवास पर जाना था, लेकिन चेन्निथला के अपने करीबी पार्टी नेताओं के साथ बाहर जाने के कारण मुलाकात में देरी हुई।

पूर्व मुख्यमंत्री पिनराई विजयन से मुलाकात के बाद, सतीशन दोपहर करीब साढ़े 12 बजे चेन्निथला के घर गए। वरिष्ठ नेता ने उनका स्वागत किया, जिसके बाद दोनों ने चर्चा की। इस बैठक में कांग्रेस नेता अनवर सादात, अबिन वर्की, ज्योति कुमार, वी.टी. बलराम और जोसेफ वाझक्कन भी मौजूद थे। बाद में, दोनों नेताओं ने अन्य नेताओं की अनुपस्थिति में चर्चा की। बैठक लगभग 45 मिनट तक चली। सतीशन ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''मैं चेन्निथला से उनका आशीर्वाद लेने गया था। छात्र जीवन से लेकर आज तक, वह हमेशा से मेरे नेता रहे हैं।'' सतीशन ने कहा कि चेन्निथला ने उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए आशीर्वाद दिया। उन्होंने कहा, ''उनका आशीर्वाद और समर्थन हमेशा मेरे साथ रहेगा। यह दो भाइयों के बीच की मुलाकात है।'' जब उनसे पूछा गया कि क्या चेन्निथला मंत्रिमंडल का हिस्सा होंगे, तो सतीशन ने कहा कि यह फैसला पार्टी करेगी।

बेरोजगारी दर अप्रैल में छह महीने के उच्च स्तर 5.2 प्रतिशत पर: सरकारी सर्वेक्षण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। देश में 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के लोगों के लिए बेरोजगारी दर बढ़कर अप्रैल महीने में 5.2 प्रतिशत पर पहुंच गई, जो छह महीने का उच्च स्तर है। शुक्रवार को जारी निश्चित अवधि पर होने वाले श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) रिपोर्ट से यह जानकारी मिली।

सांख्यिकी एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय की तरफ से जारी पीएलएफएस मासिक बुलेटिन के मुताबिक, देश में बेरोजगारी दर का पिछला उच्च स्तर अक्टूबर 2025 में भी 5.2 प्रतिशत दर्ज किया गया था। बेरोजगारी दर मार्च, 2026 और अप्रैल, 2025 दोनों महीनों में 5.1 प्रतिशत पर रही थी।

शहरी क्षेत्रों में बेरोजगारी दर अप्रैल 2026 में मामूली रूप से घटकर 6.6% रह गई, जबकि मार्च में यह 6.8% थी। वहीं, ग्रामीण क्षेत्रों में यह बढ़कर 4.6% हो गई, जो एक माह पहले 4.3% थी। पुरुषों में बेरोजगारी की दर अप्रैल महीने में 5.1% रही, जो मार्च में पांच प्रतिशत और अप्रैल 2025 में 5.2% थी। ग्रामीण पुरुषों में बेरोजगारी दर 4.7% रही, जो मार्च में 4.4 प्रतिशत थी। शहरी पुरुषों में यह घटकर 5.9 प्रतिशत रह गई, जो मार्च में 6.1 प्रतिशत थी। महिलाओं में बेरोजगारी की दर अप्रैल में बढ़कर 5.4 प्रतिशत हो गई, जो मार्च में 5.3 प्रतिशत और अप्रैल 2025 में पांच प्रतिशत थी। ग्रामीण महिलाओं में यह घटकर 4.1 प्रतिशत रह गई, जबकि मार्च में यह 4.4 प्रतिशत थी। वहीं, शहरी महिलाओं में बेरोजगारी घटकर 8.5 प्रतिशत रह गई, जो मार्च में नौ प्रतिशत थी। मंत्रालय ने कहा कि देश में श्रम बल भागीदारी दर (एलएफपीआर) अप्रैल 2026 में घटकर 55 प्रतिशत रह गई, जो मार्च में 55.4 प्रतिशत और अप्रैल 2025 में 55.6 प्रतिशत थी।

चांदी से लदी वैन ट्रक से टकराई; दो की मौत, एक घायल

पालघर/भाषा। महाराष्ट्र के पालघर जिले में शुक्रवार को एक राजमार्ग पर करोड़ों रुपए की चांदी ले जा रही एक वैन डिवाइडर से टकरा गई और एक ट्रक से जा भिड़ी। इस हादसे में दो लोगों की मौत हो गई और एक घायल हो गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि यह दुर्घटना मुंबई-अहमदाबाद राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित चारोटी पुल पर सुबह करीब 6.20 बजे हुई जो कासा पुलिस थाने के अधिकार क्षेत्र में आता है। पालघर के पुलिस अधीक्षक यतीश देशमुख ने बताया कि चालक ने नियंत्रण खो दिया, जिसके कारण वैन गुजरात की ओर जाने वाली लेन पर डिवाइडर से टकरा कर दूसरी तरफ चली गई और एक ट्रेलर ट्रक से जा टकराई।

गोयल ने केरल, कर्नाटक और तेलंगाना की कांग्रेस सरकारों से विमान ईंधन पर वैट घटाने को कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को केरल, कर्नाटक और तेलंगाना की कांग्रेस सरकारों से विमान ईंधन (एटीएफ) पर मूल्य वर्धित कर (वैट) में कटौती करने का आग्रह किया। उन्होंने इन राज्यों को महाराष्ट्र की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत सरकार का अनुसरण करने की सलाह दी।

गोयल ने यहां सांताक्रूज इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात प्रसंस्करण क्षेत्र (एसईईपीजेड) में संवाददाताओं से कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र के सुझाए गए खर्चों में कटौती संबंधी उपाय स्वैच्छिक प्रकृति के हैं और संकट के समय हर देशभक्त भारतीय को देश की मदद करनी चाहिए। उन्होंने कहा, मुझे उम्मीद है कि कर्नाटक, केरल और तेलंगाना जैसे जिन राज्यों में अभी कांग्रेस की सरकार है, वे भी एटीएफ के मुद्दे पर विचार करेंगे और जनहित से जुड़े कदम उठाएंगे। भाजपा के वरिष्ठ नेता ने एटीएफ पर वैट 18 प्रतिशत से घटाकर सात प्रतिशत करने के लिए महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की सराहना की। उन्होंने कहा कि इससे हवाई माल ढुलाई शुल्क कम होगा, नए बाजारों की तलाश में यात्रा करने वाले निर्यातकों को सहायता मिलेगी और पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। विदेशी मुद्रा बचाने के लिए उदारीकृत प्रेषण योजना (एलआरएस) पर प्रतिबंध लगाए जाने संबंधी सवाल पर गोयल ने कहा कि प्रधानमंत्री की अपील स्वैच्छिक है। उन्होंने कहा, उन्होंने (प्रधानमंत्री) अपील की है, अनुरोध किया है और मुझे भरोसा है

सीएम की कार के साथ केवल एस्कॉर्ट और पायलट वाहन चलेंगे : सतीशन

तिरुवनंतपुरम/ भाषा। केरल के मुख्यमंत्री पद के लिए नामित वी डी सतीशन द्वारा लिए गए पहले निर्णयों में से एक यह था कि वह पूर्ववर्ती मुख्यमंत्री के विशाल काफिले के विपरीत अपने काफिले को केवल तीन वाहनों तक सीमित रखेंगे।

पार्टी सूत्रों के अनुसार, सतीशन ने निर्देश दिया है कि उनकी आधिकारिक कार के साथ केवल एक पायलट और एक एस्कॉर्ट वाहन ही होना चाहिए और उनके यात्रा करते समय सड़क पर लोगों को रोका नहीं जाना चाहिए। उनका यह निर्णय बदलाव को दिखाता है जो मंत्रियों की आवभगत की संस्कृति और पूर्व मुख्यमंत्री पिनरायी विजयन के काफिले में दिखने वाले 10 से अधिक वाहनों के विपरीत है। यहां तक कि केरल के पूर्व मुख्यमंत्री ओमन चांडी भी विजयन के काफिले जितना विशाल काफिला नहीं लेकर चलते थे।

फ्लिपकार्ट देश के ई-कॉमर्स बाजार में 50 से 60% बाजार हिस्सेदारी के साथ अग्रणी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। फ्लिपकार्ट सकल वस्तु मूल्य (जीएमवी) के आधार पर 50 से 60 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ देश के ई-कॉमर्स बाजार में अग्रणी बना हुआ है। ब्रोकरेज कंपनी आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज और सीएलएसए की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। जीएमवी किसी ई-कॉमर्स मंच या मार्केटप्लेस के माध्यम से एक निश्चित समयावधि में बेचे गए सामान का कुल मौद्रिक मूल्य है।

रिपोर्ट के अनुसार, फ्लिपकार्ट ने एक सप्ताह में 85 लाख साप्ताहिक सक्रिय उपयोगकर्ता (डब्ल्यूएयू) जोड़े हैं, जो प्रमुख ई-कॉमर्स मंचों में सबसे अधिक हैं। इससे कंपनी की बाजार में बढ़त और मजबूत हुई है। आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज ने कहा कि वॉलमार्ट के स्वामित्व वाली फ्लिपकार्ट के मासिक सक्रिय उपयोगकर्ताओं की संख्या 22 करोड़ से 24 करोड़ के बीच आंकी गई है, जबकि भारत में इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की संख्या लगभग 85 करोड़ है।

रिपोर्ट में कहा गया कि कंपनी नए उपयोगकर्ता जोड़ने के बजाय मौजूदा ग्राहकों को अधिक उत्पाद श्रेणियों से जोड़ने और बिक्री बढ़ाने की रणनीति पर ध्यान दे रही है। सीएलएसए की एक अलग रिपोर्ट के अनुसार, चार मई को समाप्त सप्ताह में फ्लिपकार्ट ने ई-कॉमर्स क्षेत्र में साप्ताहिक सक्रिय उपयोगकर्ताओं के मामले में अपनी बढ़त और मजबूत की।

फ्लिपकार्ट ने एक सप्ताह में 85 लाख डब्ल्यूएयू जोड़े, जबकि इसी अवधि में अमेजन ने 66 लाख उपयोगकर्ता जोड़े। दूसरी ओर, मीशो के डब्ल्यूएयू में 59 लाख की गिरावट दर्ज की गई। रिपोर्ट के अनुसार, इस वर्ष अब तक फ्लिपकार्ट ने कुल 2.68 करोड़ नए साप्ताहिक सक्रिय उपयोगकर्ता जोड़े हैं।

रिपोर्ट में स्मार्टफोन, घरेलू उपकरण और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे उच्च औसत बिक्री मूल्य (एएसपी) वाले उत्पाद वर्गों में फ्लिपकार्ट की हिस्सेदारी 63 से 64 प्रतिशत बताई गई है।

रिपोर्ट में कहा गया कि अमेजन जीएमवी के आधार पर 25 से 30 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ दूसरे स्थान पर है। उसके मंच पर 100 से अधिक श्रेणियों में लगभग 18 करोड़ उत्पाद सूचीबद्ध हैं।

अमेजन की सौंदर्य एवं व्यक्तिगत देखभाल, एफएमसीजी (दैनिक उपयोग का सामान) और सामान्य वस्तु श्रेणियों में मजबूत उपस्थिति है, लेकिन स्मार्टफोन और इलेक्ट्रॉनिक्स में उसकी हिस्सेदारी 35 से 36 प्रतिशत है, जो फ्लिपकार्ट से कम है।

मीशो की कुल जीएमवी हिस्सेदारी लगभग 10 प्रतिशत आंकी गई है। कंपनी ने टियर-तीन यानी छोटे शहरों और कस्बों में मजबूत उपस्थिति बनाई है।

फ्लिपकार्ट के मंच पर 80 से अधिक श्रेणियों में 15 करोड़ से अधिक उत्पाद उपलब्ध हैं और उससे करीब 4.5 लाख विक्रेता जुड़े हैं। वहीं अमेजन के मंच पर लगभग सात लाख विक्रेता और मीशो के मंच पर करीब चार लाख विक्रेता हैं।

भारत सरकार
सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय
दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग
5वीं मंजिल, पं. दीनदयाल अंत्योदय भवन, सीजीओ कॉम्प्लेक्स, लोदी रोड, नई दिल्ली-110003

वर्ष 2026 के लिए दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण के लिए राष्ट्रीय पुरस्कारों के लिए ऑनलाइन माध्यम से आवेदन आमंत्रित करना

वर्ष 2026 के लिए दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण हेतु राष्ट्रीय पुरस्कारों के लिए आवेदन/नामांकन प्राप्त करने के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल 15 मई, 2026 से 31 जुलाई, 2026 तक खुला रहेगा। इसका विवरण निम्नानुसार है:

i. आवेदन/नामांकन राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल (www.awards.gov.in) पर किए जायेंगे।

ii. वर्ष 2026 के राष्ट्रीय पुरस्कारों के लिए 31 जुलाई, 2026 तक प्राप्त आवेदन/नामांकन पर ही विचार किया जाएगा।

iii. वर्ष 2026 के लिए आवेदन केवल राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल (www.awards.gov.in) पर ऑनलाइन जमा किया जाना है। नामांकन में उपरोक्त पोर्टल पर उपलब्ध प्रारूप में निर्दिष्ट सभी प्रासंगिक विवरण शामिल होने चाहिए, जिसमें उल्लेखनीय और प्रेरक उपलब्धियों को स्पष्ट रूप से शामिल किया जाना चाहिए तथा उपलब्धियों से संबंधित सहायक दस्तावेज भी अपलोड करना चाहिए। व्यक्तिगत उत्कृष्टता के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार के अंतर्गत उप-श्रेणियां - सर्वश्रेष्ठ दिव्यांगजन, श्रेष्ठ दिव्यांगजन और श्रेष्ठ सृजनशील दिव्यांग बालक/बालिका के लिए, यूडीआईडी कार्ड/दिव्यांगता प्रमाण पत्र अपलोड करना अनिवार्य है।

iv. भौतिक रूप से या किसी अन्य रूप से प्राप्त आवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा।

v. पात्रता मानदंड और अन्य विवरणों के लिए विभाग की वेबसाइट (www.depwd.gov.in) पर उपलब्ध दिव्यांग व्यक्तियों के सशक्तिकरण के लिए राष्ट्रीय पुरस्कारों के लिए दिशानिर्देश तथा राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल (www.awards.gov.in) पर भी देखे जा सकते हैं।

अवर सचिव, भारत सरकार
दूरभाष : 011-24369057
CBC 38117/11/0001/2627

भाजपा की सरकार में चोरी करने वालों को इनाम, परीक्षा देने वाले बच्चे जान गंवाते हैं:

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट यूजी के रद्द होने के बाद दो छात्रों की कथित आत्महत्या को लेकर शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधा और दावा किया कि भाजपा की सरकार में चोरी करने वालों को इनाम मिलता है तथा परीक्षा देने वाले बच्चे जान गंवाते हैं। उन्होंने कहा कि बच्चों का भविष्य चोरी करने वालों को जवाब देना ही होगा।

कांग्रेस नेता ने उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी के 21 साल के ऋतिक मिश्रा और गोवा में एक छात्र की कथित आत्महत्या का उल्लेख किया और कहा कि प्रधानमंत्री की जवाबदेही के लिए कितने ऋतिक को जान देनी होगी। राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट किया, अब नहीं देनी प्रतियोगी परीक्षा। लखीमपुर खीरी के 21 साल के ऋतिक मिश्रा के ये आख़िरी शब्द थे। तीसरी बार नीट देने वाला यह बच्चा, परीक्षा रद्द होते ही टूट गया। गोवा में भी एक नीट अभ्यर्थी ने जान दे दी। ये बच्चे परीक्षा से नहीं हारे, इन्हें एक भ्रष्ट तंत्र ने मारा है। उन्होंने दावा किया कि यह आत्महत्या नहीं, यह व्यवस्था द्वारा की गई हत्या है।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने कहा, आंकड़े देखिए, 2015 से 2026 तक 148 परीक्षा घोटाले हुए, 87 परीक्षाएं रद्द हुईं और नौ करोड़ बच्चों का भविष्य प्रभावित हुआ।

भारी वर्षा के बीच छत गिरने से एक ही परिवार के चार लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

विजयपुरा। कर्नाटक के विजयपुरा जिले में तेज हवाओं के साथ हुई भारी वर्षा के दौरान एक किराये के पुराने मकान की छत गिरने से एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि मृतकों की पहचान गुरुनाथ बडिगेरा (35), उसकी पत्नी ज्योति बडिगेरा (28) और उनके दो बच्चों कलम्मा बडिगेरा (13) तथा कीर्ति बडिगेरा (9) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, यह घटना विजयपुरा जिले के अलमेला तालुका के मोरतगी गांव में हुई।

पुलिस ने बताया कि इस परिवार के निजी आवास में मरम्मत कार्य हो रहा था जिसके कारण परिवार के लोग इस किराए के पुराने मकान में रह रहे थे। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि परिवार के चारों सदस्य सो रहे थे, तभी अचानक छत उनके ऊपर गिर गई। वे मलबे के नीचे दब गए और उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा विभाग के कर्मी और पुलिस तुरंत मौके पर पहुंचे तथा शवों को बाहर निकालने के लिए बचाव अभियान शुरू किया।

पुलिस ने बताया कि यह घटना सिंदगी थाना क्षेत्र के अंतर्गत हुई। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने घटनास्थल का दौरा कर इलाके का निरीक्षण किया। मामले की जांच जारी है। इस बीच, घटना को भयावह बताते हुए भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष बी वाई विजयेंद्र ने राज्य सरकार से मृतक के परिवार के लिए उचित अनुग्रह राशि की घोषणा तुरंत करने का आग्रह किया। उन्होंने सरकार से जिला प्रशासनों को पूरे राज्य में जर्जर मकानों और इमारतों की पहचान कर आवश्यक कदम उठाने के निर्देश देने की भी मांग की। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, भारी बारिश के कारण मकान की छत गिरने से एक ही परिवार के चार सदस्यों का जिंदा दफन हो जाना वास्तव में नियति का क्रूर मजाक है। मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि दिवंगत आत्माओं को शांति मिले और उनके प्रियजनों को इस दुख को सहन करने की शक्ति मिले।

शिक्षा ऐसी होनी चाहिए जो रोजगार व सम्मानजनक आजीविका से जोड़ सके : मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने शुक्रवार को कहा कि राज्य सरकार शिक्षा और रोजगार के बीच की खाई पाटने के लिए काम कर रही है और इस बात पर बल दिया कि शिक्षा ऐसी होनी चाहिए जो युवाओं को कौशल, अवसर और सम्मानजनक आजीविका से जोड़ सके। उच्च शिक्षा विभाग के तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय 'कैंपस टु करियर समिट' का उद्घाटन के बाद अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालयों, उद्योगों और सरकार के बीच मजबूत तालमेल की जरूरत पर बल दिया, ताकि शिक्षा को अर्थव्यवस्था की जरूरतों से जोड़ा जा सके। उन्होंने कहा, कर्नाटक की विकास गाथा को आगे बढ़ाने के लिए विश्वविद्यालयों, उद्योगों और सरकार, इन तीनों स्तंभों को मिलकर काम करना होगा, तभी शिक्षा अर्थव्यवस्था की असली जरूरतों को प्रतिबिंबित कर पाएगी। सिद्दरामय्या ने याद दिलाया कि डॉ. भीमराव आंबेडकर शिक्षा को सामाजिक बदलाव और सशक्तीकरण का सबसे बड़ा हथियार मानते थे, उनके लिए यह एक मौलिक अधिकार था। उन्होंने कहा कि कर्नाटक सरकार भी शिक्षा को एक न्यायसंगत और प्रगतिशील समाज की नींव मानती है, जो ज्ञान, कौशल, नवाचार और समावेशी विकास को संभव बनाती है। उन्होंने कहा, कर्नाटक का देश की सबसे गतिशील अर्थव्यवस्थाओं में से एक बनना कोई संयोग नहीं है। यह दशकों की शिक्षा, संस्था-निर्माण और मानव संसाधन में निवेश का परिणाम है। सम्मेलन में उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार, उच्च शिक्षा मंत्री एम.सी. सुधाकर, वृहद एवं मध्यम उद्योग मंत्री एम.बी. पाटिल और सूचना एवं प्रौद्योगिकी मंत्री प्रियंक खरगे भी मौजूद थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार भविष्य के लिए तैयार विश्वविद्यालय और कॉलेज बनाने के लिए प्रतिबद्ध है, जहां रोजगार क्षमता, कौशल विकास और करियर की तैयारी पर खुली चर्चा हो। उन्होंने कहा, पाठ्यक्रम बाजार की जरूरत से जुड़े होने चाहिए।

'औरंगजेबी सरकार': भाजपा ने भगवा शॉल पर प्रतिबंध को लेकर कर्नाटक सरकार की आलोचना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। कांग्रेस के नेतृत्व वाली कर्नाटक सरकार द्वारा शैक्षणिक संस्थानों में भगवा शॉल की अनुमति न दिए जाने के स्पष्टीकरण पर शुक्रवार को राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया। भाजपा ने सरकार पर तुष्टीकरण और वोट बैंक की राजनीति करने का आरोप लगाया है। यह विवाद तब भड़का जब कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने बृहस्पतिवार को कहा कि राज्य सरकार के धार्मिक प्रतीकों संबंधी आदेश के तहत शैक्षणिक संस्थानों में भगवा शॉल की अनुमति नहीं होगी, जबकि हिजाब, पगड़ी, रुद्राक्ष की माला और जनेऊ धारण करने जैसी पहले से चली आ रही प्रथाएं जारी रहेंगी।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार तुष्टीकरण की राजनीति कर रही है और इसे 'औरंगजेबी सरकार' करार दिया। पूनावाला ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, यह सरकार संस्थानों के अंदर हिजाब पहनने की अनुमति देती है, जिसकी उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालय ने अनुमति नहीं दी थी। लेकिन आप 'भगवा' शॉल या 'भगवा' अंगवस्त्रम नहीं पहन सकते। यही सिद्दरामय्या सरकार की मानसिकता है।

उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार तुष्टीकरण की राजनीति के लिए किसी भी हद तक जा सकती है और पार्टी पर अतीत में भी 'सनातन धर्म का अपमान' करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, उन्होंने 'भगवा आतंकवाद' और 'हिंदू आतंकवाद' जैसे शब्दों से लेकर सनातन धर्म का अपमान करने तक, हिंदू-विरोधी भावना दिखाई है। हमने देखा है कि तमिलनाडु में कांग्रेस नेताओं ने सनातन धर्म का अपमान कैसे किया है। तेलंगाना में उन्होंने कहा कि कांग्रेस का मतलब मुसलमान है। वे वोट बैंक की राजनीति और तुष्टीकरण के नाम पर मुस्लिम आरक्षण की मांग कर रहे हैं।

पूनावाला ने आरोप लगाया कि सिद्दरामय्या सरकार ने भेदभावपूर्ण नीति अपनाई है और दावा किया कि उसने पहले 'केवल मुसलमानों के लिए बजट' और 'मुस्लिम बस्तियों' की घोषणा की थी। कर्नाटक सरकार ने बुधवार को एक आदेश के तहत छात्रों को स्कूलों में हिजाब, जनेऊ, शिवधारा और रुद्राक्ष पहनने की अनुमति दे दी। इस आदेश ने भाजपा सरकार के 2022 के उस आदेश को रद्द कर दिया जिसमें हिजाब बनाम भगवा शॉल विवाद के बाद सरकारी स्कूलों में हिजाब पर प्रतिबंध लगाया गया था।

सिद्दरामय्या ने पत्रकारों से कहा, भगवा रंग की शॉल पहनने की अनुमति नहीं है। ऐसी शॉल नहीं पहनी जा सकतीं। पगड़ी, जनेऊ, शिवधारा, रुद्राक्ष और हिजाब पहने जा सकते हैं।

दक्षिण पश्चिम रेलवे
ई-निविदा सूचना सं: Y-E-29-2026-27-18
दिनांक: 08.05.2026
भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:

कार्य का नाम	अनुमानित लागत
मैसूरु और चित्रदुर्गा डिपो क्षेत्राधिकार पर प्लॉटफार्मों में स्टांडर्ड कैंटिलिवर व्यवस्था का प्रावधान।	रु. 49,60,941.92

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 30.05.2026, 11:00 बजे तक
विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में
वरिष्ठ विभागीय इलेक्ट्रिकल इंजीनियर
PUB/112/AAF/PRB/SWR/2026-27 टीआरडी/मैसूरु
आसान टिकट बुकिंग, PNR स्थिति और दूसरी रेलवे सेवाओं के लिए RailOne ऐप डाउनलोड करें।
South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

दक्षिण पश्चिम रेलवे
निविदा सूचना प्रकाशन सं.
COMML/MYS/06/2026 & COMML/MYS/07/2026
दिनांक: 06.05.2026
भारत के राष्ट्रपति की ओर से, अधोहस्ताक्षरी, हाल्ट एजेंट का नियुक्ती के लिए निविदा आमंत्रित करते हैं:
1) कार्य का विवरण: मैसूरु मंडल में मैसूरु और हासन खंड के बीच स्थित हंपापुरा हाल्ट स्टेशन पर पांच साल की अवधि के लिए हाल्ट एजेंट की नियुक्ति के लिए निविदा आमंत्रित किए गए हैं।
2) कार्य का विवरण: मैसूरु विभाग में अरसीकेरे और तुमकूरु खंड के बीच स्थित बनशंकरी हाल्ट स्टेशन पर पांच साल की अवधि के लिए हाल्ट एजेंट की नियुक्ति के लिए निविदा आमंत्रित किए गए हैं।
निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 16.06.2026, 15:00 बजे तक
विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.swr.indianrailways.gov.in में
वरिष्ठ विभागीय वाणिज्य प्रबंधक
PUB/113/AAF/PRB/SWR/2026-27 मैसूरु
आसान टिकट बुकिंग, PNR स्थिति और दूसरी रेलवे सेवाओं के लिए RailOne ऐप डाउनलोड करें।
South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

एयर वाइस मार्शल सरबजीत सिंह ने एसडीआई के कमांडेंट का कार्यभार संभाला

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। एयर वाइस मार्शल सरबजीत सिंह ने शुक्रवार को वायुसेना के सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट (एसडीआई) के कमांडेंट का कार्यभार संभाला। वे अक्टूबर 1992 में वायुसेना की एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग शाखा में कमीशन हुए थे।

एयर वाइस मार्शल सरबजीत सिंह कंप्यूटर साइंस, रक्षा अध्ययन और प्रबंधन में स्नातकोत्तर हैं। वे डिफेंस सर्विसेज स्टाफ कॉलेज, वेलिंगटन और कॉलेज ऑफ एयर वॉरफेयर, सिकंदराबाद के पूर्व छात्र हैं।

उन्होंने इस प्रतिष्ठित संस्थान की कमान एयर वाइस मार्शल रमन गुरुहरि से ली, जो 30 अप्रैल को वायुसेना से सेवानिवृत्त हो गए। उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान वायुसेना की विभिन्न स्वदेशीकरण परियोजनाओं और नेटवर्क-केंद्रित संचालन पहलों में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया है।

उन्होंने एडीए, आईआईटीएम और आईआईआईटी, बेंगलूरु के साथ कई समझौता ज्ञापन (एमओयू) तैयार करने में उल्लेखनीय भूमिका निभाई, जिससे वायुसेना, शैक्षणिक संस्थानों और इंडस्ट्री के बीच सहयोग काफी मज़बूत हुआ।

पेट्रोल-डीजल के दामों में बढ़ोतरी 'मोदी का उपहार', देश 'चिंताजनक स्थिति' में पहुंचा : डीके शिवकुमार

बेंगलूरु। पेट्रोल और डीजल की कीमतों में हुई बढ़ोतरी को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का उपहार करार देते हुए कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने शुक्रवार को कहा कि देश चिंताजनक स्थिति में पहुंच गया है। उपमुख्यमंत्री ने ईंधन बचाने और सोने की खरीदारी टालने सहित समझदारी से खर्च करने के प्रधानमंत्री के आह्वान की भी आलोचना की। पश्चिम एशिया संघर्ष के कारण वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और खुदरा ईंधन विक्रेताओं के बढ़ते नुकसान के बीच शुक्रवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में तीन-तीन रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई। पिछले चार से अधिक वर्षों में दरों में यह पहली बढ़ोतरी है जो असम, केरल, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव संपन्न होने के 16 दिन बाद हुई है।

शिवकुमार ने यहां संवाददाताओं से कहा, पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी मोदी का उपहार है। वह अंतरराष्ट्रीय संबंधों में विफल रहे हैं। उन्होंने पड़ोस में किसी के भी साथ अच्छे संबंध नहीं बनाए रखे हैं। अब वह देश के लोगों से पेट्रोल का उपयोग सीमित करने, सोना न खरीदने और खाद्य तेल की खपत कम करने के लिए कह रहे हैं। इसे कैसे रोका या सीमित किया जा सकता है?

उन्होंने कहा, ऐसा नहीं किया जा सकता। देश एक अत्यंत चिंताजनक स्थिति में आ गया है। हमें इस देश को बचाना और सुरक्षित रखना है। शिवकुमार ने कहा कि लोग कमाते हैं और उसी के अनुसार अपना जीवन जीते हैं।

कर्नाटक में मतदाता सूची की एसआईआर प्रक्रिया 20 जून से शुरू होगी

बेंगलूरु। कर्नाटक में 20 जून से मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) शुरू होगा। मुख्य निर्वाचन अधिकारी अन्बु कुमार ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इस अभियान के तहत राज्य के 5.55 करोड़ से अधिक मतदाताओं को कवर किया जाएगा। बृहस्पतिवार को निर्वाचन आयोग ने घोषणा की थी कि तीन केंद्र शासित प्रदेशों और कर्नाटक समेत 16 राज्यों में 30 मई से चरणबद्ध तरीके से एसआईआर प्रक्रिया शुरू होगी। निर्वाचन आयोग द्वारा अधिसूचित कार्यक्रम के अनुसार, तैयारी, प्रशिक्षण और मुद्रण संबंधी गतिविधियां 20 जून से 29 जून तक संचालित की जाएंगी और बूथ स्तरीय अधिकारी (बीएलओ) 30 जून से 29 जुलाई तक घर-घर जाकर सत्यापन करेंगे। मतदाता सूची का मसौदा पांच अगस्त को प्रकाशित किया जाएगा, जिसके बाद 5 अगस्त से 4 सितंबर के बीच दावे और आपत्तियां दर्ज की जा सकेंगी।

सीडैक CDAC
प्रगत संगणन विकास केंद्र
CENTRE FOR DEVELOPMENT OF ADVANCED COMPUTING
विज्ञापन सं. पुणे/परामर्शदाता/01/2026
उन्नत संगणना के विकास हेतु केंद्र (सी-डैक), जो कि इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत एक प्रमुख वैज्ञानिक सोसायटी है, राष्ट्रीय महत्व की विभिन्न अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों में संलग्न है। निम्नलिखित क्षेत्रों में विशेषज्ञता रखने वाले अनुभवी एवं योग्य पेशेवरों से निम्नलिखित भूमिका हेतु ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं
परामर्शदाता (अंशकालिक / पूर्णकालिक)
• पुलिस क्षेत्र विशेषज्ञ • मॉड्यूल प्रमुख
• डेटा सेंटर संचालन
कार्य स्थान : दिल्ली / बेंगलुरु
आवेदन की प्रक्रिया : इच्छुक अभ्यर्थी विस्तृत अधिसूचना के लिए www.cdac.in की आधिकारिक वेबसाइट के "करियर" पृष्ठ पर जाएँ तथा मई 30, 2026 (सायं 18:00 बजे तक) ऑनलाइन आवेदन करें।
सी-डैक, इनोवेशन पार्क,पंचवटी, पाषाण,पुणे - 411008
नोट : इस संबंध में यदि कोई परिशिष्ट / अतिरिक्त सूचना जारी की जाती है, तो वह केवल सी-डैक की आधिकारिक वेबसाइट पर ही प्रकाशित की जाएगी।
CBC 06132/12/0001/2627
एक दृष्टि। एक लक्ष्य। मानव उन्नति के लिए उन्नत संगणना।
नामुमकिन अब मुमकिन है

सिद्दरामय्या ने ईंधन कीमतों में बढ़ोतरी की कड़ी आलोचना की, प्रधानमंत्री मोदी का इस्तीफा मांगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में वृद्धि की कड़ी निंदा करते हुए शुक्रवार को इसे वापस लेने की मांग की और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का इस्तीफा मांगा। सिद्दरामय्या ने आरोप लगाया कि मोदी लोगों की उम्मीदों पर खरे उतरने में विफल रहे हैं, उन्होंने अर्थव्यवस्था का कुप्रबंधन किया है और आम परिवारों को अधिक कठिनाई में धकेल दिया है। सिद्दरामय्या ने कहा कि चार राज्यों और एक केंद्रशासित प्रदेश के विधानसभा चुनावों के बाद उम्मीद के मुताबिक केंद्र सरकार ने पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढ़ा दीं।

उन्होंने कहा, मोदी सरकार ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में तीन रुपये प्रति लीटर की वृद्धि कर एक बार फिर अपनी विफलताओं की सजा जनता को दी है। यह सिर्फ मूल्य वृद्धि नहीं, बल्कि आम भारतीयों के दैनिक जीवन पर एक और सीधा हमला है। उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट किया, जैसा कि हमें आशंका थी, केंद्र सरकार की विफल विदेश नीति, खराब आर्थिक प्रबंधन और महंगाई से निपटने में लापरवाही की कीमत अब जनता से वसूली जा रही है। नागरिकों की रक्षा करने के बजाय मोदी सरकार उन्हें राजस्व का स्रोत बना रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बेंगलुरु में पेट्रोल की कीमत 106 रुपये प्रति लीटर से अधिक हो गई है, जबकि डीजल करीब 94 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। उन्होंने कहा कि इसका असर केवल पेट्रोल पंप तक सीमित नहीं रहेगा। उन्होंने कहा कि इससे परिवहन लागत, सब्जियों और किराने के सामान की कीमतें, दूध के दाम, निर्माण लागत, स्कूल वैन शुल्क, टैक्सी और ऑटो किराया, खेती की लागत तथा लगभग सभी आवश्यक वस्तुओं के दाम बढ़ेंगे। सिद्दरामय्या ने कहा कि इस बढ़ोतरी का सबसे ज्यादा असर किसानों, मजदूरों, छोटे व्यापारियों, घरेलू बजट संभालने वाली महिलाओं और मध्यम वर्ग पर पड़ेगा। सिद्दरामय्या ने आरोप लगाया कि कच्चे तेल की कीमतें कम होने पर मोदी सरकार ने जनता को पूरी राहत नहीं दी। उन्होंने कहा कि सरकार ने भारी मात्रा में कर वसूल कर अपना खजाना भर लिया लेकिन कीमतें बढ़ने पर सरकार तुरंत इसका बोझ नागरिकों पर डाल देती है। उन्होंने दावा किया, यह शासन नहीं, बल्कि शोषण है। उन्होंने कहा, मोदी सरकार महंगाई को नियंत्रित करने में विफल रही है, रुपये की रक्षा करने में विफल रही है, अर्थव्यवस्था को संभालने में विफल रही है और आम आदमी के साथ खड़ी होने में भी विफल रही है।

कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन की चर्चा के बीच शिवकुमार ने अपना जन्मदिन मनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने राज्य में नेतृत्व परिवर्तन को लेकर चल रही अटकलों के बीच शुक्रवार को अपना 64वां जन्मदिन मनाया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष का उनके आवास पर पार्टी नेताओं, विधायकों, मंत्रियों और कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। इससे पहले, उन्होंने अपने समर्थकों के साथ केक काटा। वैदिक मंत्रों का उच्चारण करते हुए पुजारियों के एक समूह ने उन्हें आशीर्वाद दिया। शिवकुमार के समर्थक 2023 के विधानसभा चुनावों में पार्टी की जीत के बाद मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के साथ हुए सत्ता-साझाकरण समझौते के अनुसार उनकी पदोन्नति पर जोर दे रहे हैं। कुछ लोगों ने तो यह भी दावा किया था कि 15 मई को उनके जन्मदिन पर खुशखबरी मिलने की उम्मीद है।

हालांकि, उपमुख्यमंत्री ने इस सवाल का जवाब देने से इनकार कर दिया कि क्या उन्हें कांग्रेस आलाकमान से अच्छी खबर मिलने की उम्मीद है, क्योंकि चार राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में चुनाव संपन्न हो चुके हैं। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने उनके जन्मदिन पर शहर में विभिन्न स्थानों पर बधाई संदेश वाले बैनर लगाए जाने को लेकर नाराजगी जतायी। उन्होंने कार्यकताओं को ऐसा करने से मना किया था। उन्होंने ऐसे कृत्यों में शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई की चेतावनी भी दी। कुछ बैनरों पर तो उन्हें अगला मुख्यमंत्री तक कहा गया था।

शिवकुमार ने कहा, मैं लोगों के जमावड़े से बचना चाहता था। मैं अपने परिवार के साथ तिरुचेंदूर (तमिलनाडु में) जा रहा हूं। पार्टी कार्यकर्ता आधी रात से मुझे बधाई देने के लिए इंतजार कर रहे थे। सुबह भी मेरे दोस्त, नेता, विधायक और मंत्री इंतजार कर रहे थे। इसलिए मैं देर से रवाना हो रहा हूं। मैं उनके प्यार, विश्वास, शुभकामनाओं और आशीर्वाद को टाल नहीं सका।

शिवकुमार ने कहा कि उन्होंने अपने जन्मदिन की शुभकामनाओं वाले बैनर नहीं लगाने का अनुरोध किया था और यह चेतावनी भी दी थी कि ऐसा करने पर लोगों के खिलाफ मामले दर्ज किए जाएंगे, लेकिन फिर भी लोगों ने बैनर लगा दिए हैं। उन्होंने कहा, लगभग 50 प्रतिशत बैनर हटा दिए गए हैं। मैंने व्यक्तिगत रूप से कुछ जगहों से इन्हें हटवाया है, लेकिन फिर भी कुछ लोगों ने अपने लगाव के कारण इन्हें लगा रखा है। यह गलत है। मैंने नगर निगम अधिकारियों से इन्हें तुरंत हटाने को कहा है। भाजपा ने भी अपने नेताओं के बैनर लगाए हैं। यह भी गलत है। सख्त नियमों के बावजूद हम अवैध बैनरों को नहीं रोक पाए हैं। यह ठीक नहीं है, हमें बेंगलूरु शहर को स्वच्छ रखना है।

दक्षिण पश्चिम रेलवे
भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:
ई-(आईआरईपीएस) निविदा सूचना सं. 04 UBL 2026-27 , दिनांक: 05.05.2026

क्र.सं.	संक्षिप्त विवरण	अनुमानित लागत
1	हुबली विभाग: वरिष्ठ मंडल इंजीनियर/प्रका/हुबली क्षेत्राधिकार के अंतर्गत उणकल, बोम्मापुर और बैरीदेवरकोप्पा पर महिला स्टेशन मास्टरों और पॉइंट्स-चुमेन के लिए चेंजिंग रूम और प्रत्येक शौचालय का प्रस्तावित निर्माण (03 नं.)।	रु. 34,54,044/-
2	हुबली विभाग: उप कार्य-1: हुबली, रेल नगर कॉलोनी में कालोनी मैन रोड का सुधारण कार्य। उप कार्य-2: हुबली पर गॉल्फ लिंक ऑफीसर्स कॉलोनी का रोड सुधारण कार्य।	रु. 1,27,21,042/-
3	हुबली विभाग: हुबली-लोंडा खंड: उणकल - बैरीदेवरकोप्पा (यूएनके-बीडीकेए) के बीच किमी. 474/0-474/100 पर एलसी नं. 286 के बदले आरएच गिर्डर / कट और कॉवर विधि अनुसार सबवे का अतिरिक्त / शेष कार्यों का प्रावधान (विशेष नियमों का पालन करना अवश्य है)।	रु. 6,47,45,435/-
4	हुबली विभाग: वरिष्ठ मंडल इंजीनियर/पूर्व/हुबली क्षेत्राधिकार के अंतर्गत गदग, होसपेटे, मुनिराबाद, बल्लारी, ओबुलापुरम, कुडातिनी और रायदुर्गा पर महिला स्टेशन मास्टरों और पॉइंट्स-चुमेन के लिए चेंजिंग रूम और प्रत्येक शौचालय का प्रस्तावित निर्माण (07 नं.)।	रु. 80,59,435/-
5	हुबली विभाग: सहायक विभागीय इंजीनियर/गदग उप मंडल पर गदग-होसपेटे (जीडीजी-एचपीटी) खंड में मौजूदा पुल सं. 45 (किमी. 82/4-5) को बॉक्स पुशिंग विधि अनुसार पुनरनिर्माण करना।	रु. 1,38,91,713/-
6	हुबली विभाग: गदग-होसपेटे खंड (जीडीजी-एचपीटी) खंड: गदग - कनगिनहाल (जीडीजी-केजीएक्स) स्टेशनों के बीच किमी. 61/900-62/0 पर एलसी नं. 36 के बदले नियमित ऊंचाई सबवे का निर्माण।	रु. 4,84,27,951/-
7	हुबली विभाग: तोरनगल्लू (टीएनजीएल) पर रनिंग कमरों के लिए सदृढीकरण कार्य (80 बेड)।	रु. 4,20,85,069/-

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 05.06.2026, 11:00 बजे तक
ई-(आईआरईपीएस) निविदा सूचना सं. 05 UBL 2026-27 , दिनांक: 13.05.2026

क्र.सं.	संक्षिप्त विवरण	अनुमानित लागत
1	हुबली विभाग: सहायक विभागीय इंजीनियर/केंद्रीय क्षेत्राधिकार में बारह (12) महिने की अवधि के लिए प्राईवेट एजेन्सी के सहाय से रेलवे ओवर हेड टैंको में पंपिग करने का कार्य के साथ पीने का पानी का आपूर्ती और परिवहन।	रु. 44,54,352/-
2	हुबली विभाग: वरिष्ठ विभागीय इंजीनियर/केंद्र/हुबली क्षेत्राधिकार के अंतर्गत कुंडगोल, हुलकोटि, विजयपुरा, निंबाल, बालगानूर, होले-आलूर, बागलकोट और गुलेदगुडा रोड पर महिला स्टेशन मास्टरों और पॉइंट्स-चुमेन के लिए चेंजिंग रूम और प्रत्येक शौचालय का प्रस्तावित निर्माण (08 नं.)।	रु. 92,10,783/-
3	हुबली विभाग: सहायक मंडल इंजीनियर/विजयपुरा उप मंडल में तडवाल (टीवीएल), लाचयान (एलएचएन), निंबाल (एनबीएल) और विजयपुरा (बीजेपी) स्टेशनों पर कर्मचारियों का गृह के लिए सुधारण कार्य।	रु. 89,06,736/-
4	हुबली विभाग: उप कार्य-1: गदग-होटगी खंड: बालगनूर-मल्लापुर स्टेशनों के बीच क्रमानुसार किमी. 26/100-200 पर एलसी नं. 13 के बदले नियमित ऊंचाई सबवे का बॉक्स पुशिंग विधि अनुसार निर्माण। उप कार्य-2: गदग-होटगी: तडवाल-होटगी स्टेशनों के बीच क्रमानुसार किमी. 277/5-6 पर एलसी नं. 125 के बदले रोड अंडर ब्रिज का निर्माण कार्य।	रु. 9,50,86,470/-
5	हुबली विभाग: सहायक विभागीय इंजीनियर/कैस्टल रॉक क्षेत्राधिकार किमी. 4/116 से 4/112 पर आरयूबी - 6ए में एप्रोच रोड - ड्रैनेज और रीटेनिंग वॉल का सुधारण कार्य।	रु. 96,74,674/-

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 12.06.2026, 11:00 बजे तक
विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में
PUB/127/AAF/PRB/SWR/2026-27 वरिष्ठ मंडल इंजीनियर / समन्वय / हुबली
आसान टिकट बुकिंग, PNR स्थिति और दूसरी रेलवे सेवाओं के लिए RailOne ऐप डाउनलोड करें।
South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

ईंधन बचाने के प्रधानमंत्री के आह्वान के बाद मुख्यमंत्री ने इलेक्ट्रिक कार से किया सफर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ईंधन बचत की अपील के अनुरूप शुक्रवार को अपने नियमित काफिले की कार के बजाय इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) से यात्रा की। शर्मा पहले ही अपने काफिले में वाहनों की संख्या कम कर चुके हैं और अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों से भी काफिलों में गाड़ियों की संख्या घटाने, वाहनों का विवेकपूर्ण इस्तेमाल और पेट्रोल-डीजल की खपत को ध्यान में रखते हुए सरकारी कार्यक्रमों की संख्या सीमित करने का आह्वान किया है।

मुख्यमंत्री शुक्रवार को मुख्यमंत्री कार्यालय से एक होटल में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे। इस दौरान उन्होंने अपने नियमित काफिले के वाहन के बजाय इलेक्ट्रिक वाहन से सफर किया। वहीं, उपमुख्यमंत्री एवं परिवहन मंत्री प्रेमचंद बैरवा ने बृहस्पतिवार को सरकारी वाहन का उपयोग नहीं करते हुए राजस्थान रोडवेज की बस से यात्रा की। बैरवा जयपुर के 'बाइस गोदाम' से रोडवेज बस में सवार होकर दूदू विधानसभा क्षेत्र के फागी पहुंचे, जहां उन्हें 'ग्राम विकास चौपाल' कार्यक्रम में भाग लेना था। सूत्रों के अनुसार, उनके साथ मौजूद अधिकारियों ने भी सरकारी वाहनों के बजाय सार्वजनिक परिवहन का उपयोग किया।

बैरवा ने कहा कि वैश्विक आर्थिक चुनौतियों और मौजूदा अनिश्चितताओं के बीच पेट्रोल व डीजल की बचत अनिवार्य हो गई है तथा सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देना समय की मांग है। बस में यात्रा कर रहे यात्रियों ने उपमुख्यमंत्री से बातचीत की और उनके इस कदम तथा सादगी की सराहना की।

रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम और यमुना जल समझौते का तेजी से क्रियान्वयन जारी : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए हर क्षेत्र में प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रही है। गत दो वर्षों से अधिक समय में 35 नीतियों को लागू कर राज्य सरकार ने अनुकूल औद्योगिक वातावरण का निर्माण किया है, जो कि विकसित भारत-विकसित राजस्थान2047 की ओर महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि राजस्थान को ऊर्जा क्षेत्र में सिरमौर बनाने के क्रम में पवन और सौर ऊर्जा सहित अक्षय ऊर्जा की दिशा में भी तेजी से कार्य किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री शुक्रवार को मुख्यमंत्री निवास पर वीसी के माध्यम से भिवाड़ी में एल्सीना इलेक्ट्रॉनिक्स कॉम्प्लेक्स, 34 एमएलडी एसटीपी एवं खैरथल-तिजारा जिले के विभिन्न विकास कार्यों सहित अन्य परियोजनाओं के शिलान्यास-लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रदेश को रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस) द्वारा हरियाणा के रास्ते दिल्ली से जोड़ने की परियोजना पर कार्य किया जा रहा है। वहीं, यमुना जल समझौते के तीव्र क्रियान्वयन के साथ ही, सरकार अलवर के निकट बांदीकुई में एक बड़े इण्डस्ट्रीयल एरिया की स्थापना भी करने जा रही है। उन्होंने भिवाड़ी में सेमीकंडक्टर क्लस्टर का जिक्र करते हुए इसे महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राज्य सरकार ने ग्राम और वार्ड के सुनियोजित विकास के लिए विकसित ग्राम-वार्ड अभियान की दूरगामी पहल की है। इसके अन्तर्गत राज्य सरकार सांस्कृतिक विरासत, पर्यावरण और आवश्यकताओं को समाहित करते हुए गांवों के विकास का ब्लू प्रिंट तैयार कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने ग्रामीण युवाओं की सुविधाओं के दृष्टिगत पंचायत स्तर पर अटल ज्ञान केन्द्र खोलने का अहम निर्णय भी किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जन आकांक्षाओं के अनुरूप राज्य सरकार ने बिजली-पानी की आवश्यकता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। इसी क्रम में, रामजल सेतु लिंक परियोजना, आईजीएनपी एवं गंगनहर का सुदृढ़ीकरण, माही, देवास एवं सोम-कमला-अंबा परियोजनाओं पर तेजी से कार्य किया जा रहा है। वहीं, 24 जिलों में किसानों को दिन के समय में बिजली आपूर्ति की जा रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने 4 लाख भर्तियों को संकल्प को पूरा करने की दिशा में सवा लाख से अधिक युवाओं को नौकरी देने के साथ ही, सवा लाख पदों के लिए भर्ती कैलेंडर जारी किया है। वहीं, 1 लाख 35 हजार से अधिक नियुक्तियां प्रक्रियाधीन हैं।

केन्द्रीय रेल एवं इलेक्ट्रॉनिक्स मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि सेमीकंडक्टर्स एक महत्वपूर्ण इंडस्ट्री है। आज भारत में 12 सेमीकंडक्टर प्लांट हो गये हैं और विभिन्न उपकरणों की चिप्स का निर्माण हो रहा है। राजस्थान का नाम भी इस इंडस्ट्री से जुड़ गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफेक्चरिंग में देश ने गत 12 वर्षों में बड़ी छलांग लगाई है। आज भारत में 6 गुना वृद्धि के साथ इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग 13 लाख करोड़ रुपये पहुंच गई है। वहीं, मोबाइल भारत से निर्यात होने वाली पहली नम्बर की कमोडिटी बन गई है। केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक्स कम्पोनेंट मैन्युफैक्चरिंग स्कीम के अन्तर्गत 75 प्रोजेक्ट स्वीकृत किए गए हैं। उन्होंने कहा कि भिवाड़ी के इलेक्ट्रोनिक मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर में 1 हजार 200 करोड़ रुपये का इन्वेस्टमेंट है। इससे लगभग 2 हजार 500 लोगों को रोजगार मिलेगा। प्लांट से हर साल 6 करोड़ चिप्स की मैन्युफैक्चरिंग होगी। उन्होंने कहा कि अमृत योजना के अन्तर्गत पूरे राजस्थान में 85 रेलवे स्टेशनों का निर्माण किया जा रहा है। जिनमें से 15 रेलवे स्टेशनों का निर्माण पूरा हो चुका है। इसी प्रकार, अलवर का भव्य रेलवे स्टेशन आधुनिक सुविधाओं से युक्त होगा।

तालाब में डूबने से तीन सगी बहनों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के बीकानेर जिले में तीन सगी बहनों की तालाब में डूबने से मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार यह हादसा बृहस्पतिवार को बज्जू इलाके की ग्राम पंचायत ग्राम्धी की रोही का है। तीनों बहनें बृहस्पतिवार दोपहर गायों को पानी पिलाने और कपड़े धोने के लिए खेत के एक हिस्से में बनाए गए तालाब में गई थीं। जब वे काफी देर तक घर नहीं लौटीं तो परिवारवालों ने तलाश शुरू की। पुलिस ने कहा कि आशंका होने पर तालाब में तैराक उतारे गए।

इसके बाद स्थानीय लोगों व प्रशासन की मदद से तीनों के शव बरामद किए गए। पुलिस के अनुसार संभवतः यह हादसा एक दूसरे को बचाने के चक्कर में हुआ। मृतकों की पहचान धापू (23), अनु (18) और सुशीला (17) के रूप में हुई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सड़क हादसे में दो पुलिसकर्मियों सहित तीन लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के भीलवाड़ा जिले में शुक्रवार सुबह सड़क हादसे में दो पुलिसकर्मियों सहित तीन लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार मृतकों में चित्तौड़गढ़ स्थित राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) थाने का एक हेड कांस्टेबल व कांस्टेबल शामिल हैं। उसने बताया कि यह हादसा जयपुर-उदयपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर मांडल चौराहे के पास हुआ जब एक तेज रफ्तार ट्रक ने आगे चल रही मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। पुलिस ने बताया कि मोटरसाइकिल सवार दो पुलिसकर्मियों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि एक अन्य ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। पुलिस के अनुसार चित्तौड़गढ़ जीआरपी थाने के हेड कांस्टेबल लेखराज और कांस्टेबल रविंद्र कुमार चोरी के एक आरोपी छोटू भील को मांडल से लेकर भीलवाड़ा जा रहे थे तभी यह हादसा हुआ।

कांग्रेस नेताओं ने ईंधन कीमतों में बढ़ोतरी को लेकर भाजपा सरकार पर निशाना साधा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में कांग्रेस के नेताओं ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में हुई बढ़ोतरी को लेकर शुक्रवार को केंद्र की भारतीय जनता पार्टी सरकार पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि यह बढ़ोतरी पहले से ही तय थी लेकिन कई राज्यों में विधानसभा चुनाव पूरे होने तक के लिए इसे जानबूझकर टाल दिया गया था। कांग्रेस की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर तंज कसते हुए कहा, आज से 'महंगाई मैन' पांच दिन विदेश की वादियों में 'राष्ट्रचिंतन' करने निकल पड़े हैं...बाकी देशहित में योगदान अब जनता करेगी।

उन्होंने कहा, ...जाते-जाते नयी आर्थिक नीति समझा गए हैं कि पेट्रोल-डीजल महंगा हो तो टंकी फुल मत करवाइए हर लीटर पर तीन-तीन रुपये का योगदान करके देश को आत्मनिर्भर बनाइए। पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने भी पेट्रोल-डीजल के दाम में बढोतरी की आलोचना की और आरोप लगाया कि दाम बढ़ाना पहले से ही तय था बस इसे विधानसभा चुनाव होने तक टाला गया था।

उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, यह पहले से ही तय था-वोट लो, फिर कीमत बढ़ाओ। पांच राज्यों के चुनाव खत्म होते ही पेट्रोल-डीजल के दामों में तुरंत तीन रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी कर दी गई।

पायलट ने कहा, पहले जनता को लुभाने के लिए दामों को बढ़ाया नहीं, चुनाव समाप्त हुए तो बोझ जनता की जेब पर डाल दिया।

पेपर लीक में फैमिली बिजनेस का खुलासा : पिता ने खरीदा, बेटों ने 150 छात्रों को 10-10 लाख में बेचा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/सीकर। देश की सबसे प्रतिष्ठित मेडिकल प्रवेश परीक्षा 'छएएड' में पेपर लीक के काले खेल की परतें जैसे-जैसे खुल रही हैं, चौंकाने वाले तथ्य सामने आ रहे हैं। इस पूरे प्रकरण में जयपुर के जमवारामगढ़ निवासी दो भाइयोंमांगीलाल बिवाल और दिनेश बिंवाल ने अपने बेटों का इस्तेमाल बतौर 'सप्लायर' किया। इस मास्टरमाइंड परिवार ने नीट की तैयारी कर रहे छात्रों का एक बड़ा नेटवर्क तैयार कर करोड़ों रुपये का सौदा किया। ङजक्ष और उड्ढ की जांच में सामने आया है कि मांगीलाल का बेटा विकास और दिनेश का नाबालिग बेटा सीकर की एक निजी कोचिंग में नीट की तैयारी कर रहे थे। 26 अप्रैल को दोनों भाइयों ने 30 लाख रुपये में पेपर खरीदा और अगले ही दिन 27 अप्रैल को यह पेपर उनके बेटों तक पहुंच गया। विकास बिंवाल ने सीकर में अपने संपर्क के छात्रों की एक सूची बनाई और मोबाइल ऐप पर चैट ग्रुप के जरिए उन्हें जाल में फंसाया।

भरोसे का खेल: छात्रों को विश्वास दिलाने के लिए विकास अपने पिता और चाचा की मंत्रियों, विधायकों और रसूखदार नेताओं के साथ तस्वीरें दिखाता था। वीडियो कॉल के जरिए अपना आलीशान फार्महाउस दिखाकर वह यह गारंटी देता था कि पेपर असली है।

जांच एजेंसी ङजक्षके पास ऐसे 150 छात्रों का विवरण है, जिन्हें यह पेपर बेचा गया था। एक पेपर के बदले छात्रों से 10 लाख रुपये वसूले गए। बताया जा रहा है कि यह लेनदेन मुख्य रूप से कैश में हुआ। फिलहाल उड्ढ इन सभी 150 छात्रों की भूमिका की जांच कर रही है और उनके खिलाफ भविष्य में सख्त कार्रवाई हो सकती है। पेपर लीक की भनक लगते ही एसओजी ने सीकर और जयपुर ग्रामीण में सर्च ऑपरेशन चलाया।

सबसे पहले टीम सीकर में तैयारी कर रहे छात्र (विकास) तक पहुंची, जिसने पूछताछ में अपने पिता मांगीलाल और चाचा दिनेश का नाम उगल दिया। सीबीआई अब तक इस मामले में 7 लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है, जिनमें राजस्थान के 4 आरोपी (मांगीलाल, दिनेश, विकास और यश यादव) शामिल हैं। अन्य गिरफ्तारियां महाराष्ट्र के नासिक और पुणे से हुई हैं।

कोटा के अस्पतालों में सीजेरियन के बाद संक्रमण का कोई नया मामला नहीं आया : अधिकारी

कोटा। कोटा के न्यू मेडिकल कॉलेज अस्पताल (एनएमसीएच) और जेके लोन अस्पतालों में पिछले सप्ताह कथित तौर पर (प्रसव) सर्जरी के बाद की जटिलताओं के कारण चार महिलाओं की मौत के बाद प्रसवोत्तर संक्रमण का कोई नया मामला सामने नहीं आया है। एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। कोटा के एनएमसीएच में सिजेरियन के बाद इलाज करा रही छह महिलाओं में से एक को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है, जबकि एक अन्य वेंटिलेटर पर है। बाकी चार महिलाएं मेडिकल कॉलेज के सुपर स्पेशियलिटी ब्लॉक में हैं एवं उनकी स्थिति स्थिर है।

एनएमसीएच के अतिरिक्त प्रिंसिपल डॉ. आरपी मीणा ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि जेके लोन अस्पताल से रेफर की गई पिंकी की हालत गंभीर बनी हुई है और वह वेंटिलेटर पर है। उन्होंने कहा कि आरती आईसीयू में 'फेस मास्क ऑक्सीजन' पर है और उसमें सुधार के लक्षण दिख रहे हैं।

कांग्रेस नेताओं ने 'नीट' की पिछली परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं की जांच की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में कांग्रेस पार्टी के नेताओं ने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट)-स्नातक (यूजी) की पिछले दो साल में हुई परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं की जांच की मांग की उन्होंने शुक्रवार को दावा किया कि 2026 के प्रश्न पत्र लीक मामले में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से जुड़े आरोपी दिनेश बिवाल की गिरफ्तारी ने पिछले कुछ वर्षों से सक्रिय एक गिरोह का पर्दाफाश कर दिया है। कांग्रेस की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने यहां संवाददाता सम्मेलन में आरोप लगाया कि प्रश्न पत्र लीक मामले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा गिरफ्तार किए गए दिनेश बिवाल और मांगीलाल बिवाल के परिवार के पांच बच्चों को 2025 में सरकारी एमबीबीएस कॉलेजों में दाखिला मिला था।

डोटासरा ने आरोप लगाया, नीट का 2024 और 2025 का प्रश्नपत्र भी लीक हुआ था। सरकार ने नहीं इस घोटाले के सरगनाओं को बचने के लिए इसे 'लीक' नहीं माना। उन्होंने दावा किया कि आरोपी एक गिरोह का हिस्सा थे, जो जमवारामगढ़ से काम करता था। कांग्रेस नेता ने दावा किया कि आरोपी 'लीक' प्रश्न पत्र दूसरों को बेचने से पहले अपने परिवार के सदस्यों के लिए इस्तेमाल करते थे।

उन्होंने कहा, ये (आरोपियों के परिवार के पांच बच्चे) बच्चे नीट-यूजी 2024 में बैठे थे लेकिन सफल नहीं हो पाए थे। 2025 में उन्हें प्रश्न पत्र मिल गया और उन पांचों को सरकारी मेडिकल कॉलेजों में दाखिला मिल गया। दिनेश बिवाल ने नवंबर 2025 में सोशल मीडिया पर एक 'पोस्ट' में लिखा था, यह मेरे परिवार के लिए गर्व की बात है कि हमारे पांच बच्चों का चयन सरकारी मेडिकल कॉलेज (एमबीबीएस) में हुआ है। सभी बच्चों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए हार्दिक शुभकामनाएं।

सीबीआई ने बुधवार को नीट-यूजी प्रश्न पत्र लीक मामले के सिलसिले में पांच लोगों को गिरफ्तार किया, जिनमें जयपुर के तीन लोग शामिल हैं। जयपुर से गिरफ्तार किए गए लोगों में मांगीलाल बिवाल, दिनेश बिवाल और विकास बिवाल शामिल हैं। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि जमवारामगढ़ का रहने वाला दिनेश बिवाल भारतीय जनता पार्टी का पदाधिकारी था।

डोटासरा ने आरोप लगाया कि 2026 के मामले की जांच से पता चला है कि उसी नेटवर्क के पास 2025 में भी प्रश्न पत्र उपलब्ध थे। उन्होंने राजस्थान की भाजपा सरकार पर यह भी आरोप लगाया कि शुरुआत में प्रश्न पत्र लीक के इस नये मामले को दबाने की कोशिश की गयी थी। डोटासरा ने कहा, जब सीकर के कोचिंग संस्थान के एक व्यक्ति ने थाने में शिकायत दी तो उसे भगा दिया। फिर उसने एनटीए (राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी) को ईमेल किया। उसके बाद राजस्थान पुलिस के विशेष अभियान समूह (एसओजी) आननफानन में हरकत में आई और कई लोगों को पकड़ा। लेकिन राजस्थान सरकार में यह मानने की हिम्मत नहीं थी कि प्रश्न पत्र लीक हुआ है।

कांग्रेस नेता ने मामले की व्यापक जांच की मांग करते हुए कहा कि सीबीआई को यह जांच करनी चाहिए कि कथित तौर पर लीक हुए प्रश्न पत्र किन कोचिंग संस्थान तक पहुंचे। उन्होंने यह भी कहा कि संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) की जांच ही पूरी सच्चाई सामने ला सकती है। राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने भी इस मुद्दे को लेकर केंद्र सरकार और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, तीन साल से प्रश्न पत्र लीक हो रहा है और केंद्रीय शिक्षा मंत्री जिम्मेदारी नहीं ले रहे हैं। उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए और बच्चों से माफी मांगन चाहिए। जूली ने सवाल उठाया कि राज्य से प्रश्न पत्र लीक के आरोप सामने आने के बावजूद नौ दिनों तक राजस्थान में प्राथमिकी क्यों दर्ज नहीं की गई। जूली ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार ने प्राथमिकी दर्ज करने में कई दिन की देरी की क्योंकि वह आरोपियों को बचाना चाहती थी और राजस्थान के सख्त कानून को लागू करने से बचना चाहती है। उन्होंने कहा कि अगर यह मामला राजस्थान में राज्य के 'पेपर लीक' विरोधी कानून के तहत दर्ज किया गया होता तो सजा कहीं ज्यादा सख्त होती। जूली ने आरोप लगाया कि राजस्थान में मुकदमा दर्ज नहीं किया क्योंकि इसमें भाजपा के लोग शामिल हैं इसलिए मामले को दबाने की कोशिश की गई। उन्होंने उन खबरों का भी जिक्र किया, जिनके अनुसार नीट की तैयारी कर रहे दो बच्चों ने परीक्षा की तैयारी से जुड़े तनाव के कारण कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। कांग्रेस नेता ने केंद्र की जवाबदेही पर सवाल उठाया।

देश में आदर्श जल प्रबंधन मॉडल के रूप में बीबीएमबी होगा अधिक सशक्त : रावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड का स्थापना दिवस (स्वर्ण जयंती समारोह) शुक्रवार को पंचकूला के इंद्रधनुष सभागार में आयोजित हुआ। समारोह में जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने कहा कि भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड अपनी स्थापना (15 मई 1976) से राजस्थान, पंजाब और हरियाणा सहित विभिन्न राज्यों के मध्य जल वितरण, सिंचाई प्रबंधन और जल-विद्युत प्रबंधन के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

रावत ने कहा कि पश्चिमी राजस्थान के 13 जिले पेयजल व सिंचाई के लिए रावी-ब्यास-सतलुज नदी प्रणाली के जल पर ही निर्भर है। विगत दशकों से इस परियोजना ने राजस्थान के मरु प्रदेश को हरा-भरा बनाने और आर्थिक समृद्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि रावी-ब्यास-सतलुज प्रणाली में राजस्थान का हिस्सा निर्धारित है।

राजस्थान इस प्रणाली के अंतिम छोर पर स्थित है। इसलिए जल वितरण वास्तविक आवश्यकता अनुरूप पारदर्शिता, समयबद्धता और निष्पक्षता से अंतिम छोर तक पहुंचाया जाए।

जल संसाधन मंत्री ने कहा कि बांध सुरक्षा सर्वोपरि है। इसलिए बांधों के अधिकतम भराव स्तर तक जल-संग्रहण के लिए वांछित अध्ययन शीघ्र कराकर उचित निर्णय लिया जाए। नवीनतम तकनीकी के क्षेत्र में फ्लोटिंग सोलर एवं पम्प्ड स्टोरेज पावर प्लांट की उपयोगिता का आकलन कर क्रियान्वयन किया जाना चाहिए। डिजिटल युग में रियल-टाइम डिस्चार्ज मॉनिटरिंग, स्वचालित गेज प्रणाली, सैटेलाइट आधारित जल प्रबंधन, डिजिटल डेटा रिकॉर्डिंग तथा पारदर्शी ऑनलाइन डेटा शेयर का व्यापक उपयोग किया जाना चाहिए। इससे राज्यों में विश्वास और पारदर्शिता मजबूत होगी।

रावत ने कहा कि राजस्थान सदैव संवाद, सहयोग और राष्ट्रीय हित की भावना में विश्वास करता है। उन्होंने केन्द्रीय विद्युत एवं आवास एवं शहरी कार्य मंत्री के समक्ष भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड में राजस्थान को स्थाई सदस्य बनाए जाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि राजस्थान का रावी-ब्यास जल में 52.69 प्रतिशत हिस्सा होने के बावजूद अब तक राज्य के किसी अधिकारी को बोर्ड में सदस्य नियुक्त नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि पश्चिमी राजस्थान की सिंचाई, पेयजल तथा अन्य आवश्यकताएं बीबीएमबी प्रणाली पर निर्भर हैं। ऐसे में राजस्थान को बोर्ड में उचित भागीदारी मिलनी आवश्यक है। जल संसाधन मंत्री ने केन्द्र सरकार से आग्रह किया कि राजस्थान के लिए बीबीएमबी में एक अतिरिक्त पूर्णकालिक सदस्य पद सृजित कर राज्य को न्यायसंगत प्रतिनिधित्व प्रदान किया जाए। समारोह में केन्द्रीय विद्युत, आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल, पंजाब के जल संसाधन मंत्री बरिंदर कुमार गोयल, हरियाणा की सिंचाई एवं जल संसाधन मंत्री श्रीमती श्रुति चौधरी, केन्द्र सरकार के सचिव (विद्युत) पंकज अग्रवाल और बोर्ड के अध्यक्ष मनोज त्रिपाठी सहित विभिन्न राज्यों के उच्चाधिकारी उपस्थित रहे।

ज्ञान भारतम् मिशन पांडुलिपि सर्वे की मासिक समीक्षा बैठक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हुई आयोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कला साहित्य एवं संस्कृति विभाग की उप शासन सचिव डॉ अनुराधा गोगिया ने शुक्रवार को प्राचीन ग्रंथों एवं पाण्डुलिपियों के सर्वे के कार्य के लिए राजस्थान के समस्त जिला नोडल अधिकारियों की ज्ञान भारतम मिशन पांडुलिपि सर्वे की मासिक समीक्षा बैठक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित कर सर्वे में प्रगति लाये जाने हेतु निर्देश प्रदान किए। पांडुलिपि सर्वे के सुनियोजित नियोजन और कार्यान्वन के लिए राजस्थान के समस्त जिला नोडल अधिकारियों को संस्कृत विषय से सम्बंधित सर्वेयर लगाने के लिए आवश्यक निर्देश दिये गये है। इसके लिए राजस्थान में नियुक्त सर्वेयर द्वारा विश्वविद्यालय, पुस्तकालयों, मंदिरों मठों और निजी संस्था संस्थाओं एवं निजी पांडुलिपि धारकों के साथ समन्वय स्थापित कर पांडुलिपियों का सर्वे

किया जाएगा हर घर दस्तक अभियान सहित जन जागरूकता अभियानों को बढ़ावा देने के लिए भी निर्देशित किया गया।

ज्ञान भारतम मिशन योजना के तहत हस्तलिखित पांडुलिपियों और सदियों पुराने दस्तावेजों को संरक्षित करने और आने वाली पीढ़ियों के लिए उनके ज्ञान के खजाने का उपयोग करने के लिए किये गये कार्य में आम जनता का सहयोग भी प्राप्त हो रहा है।

ज्ञान भारतम मिशन द्वारा बनाये गए ऐप में लोगों द्वारा ऐप डाउनलोड कर उनके पास उपलब्ध पाण्डुलिपियों से संबंधित सूचना ऐप में दर्ज की जाएगी। एप में विभिन्न विषयों की पांडुलिपियों से संबंधित सूचना प्राप्त होने के पश्चात पांडुलिपियों को डिजिटल रूप से संग्रहित करने में मदद हो सकेगी।

ऊर्जा की बचत ही है ऊर्जा उत्पादन का सबसे बड़ा और बेहतर विकल्प : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि ऊर्जा की बचत ही ऊर्जा उत्पादन का सबसे सस्ता, प्रभावी और स्थायी विकल्प है। संसाधनों के विवेकपूर्ण और संयमित उपभोग की आदत ही ऊर्जा आत्मनिर्भरता की राह को प्रशस्त करेगी। उन्होंने कहा कि राजस्थान आज सौर ऊर्जा उत्पादन के क्षेत्र में देश में अग्रणी भूमिका निभा रहा है और आने वाले समय में ऊर्जा प्रदाता राज्य के रूप में अपनी पहचान और मजबूत करेगा। गैर परंपरागत ऊर्जा स्रोतों के विकास की असीम संभावनाओं के साथ प्रदेश हरित ऊर्जा क्रांति का केंद्र बन रहा है। मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को राजस्थान एनर्जी कॉन्क्लेव को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रप्रथम की भावना पर आधारित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का ईंधन की एक-एक बूंद बचाने के मंत्र को अपनाते हुए सरकार ने राजकीय वाहनो के सीमित और संयमित उपयोग और ऊर्जा संरक्षण के लिए दिशा-निर्देश जारी किए हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा कार्यक्रम में इलेक्ट्रिक व्हीकल से पहुंचे और ईंधन बचत, पर्यावरण संरक्षण तथा ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा देने का सशक्त एवं प्रेरक संदेश दिया।

मुलाकात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) के. संजय मूर्ति ने शुक्रवार को राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। राष्ट्रपति कार्यालय ने यह जानकारी दी। राष्ट्रपति कार्यालय ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर मुलाकात की तस्वीर साझा करते हुए कहा, ''भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक श्री के. संजय मूर्ति ने राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की।'' मूर्ति भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के 1989 बैच के हिमाचल प्रदेश काडर के अधिकारी हैं और राष्ट्रपति मुर्मू ने 21 नवंबर 2024 को उन्हें कैग पद की शपथ दिलाई थी।

माफिया, अराजकता और दुष्प्रवृत्तियों पर रोक लगाकर

'डबल इंजन' सरकार ने सुशासन का माहौल बनाया : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

महराजगंज/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कहा कि 'डबल इंजन' सरकार ने माफिया, अराजकता और दुष्प्रवृत्तियों पर रोक लगाकर प्रदेश में सुशासन का माहौल बनाया है।

योगी ने महराजगंज में 208 करोड़ रुपए से अधिक की 79 परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। उन्होंने इस दौरान विभिन्न विभागों की जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र भी वितरित किए। योगी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, सही वोट से विकास, सुरक्षा, रोजगार और सुशासन सुनिश्चित होता है। उन्होंने कहा, डबल इंजन सरकार ने माफिया, अराजकता और दुष्प्रवृत्तियों पर रोक लगाकर प्रदेश में सुशासन का माहौल बनाया है। मुख्यमंत्री ने कहा, पूर्वांचल को माफिया और भय के माहौल से बाहर निकालकर विकास, स्वास्थ्य, सड़क, सिंचाई, रोजगार और सुरक्षा से जोड़ा गया है। उन्होंने कहा कि भाजपा व सहयोगी दलों के विधायक बनने के बाद विधानसभा क्षेत्रों में मंदिरों के सौंदर्यीकरण और जनसुविधाओं के विकास को प्राथमिकता दी गई।

योगी ने कहा पहले जनता के करोड़ों रुपए कब्रिस्तानों की चारदीवारी पर खर्च होते थे जबकि अब वही धन मंदिरों में बेहतर सुविधाएं विकसित करने और आम जनता के हित में लगाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि 2017 से पहले महराजगंज 'इंसेफेलाइटिस', बदहाल स्वास्थ्य सेवाओं और माफियावाद से जूझ रहा था लेकिन अब मेडिकल कॉलेज एवं अस्पतालों के कारण इस बीमारी पर नियंत्रण हुआ और सड़क नेटवर्क मजबूत हुआ है।

मणिपुरः नगा और कुकी समुदाय के बंधक बनाए गए 31 लोगों को रिहा किया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंफाल/भाषा। मणिपुर के कांगपोकपी और सेनापति जिलों में हथियारबंद समूहों द्वारा बंधक बनाए गए कुकी और नगा समुदायों के 38 में से 31 लोगों को रिहा कर दिया गया है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

बुधवार को कांगपोकपी में संदिग्ध उग्रवादियों ने गिरजाघर के तीन पदाधिकारियों की गोली मारकर हत्या कर दी और चार अन्य को घायल कर दिया, जबकि नोनी जिले में एक नागरिक की गोली मारकर हत्या कर दी गई और उसकी पत्नी घायल हो गई। इसके बाद इन लोगों को अज्ञात क्षेत्रों में ले जाया गया। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, ''हथियारबंद उग्रवादियों द्वारा बंधक बनाई गई 12 नगा महिलाओं को मखान गांव में रिहा कर दिया गया।'' उन्होंने बताया कि सेनापति जिले में बंधक बनाए गए कुकी समुदाय के चार पुरुषों और 10 महिलाओं को बृहस्पतिवार देर रात सुरक्षा बलों के हवाले कर दिया गया। अधिकारी ने यह भी कहा, ''नगालैंड से एक व्यक्ति सहित 'सेल्सियन ऑफ डॉन बॉस्को' के दो सदस्यों को भी हथियारबंद समूहों ने अलग-अलग स्थानों से रिहा किया।'' एक अन्य अधिकारी ने बताया कि बृहस्पतिवार शाम को कुकी समुदाय से संबंधित 18 वर्षीय महिला सहित तीन व्यक्तियों को सेनापति जिले में पुलिस टीम के हवाले कर दिया गया।

आरजी कर बलात्कार-हत्या मामला

बंगाल सरकार ने तीन आईपीएस अधिकारियों को निलंबित किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल सरकार ने शुक्रवार को आरजी कर अस्पताल में बलात्कार और हत्या मामले की प्रारंभिक जांच के दौरान कथित लापरवाही और कर्तव्य में चूक के आरोप में तीन वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों को निलंबित कर दिया। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने यह जानकारी दी।

राज्य सचिवालय में इस फैसले की घोषणा करते हुए शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि कोलकाता के पूर्व पुलिस आयुक्त विनीत गोयल, पूर्व उपायुक्त इंदिरा मुखर्जी और अभिषेक गुप्ता को उनके खिलाफ शुरू की गई विभागीय जांच के मद्देनजर निलंबित करने का आदेश दिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि तीनों अधिकारियों ने मामले में कथित तौर पर लापरवाही बरती थी, ''पीड़िता के माता-पिता को रिश्वत के रूप में पैसे की पेशकश'' की और अगस्त 2024 में हुए इस जघन्य अपराध के संबंध में एक ''अनधिकृत संवाददाता सम्मेलन'' को संबोधित किया। शुभेंदु अधिकारी ने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार अपराध की वास्तविक जांच में हस्तक्षेप नहीं कर रही है, जो केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा की जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अनुशासनात्मक कार्रवाई और विभागीय जांच का नेतृत्व राज्य के गृह सचिव मुख्य सचिव के मार्गदर्शन में करेंगे।

यूसीसी प्रत्येक नागरिक के लिए न्याय सुनिश्चित करेगा : हिमंत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को कहा कि प्रस्तावित समान नागरिक संहिता (यूसीसी) सभी नागरिकों के लिए कानून को समान रूप से लागू करना सुनिश्चित करेगी, जिसमें महिलाओं और बच्चों के अधिकारों पर विशेष जोर दिया जाएगा।

शर्मा ने कहा कि आदिवासी समुदायों की परंपराओं और रीति-रिवाजों की रक्षा के लिए उन्हें यूसीसी के दायरे से बाहर रखा जाएगा। मुख्यमंत्री ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''असम में समान नागरिक संहिता सभी के लिए कानून के शासन का समान रूप से लागू होना सुनिश्चित करेगी और सभी को, विशेष रूप से महिलाओं और बच्चों को, उचित अधिकारों की गारंटी देगी।'' उन्होंने कहा, ''अपने रीति-रिवाजों और परंपराओं की रक्षा के लिए असम के जनजातीय समाज को यूसीसी के दायरे से बाहर रखा जाएगा।''

बुधवार को नई सरकार की पहली कैबिनेट बैठक में राज्य में यूसीसी को लागू करने को मंजूरी दी गई थी। प्रस्तावित यूसीसी के उद्देश्यों के संबंध में सोशल मीडिया पर जानकारी साझा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह 'एक राज्य, एक कानून' के बारे में है, जो विवाह, तलाक और उत्तराधिकार के लिए एक ही कानूनी व्यवस्था सुनिश्चित करेगा। प्रस्तावित यूसीसी के मुताबिक, विवाह की कानूनी आयु महिलाओं के लिए 18 वर्ष और पुरुषों के लिए 21 वर्ष होगी, तथा सभी विवाहों और सहजीवन संबंधों की जानकारी 60 दिनों के भीतर अनिवार्य रूप से देनी होगी। इस बात का उल्लेख करते हुए कि यूसीसी प्रत्येक नागरिक के लिए न्याय सुनिश्चित करेगा, शर्मा ने कहा कि इसके तहत पति-पत्नी, बच्चे और माता-पिता को समान उत्तराधिकार मिलेगा।

बिहार में अपराधियों को किसी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा : मंत्री कुशवाहा

पटना/भाषा। बिहार के योजना एवं विकास मंत्री श्रीभगवान सिंह कुशवाहा ने शुक्रवार को कहा कि राज्य में अपराधियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार कानून-व्यवस्था के मुद्दे पर कोई समझौता नहीं करेगी।

कुशवाहा ने जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के प्रदेश कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि सुशासन की सरकार में अपराध करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाती है और सरकार आपराधिक घटनाओं को लेकर पूरी तरह सजग व संवेदनशील है। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि केवल आलोचना की राजनीति में उलझे रहने के कारण विपक्षी दलों की स्थिति कमजोर हुई है।

इस अवसर पर अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री जमा खां ने खाड़ी क्षेत्र में उत्पन्न युद्ध जैसे हालात का उल्लेख करते हुए कहा कि इसका असर पूरी दुनिया पर पड़ रहा है। उन्होंने पेट्रोलियम पदार्थों के संयमित उपयोग को लेकर प्रधानमंत्री की अपील की सराहना की और कहा कि वैश्विक संकट की इस स्थिति से निपटने के लिए आम लोगों को भी सहयोग करना चाहिए। इससे पहले दोनों मंत्रियों ने विभिन्न जिलों से आए लोगों की समस्याएं सुनीं और संबंधित मामलों के त्वरित एवं विधिसम्मत समाधान के लिए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

न्यायालय ने विमान किरायों को तर्कसंगत बनाने और केंद्र से लोगों को राहत देने को कहा

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को कहा कि विमान किरायों को तर्कसंगत बनाया जाना चाहिए और उसने केंद्र सरकार से यात्रियों को राहत प्रदान करने को कहा। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने इस बात को रेखांकित किया कि एक ही दिन, एक ही हवाई मार्ग पर उड़ान भरने वाली एक एयरलाइन एक निश्चित किराया वसूलती है जबकि दूसरी एयरलाइन अलग किराया वसूलती है।

केंद्र सरकार की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से पीठ ने कहा, ''इस विसंगति के कारण लोगों को कुछ राहत देने की कोशिश करें। एक ही दिन, एक ही मार्ग पर चलने वाली उड़ानों के लिए, एक एयरलाइन 'इकोनॉमी' श्रेणी के लिए 8000 रुपए लेती है जबकि दूसरी एयरलाइन 18000 रुपए किराया लेती है।'' न्यायमूर्ति मेहता ने कहा, ''विमान किरायों को तर्कसंगत बनाया जाना चाहिए।'' इसके बाद सॉलिसिटर जनरल ने कहा कि 2024 का एक नया अधिनियम लागू हो गया है और संबंधित नियमों पर परामर्श की प्रक्रिया जारी है।

केंद्र ने अगरतला मेडिकल कॉलेज के विस्तार के लिए 273 करोड़ रुपए मंजूर किए : त्रिपुरा के मुख्यमंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अगरतला/भाषा। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने शुक्रवार को कहा कि केंद्र ने यहां अगरतला सरकारी मेडिकल कॉलेज में सुविधाओं के विस्तार के लिए 273 करोड़ रुपए से अधिक की राशि स्वीकृत की है। इस धनराशि के आवंटन से संबंधित अधिकारियों को एमबीबीएस की 100 सीटें और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में 83 सीटें बढ़ाने में मदद मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने अगरतला सरकारी मेडिकल कॉलेज के विस्तार के लिए 273.46 करोड़ रुपए स्वीकृत किए हैं। मैं माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और माननीय केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री नड्डा को अगरतला सरकारी मेडिकल कॉलेज के अवसंरचना विकास के लिए 273.46 करोड़ रु. स्वीकृत करने के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। उन्होंने कहा कि इससे राज्य सरकार को शैक्षणिक वर्ष 2026-27 से 19 महत्वपूर्ण और विशिष्ट विषयों में 100 एमबीबीएस सीटें और 83 स्नातकोत्तर सीटें बढ़ाने में मदद मिलेगी। स्वास्थ्य मंत्रालय का प्रभार भी संभाल रहे साहा ने कहा कि त्रिपुरा में एमबीबीएस की 550 सीटें और स्नातकोत्तर की 196 सीटें होंगी, जो पिछले चार वर्षों में हुई रिकॉर्ड वृद्धि है। मुख्यमंत्री ने कहा, हम राज्य में नागरिकों के वास्ते स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के साथ-साथ युवा उम्मीदवारों के लिए चिकित्सा शिक्षा में सुधार के लिए प्रतिबद्ध हैं।

सपा ने आस्था के प्रतीकों का विरोध कर हिंदू भावनाओं को आहत किया : पंकज चौधरी

लखनऊ/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की उत्तर प्रदेश इकाई के अध्यक्ष पंकज चौधरी ने शुक्रवार को समाजवादी पार्टी (सपा) पर निशाना साधते हुए कहा कि विपक्षी दल के नेताओं ने समय-समय पर प्रधानमंत्री, ब्राह्मण समाज, सनातन संस्कृति और राम मंदिर जैसे आस्था के प्रतीकों का विरोध कर हिंदू भावनाओं को आहत किया है। चौधरी ने 'एक्स' पर पोस्ट में कहा, समाजवादी पार्टी के नेताओं ने लगातार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लिए अमर्यादित भाषा का प्रयोग किया, समय-समय पर ब्राह्मण समाज, सनातन संस्कृति और राम मंदिर जैसे आस्था के प्रतीकों का विरोध कर हिंदू भावनाओं को आहत करने का काम किया है। उन्होंने कहा, जातियों में बांटो और सत्ता हासिल करो की राजनीति अब जनता के सामने पूरी तरह उजागर हो चुकी है। तुष्टिकरण और वोटबैंक की सोच पर चलने वालों को प्रदेश की जागरूक जनता लोकतांत्रिक तरीके से जवाब देने के लिए तैयार है।

भाजपा विधायक रथिंद्र बोस पश्चिम बंगाल विधानसभा के अध्यक्ष निर्विरोध निर्वाचित हुए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से विधायक रथिंद्र बोस शुक्रवार को विधानसभा अध्यक्ष निर्विरोध निर्वाचित हुए। वह राज्य के उत्तरी भाग से इस पद को संभालने वाले पहले विधायक बन गए हैं।

मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने सदन में उनके नाम का प्रस्ताव रखा, जिसके बाद 'प्रोटेम स्पीकर' (अस्थायी अध्यक्ष) तापस रॉय ने ध्वनि मत से मतदान कराया। सभी 207 भाजपा विधायकों द्वारा बोस के पक्ष में अपना समर्थन देने के बाद अस्थायी अध्यक्ष ने उन्हें विधानसभा अध्यक्ष निर्वाचित घोषित किया। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने बृहस्पतिवार को कूच बिहार दक्षिण से विधायक बोस को नवगठित 18वीं पश्चिम बंगाल विधानसभा में अध्यक्ष पद के लिए भाजपा उम्मीदवार घोषित किया, जबकि विपक्षी दल तृणमूल कांग्रेस ने उम्मीदवार नहीं उतारने का फैसला किया। बोस ने विधानसभा अध्यक्ष पद के लिए अपना नामांकन बृहस्पतिवार को दाखिल किया। हाल में हुए विधानसभा चुनाव में भाजपा की शानदार जीत के बाद 294 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा को 207 विधायकों का बहुमत प्राप्त है, इसलिए बोस का अध्यक्ष बनना महज एक औपचारिकता थी। तृणमूल कांग्रेस के चुनाव से दूर रहने के फैसले ने उनके निर्विरोध चयन का मार्ग प्रशस्त किया।

'करो या मरो' की स्थिति थीः साक्षी ने राष्ट्रमंडल और एशियाई खेलों का टिकट हासिल करने के बाद कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटियाला/भाषा। साक्षी चौधरी पटियाला में चयन ट्रायल्स के तीन दिनों तक उस मुक्केबाज की तरह रिंग में उतरीं, जिनके पास खोने के लिए कुछ भी नहीं बचा था।

'भिवानी बॉक्सिंग क्लब' की 25 वर्षीय इस मुक्केबाज ने असफलताओं, निराशा और आत्म-संदेह के बोझ के साथ राष्ट्रमंडल खेलों और एशियाई खेलों के चयन ट्रायल्स में कदम रखा था लेकिन शानदार प्रदर्शन के दम पर 51 किग्रा वर्ग में दोनों बड़े बहु-खेल आयोजनों के लिए अपना पहला टिकट हासिल कर लिया। साक्षी ने लगातार दो मुकाबलों में विश्व चैंपियनों को हराकर यह उपलब्धि हासिल की। उन्होंने कहा, मेरी सोच स्पष्ट थी कि मुझे किसी भी तरह कोटा हासिल करना था। यह मेरे लिए करो या मरो जैसा था। हाल ही तक उनका करियर संघर्षों से भरा रहा था। पिछले साल विश्व चैंपियनशिप में वह पेरिस ओलंपिक रजत पदक विजेता हतिसे अकबास से अंतिम 16 मैच में में हार गई थीं।

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने टी20 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन के लिए किशन को एक करोड़ रुपए का चेक सौंपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने भारतीय टीम को टी20 विश्व कप जीतने में अपने शानदार प्रदर्शन से योगदान देने के लिए इशान किशन को शुक्रवार को एक करोड़ रुपए का चेक प्रदान किया।

राज्य के नवादा जिले से संबंध रखने वाले और बचपन का शुरुआती समय पटना में बिताने वाले किशन ने मुख्यमंत्री कार्यालय जाकर उनसे मुलाकात की। चौधरी ने इस 27 वर्षीय विकेटकीपर-बल्लेबाज का गर्मजोशी से स्वागत किया। उन्होंने किशन के गले में अंगवस्त्र डाला, स्मृति-चिह्न भेंट किया और फिर एक करोड़ रुपए का चेक प्रदान किया। मुख्यमंत्री ने 'एक्स' पर साझा पोस्ट में कहा, आईसीसी पुरुष टी20 विश्वकप जीतने वाली भारतीय क्रिकेट टीम के सदस्य, शानदार बल्लेबाज और बिहार के बेटे इशान किशन जी को विश्व कप जीत में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए राज्य सरकार द्वारा एक करोड़ रुपए की सम्मान राशि प्रदान कर सम्मानित किया गया।

आईपीएल में गलती की गुंजाइश बेहद कम होती हैः प्रसिद्ध

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। गुजरात टाइटंस के तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा ने कहा कि आईपीएल 2026 में बल्लेबाजों के दबदबे का मुकाबला करने के लिए गेंदबाजों को अपनी विविधताओं पर काम करना होगा। मौजूदा सत्र में टीमें लगातार 200 से अधिक के स्कोर बना और हासिल कर रही हैं।

प्रसिद्ध ने कहा कि ऐसे हालात में गेंदबाजों के लिए अपनी योजनाओं और कौशल का सही तरीके से इस्तेमाल करना बेहद जरूरी है। उन्होंने 'पीटीआई' से कहा, गेंदबाज के तौर पर विविधता होना बहुत जरूरी है। आपको लगातार मेहनत करनी होती है ताकि औसत स्कोर नीचे आए। इसके लिए काफी तैयारी करनी पड़ती है। उन्होंने कहा, आपको परिस्थितियों, पिच, मैदान और बल्लेबाजों के हिसाब से तैयारी करनी होती है। यह बेहद उच्च स्तरीय टूर्नामेंट है, जहां गलती की गुंजाइश बहुत कम होती है। जरूरी यह है कि आप सही गेंद डालें, बल्लेबाज की मंशा को समझें और अपनी योजना पर पूरी प्रतिबद्धता के साथ अमल करें। प्रसिद्ध ने इस आईपीएल में धीमे बाउंसर का प्रभावी इस्तेमाल किया है। उन्होंने इस दौरान आठ मैचों में 14 विकेट भी चटकाये हैं। उन्होंने बताया कि यह गेंद उनके हथियार का हिस्सा कैसे बनी। लंबे कद के इस तेज गेंदबाज ने कहा, ''यह दिलचस्प बात है क्योंकि मैंने इसे अभ्यास के दौरान आजमाया था। हमारे नेट गेंदबाज दर्शन नालकांडे यह गेंद डाल रहे थे। मैंने उनसे बात की और उन्होंने मुझे इसे करने का तरीका बताया। अभ्यास सत्र में यह गेंद मुझे अच्छी लगी और फिर मैंने इसे मैच में इस्तेमाल करना शुरू कर दिया। प्रसिद्ध ने कहा, सब कुछ आत्मविश्वास और अपनी गेंद पर भरोसा रखने से जुड़ा है। टीम का समर्थन भी अहम होता है। जब चीजें सही होती हैं तो उसका फायदा मिलता है, लेकिन इसके पीछे काफी मेहनत होती है। उन्होंने कहा कि किसी भी गेंदबाज के लिए अपनी ताकत को समझना सबसे अहम होता है। उन्होंने कहा, टेस्ट मैच वाली 'हार्ड लेंथ' निश्चित तौर पर कारगर होती है, लेकिन यॉर्कर या धीमा बाउंसर डालने के कई तरीके होते हैं। लसिथ मलिंगा ने ऐसा किया और जसप्रीत बुमराह भी ऐसा करते हैं। यह इस पर निर्भर करता है कि आपकी ताकत क्या है और उस परिस्थिति में कौन सी गेंद सही रहेगी।

अगर मुझे अपनी काबिलियत और अहमियत साबित करनी पड़े, तो वह जगह मेरे लिए नहीं हैः कोहली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। विराट कोहली को अब भी क्रिकेट से इतना लगाव है कि वह अगले साल होने वाले वनडे विश्व कप पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, लेकिन इसके साथ ही भारत के इस स्टार बल्लेबाज ने स्पष्ट किया कि अगर किसी विशेष 'माहौल' में उनकी योग्यता पर लगातार सवाल उठाए जाते हैं, तो उन्हें यह स्वीकार करने में कोई हिचकिचाहट नहीं होगी कि वह 'जगह' उनके लिए नहीं बनी है।

इस 37 वर्षीय सुपरस्टार ने अपनी आईपीएल फ्रेंचाइजी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु के पॉडकास्ट पर कहा कि उन्हें अपने महत्व को लेकर किए जा रहे आकलन में लगातार बदलाव से नफरत है। कोहली ने कहा, ''मैं हमेशा तैयार रहता हूं क्योंकि यही मेरी रोजमर्रा की जिंदगी है। मैं कसरत करता हूं, हम घर पर अच्छा खाना खाते हैं। मुझे इस तरह जीना पसंद है। यह केवल क्रिकेट खेलने तक सीमित नहीं है। मेरा कहने का मतलब है कि 2027 के विश्व कप को लेकर होने वाली बातें और बाकी सब। मुझे कई बार पूछा गया है कि क्या आप 2027 में खेलना चाहते हैं।'' उन्होंने कहा, ''मुझे इसका जवाब पता है और अगर मैं खेल रहा हूं तो फिर मैं क्रिकेट खेलना चाहता हूं। मैं खेलना जारी रखना चाहता हूं। भारत के लिए विश्व कप खेलना शानदार है।''

कोहली ने कहा, ''मेरा नजरिया बिल्कुल स्पष्ट है। मैं जिस माहौल का हिस्सा हूं उसमें कुछ योगदान दे सकता हूं और टीम को भी लगता है कि मैं योगदान दे सकता हूं, तो मैं खेलता रहूंगा। अगर मुझे अपनी काबिलियत और अहमियत साबित करने की जरूरत महसूस कराई जाती है तो मैं उस माहौल में नहीं रह सकता।'' कोहली 2024 में टी20 अंतरराष्ट्रीय और 2025 में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद अब केवल वनडे में खेलते हैं। पिछले कुछ वर्षों से बहुत कम वनडे मैच खेले जा रहे हैं जिससे कोहली कम अवसरों पर ही भारत का प्रतिनिधित्व कर पा रहे हैं। भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने कोहली और एक अन्य स्टार बल्लेबाज रोहित शर्मा के टीम का हिस्सा बनने की उनकी इच्छा के बावजूद उनके भविष्य को लेकर कोई स्पष्ट टिप्पणी नहीं की है। कोहली ने कहा कि जब तक टीम को उनकी जरूरत होगी, वह टीम के साथ बने रहेंगे। उन्होंने कहा, ''मैं अपनी तैयारियों के प्रति ईमानदार हूं, मैं खेल के प्रति अपने दृष्टिकोण के प्रति ईमानदार हूं। मैं पूरी लगन से मेहनत करता हूं। जब मैं खेलने के लिए जाता हूं तो मैं दूसरों से कम नहीं बल्कि उनसे भी ज्यादा मेहनत करता हूं और सही तरीके से खेलता हूं।''

सुविचार

कर्मों की आवाज शब्दों से भी ऊँची होती है, आप क्या कहते हैं उससे ज्यादा, आप क्या करते हैं मायने रखता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ब्राह्मण बार-बार निशाने पर क्यों?

समाजवादी पार्टी (सपा) के एक प्रवक्ता द्वारा ब्राह्मण समाज पर की गई आपत्तिजनक टिप्पणी घोर निंदनीय है। कुछ नेतागण ब्राह्मण समाज की सहिष्णुता को उसकी कमजोरी मानकर उसके बारे में अनुचित टीका-टिप्पणी करते रहते हैं। उन्हें लगता है कि वे इससे ज्ञानी, सेकुलर, आधुनिक और प्रगतिशील कहलाएंगे। वे ब्राह्मण समाज को बार-बार निशाना बना रहे हैं। यह समाज अपने प्राणों से भी ज्यादा अपने देश और धर्म से प्रेम करता है, इसलिए कोई हिंसक प्रतिक्रिया नहीं देता। सपा को अपने इतिहास से सबक लेना चाहिए। किसी समय इस पार्टी की उत्तर प्रदेश में धाक होती थी। इसके सहयोग से दिल्ली में सरकार चलती थी। इसने एक समुदाय विशेष के तुष्टीकरण के कारण अपनी सियासी पकड़ गंवा दी। तुष्टीकरण का दांव बार-बार नहीं चल सकता। यह इस बार पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस को भी ले डूबा। क्या अब सपा नेता ब्राह्मण समाज के बारे में अपमानजनक बातें बोलकर नया वोटबैंक तलाशना चाहते हैं? सपा नेतृत्व उन्हें कड़ी फटकार लगाने से परहेज कर रहा है। क्या यह उसकी उदासीनता है या मौन स्वीकृति है? अगर कोई व्यक्ति पथभ्रष्ट है तो उसके निजी आचरण को बुरा बताया जा सकता है, लेकिन पूरे समाज को ही लपेटे में लेना बिल्कुल गलत है। कुछ लोगों ने ब्राह्मण समाज का अपमान करने को अपना पेशा बना लिया है। वे दिन-रात सोशल मीडिया पर विष-वमन करते रहते हैं। चाहे किसी ब्राह्मण ने उनका कोई अहित न किया हो, फिर भी वे ऐसा माहौल बनाते रहते हैं कि दुनिया की हर समस्या के लिए ब्राह्मण जिम्मेदार हैं। अगर उनका बस चले तो ईरान-अमेरिका युद्ध के तार किसी ब्राह्मण के रसोईघर से जोड़ दें और यह कहते फिरें कि इसके कारण गैस सिलेंडर मिलने में देरी हो रही है।

जब बार-बार किसी समाज के बारे में दुष्प्रचार किया जाता है तो अन्य लोगों पर उसका कुछ असर जरूर पड़ता है। फिल्मों से लेकर सोशल मीडिया तक, ब्राह्मणों की नकारात्मक छवि बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी गई। ऐसे दिखाया जाता है, जैसे हर ब्राह्मण चौबीसों घंटे मुफ्त की दावत खाने का इंतजार करता रहता है ... वह कोई कामकाज नहीं करता, बस किसी के भी घर जाकर मंत्र बोलता है और मोटी दक्षिणा ले आता है ... ब्राह्मण के तो ठाठ हैं, क्योंकि हर जगह उसे ही नौकरी दी जाती है ...। ब्राह्मणों के बारे में अनाप-शनाप प्रलाप करना बहुत आसान है। अक्सर ऐसे लोग अपनी कुंठा के कारण उनके परिश्रम और प्रतिभा को नहीं देख पाते। जिस तरह अन्य समुदायों के लोग अपने कामकाज से जीवन चलाते हैं, उसी तरह ब्राह्मण भी अपना जीवन चलाते हैं। कोई उन्हें छप्पन भोग परोसने नहीं आता। ब्राह्मण किसी गांव में खेती-बाड़ी करता हुआ मिल सकता है, तो महानगर में किसी कंपनी का सीईओ भी मिल सकता है। जिन विकसित देशों में दो दिन घूमकर आने को ही बहुत बड़ी उपलब्धि समझ लिया जाता है, वहां के विश्वविद्यालयों और शोध संस्थानों में ब्राह्मणों के बच्चे प्रतिष्ठित पदों पर काम कर रहे हैं। वे अपने माता-पिता के त्याग और अपने ज्ञान के दम पर वहां पहुंचे हैं। वे जानते हैं कि परिश्रम से ही अपना रास्ता बनाना होगा, इसलिए न किसी के भरोसे बैठते हैं और न किसी पर दोषारोपण करते हैं। अगर उनकी सफलता देखकर किसी के सीने पर सांप लोटता है तो वे क्या करें! हाल में एक कवि, जो ब्राह्मण परिवार से हैं और रामकथा भी करते हैं, के आलीशान घर को देखकर कई लोगों ने सोशल मीडिया पर उन्हें कोसना शुरू कर दिया था। यह मंडली 'दिलजलों' की ऐसी बारात है, जो किसी को सुखी नहीं देख सकती। अगर कोई ब्राह्मण अपनी प्रतिभा से उल्लेखनीय सफलता प्राप्त कर ले तो उन लोगों की पीड़ा और बढ़ जाती है। वे अपनी कुंठा और निराशा का प्रदर्शन करने के लिए पूरे ब्राह्मण समाज के बारे में अनर्गल बोलने लगते हैं। अगर इतनी ऊर्जा किसी रचनात्मक काम में लगाते तो खुद किसी अच्छे मुकाम पर होते। राजनीतिक दलों को चाहिए कि वे किसी भी समाज के बारे में गलत बयानबाजी करने वाले नेताओं को बाहर का रास्ता दिखाएं, अन्यथा उन्हें चुनावों में भारी कीमत चुकानी पड़ सकती है।

ट्वीटर टॉक

आज जिस तरह यूएई एयर फ़ोर्स के एयरक्राफ़्ट ने एस्कॉर्ट दिया, वह भारत के लोगों के लिए सम्मान की बात है। पिछले कुछ दिनों में, प्राकृतिक आपदाओं की वजह से, कुछ इलाकों में जो परेशानियाँ पैदा हुईंआपने उन प्रभावित परिवारों के प्रति भी हमदर्दी जताई।

-नरेन्द्र मोदी

भारत के पूर्व उप राष्ट्रपति और लोकतांत्रिक मूल्यों के पक्के रक्षक 'बाबोसा' भैरों सिंह शेखावत जी की पुण्यतिथि पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि। जनसेवा को जीवन का मकसद मानने वाले बाबोसा का सार्वजनिक जीवन ईमानदारी और अच्छे शासन का एक आदर्श उदाहरण बना रहा।

-वसुंधरा राजे

आज जयपुर एयरपोर्ट पर मैंने मीडिया से बात की पेट्रोल-डीज़ल की कीमतों में बढ़ोतरी पर जवाब दिया, राहुल ने बंगाल चुनाव से पहले ही कहा था कि चुनाव खत्म होते ही कीमतें बढ़ेंगी। कीमतें बढ़ी हैं, और मोदी जी ने जो पब्लिक अपील की हैसात तरह के बचाव करने हैं।

-अशोक गहलोत

प्रेरक प्रसंग

सहनशक्ति की परीक्षा

अमर शहीद सुखदेव की पार्टी का नाम 'विलेजर' था। वे अपने हठ के लिए मशहूर थे। एक बार आगरा में उन्होंने अपनी सहनशक्ति की परीक्षा लेने का संकल्प लिया। विद्यार्थी जीवन में उन्होंने अपने बाएं हाथ पर 'ओउम' और अपना नाम गुदवा लिया था। फरारी के दिनों में यह एक महत्वपूर्ण पहचान बन गई थी। आगरा में बम बनाने के लिए पार्टी ने कुछ नाइट्रिक एसिड खरीदा हुआ था। किसी मित्र को बताये बिना सुखदेव ने बहुत-सा एसिड 'ओउम' और अपने नाम पर डाल दिया। शाम तक जहां एसिड लगा था, वहां गहरे घाव हो गए और पूरा हाथ सूज गया। तीव्र बुखार भी चढ़ गया। इसके बावजूद उन्होंने अपनी पीड़ा का किसी से जिक्र नहीं किया। असहनीय दर्द होते हुए भी उन्होंने उफ तक नहीं किया। तीसरे दिन जब उन्होंने नहाने के लिए कमीज उतारी, तो भगत सिंह और चन्द्रशेखर आजाद उनके जख्म देखकर बहुत नाराज हुए। उनकी नाराजगी पर सुखदेव ने हंसते-हंसते कहा, 'शिनाख्त भी मिट जाएगी और एसिड में कितनी जलन होती है, इसका भी पता चल जाएगा।' इसके बाद सुखदेव चार-पांच दिन आगरा में रहे।

सामयिक

कब तक दोहराई जाती रहेंगी निर्भया जैसी त्रासदियां?

ललित गर्ग
मो. 9811051133

नांगलोई की यह घटना केवल एक समाचार नहीं, बल्कि पूरे समाज के लिए चेतावनी है। यदि अब भी हम नहीं जागे, तो निर्भया जैसी त्रासदियां बार-बार हमारे सामने आती रहेंगी और हर बार हमारी संवेदनहीनता, हमारी प्रशासनिक विफलता और हमारी विकृत मानसिकता हमें कठघरे में खड़ा करती रहेगी। प्रश्न यही है-आखिर कब तक? तमाम जागरूकता एवं सरकारी प्रयासों के बावजूद भारत में भी बालिकाओं की स्थिति में यथोचित बदलाव नहीं आया है।

दिल्ली के नांगलोई में एक निजी बस के भीतर महिला के साथ हुई बस कंडक्टर एवं ड्राइवर के दुष्कर्म की घटना ने एक बार फिर पूरे देश की चेतना को झकझोर दिया है। यह घटना केवल एक आपराधिक वारदात नहीं, बल्कि उस भयावह सामाजिक और प्रशासनिक विफलता का आईना है, जो वर्षों से हमारे सामने खड़ी है। चौदह वर्ष पहले निर्भया कांड के बाद देश की सड़कों पर जनसैलाब उमड़ा था। लोगों ने सोचा था कि अब व्यवस्था बदलेगी, कानून सख्त होंगे, महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित होगी और समाज अपनी सोच बदलेगा। लेकिन आज जब उसी प्रकार की घटनाएं पुनः पुनः सामने आती हैं, तब यह प्रश्न और भी तीखा होकर उठता है कि आखिर हम बदले कहां हैं? सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर बार-बार ऐसी घटनाएं क्यों हो रही हैं? इसका उत्तर केवल कानून की कमजोरी में नहीं, बल्कि समाज की उस विकृत मानसिकता में छिपा है, जहां महिला को आज भी बराबरी के सम्मान के साथ नहीं देखा जाता। आधुनिकता के चमकदार दावों के बीच भी पुरुष प्रधान सोच का अंधेरा जस का तस मौजूद है। महिलाओं को व्यक्ति नहीं, बल्कि उपभोग की वस्तु मानने वाली सोच आज भी अनेक मन-मस्तिष्कों में गहराई तक बैठी हुई है। यही कारण है कि सार्वजनिक स्थानों, कार्यस्थलों, स्कूल-कॉलेजों और यहां तक कि घरों के भीतर भी महिलाएं असुरक्षा का अनुभव करती हैं।

विडंबना यह है कि विज्ञान, तकनीक और आर्थिक विकास के इस दौर में भी समाज स्त्री के सम्मान और सुरक्षा के बुनियादी संस्कार विकसित नहीं कर पाया। बच्चों को शिक्षा तो दी जा रही है, लेकिन संवेदनाएं नहीं दी जा रहीं। घरों में बेटियों पर नियंत्रण और बेटों को छूट देने वाली मानसिकता आज भी कायम है। एक ओर लड़कियों को सावधान रहने की नसीहत दी जाती है, दूसरी ओर लड़कों को अपने व्यवहार और दृष्टि की मर्यादा सिखाने की गंभीर कोशिश बहुत कम दिखाई देती है। यही असंतुलन आगे चलकर अपराधों की जमीन तैयार करता है। प्रश्न यह भी है कि प्रशासन बार-बार ऐसी घटनाओं को रोकने में नाकाम क्यों हो रहा है? निर्भया कांड के बाद महिला सुरक्षा को लेकर बड़े-बड़े दावे किए गए थे। सीसीटीवी कैमरे, महिला हेल्पलाइन, फास्ट ट्रैक कोर्ट, पुलिस गश्त और सार्वजनिक परिवहन में सुरक्षा उपायों की लंबी घोषणाएं हुईं। लेकिन वास्तविकता यह है कि इन व्यवस्थाओं का बड़ा हिस्सा कागजों और भाषणों तक सीमित रह गया। निजी बसें आज भी बिना पर्याप्त निगरानी के चल रही हैं। कई स्थानों पर चालक और परिचालकों का समुचित सत्यापन तक नहीं होता। सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन अक्सर केवल औपचारिकता बनकर रह जाता है। दुनियाभर में बालिकाओं के अस्तित्व एवं अस्मिता के लिये जागरूकता एवं आन्दोलनों के बावजूद बालिकाओं पर अत्याचार बढ़ते जा रहे हैं। हमारे देश में भी ऐसा ही हो रहा है, बालिकाओं की स्थिति, लड़कियों की तुलना में लड़कों की बढ़ती संख्या, तलाक के बढ़ते मामले, गांवों में बालिका की अशिक्षा, कुपोषण एवं शोषण, बालिकाओं की सुरक्षा, बालिकाओं के साथ होने वाली बलात्कार की घटनाएं, अश्लील हरकतें और विशेष रूप से उनके खिलाफ होने वाले अपराधों पर प्रभावी चर्चा एवं कठोर निर्णयों से एक सार्थक वातावरण का निर्माण किये जाने की अपेक्षा है। क्योंकि एक टीस-सी मन में उठती है कि आखिर महिलाएं एवं बालिकाओं कब तक भोग की वस्तु बनी रहेगी? उसका जीवन कब तक खतरों से घिरा रहेगा? बलात्कार, छेड़खानी, भ्रूण हत्या और दहेज की धधकती आग में वह कब तक भस्म होती रहेगी? कब तक उसके अस्तित्व एवं अस्मिता को नौचा जाता रहेगा?

सच्चाई यह है कि हमारी व्यवस्था अपराध होने के बाद सक्रिय होती है, अपराध रोकने के लिये नहीं। हर बार घटना के बाद गिरफ्तारी, जांच और बयानबाजी होती है, लेकिन अपराध की जड़ों तक पहुंचने की गंभीर पहल नहीं दिखाई देती। राजनीतिक दल कुछ दिनों तक आरोप-प्रत्यारोप करते हैं, मीडिया में बहस चलती है और फिर धीरे-धीरे सब कुछ सामान्य मान लिया जाता है। लेकिन जिन परिवारों की बेटियां इस अमानवीयता का शिकार होती हैं, उनके जीवन में भय, पीड़ा और असुरक्षा स्थायी घाव बनकर रह जाते हैं। यह भी विचारणीय है कि आखिर महिलाएं और बालिकाएं बार-बार ऐसे अत्याचारों का शिकार क्यों बन रही हैं? इसका कारण केवल अपराधियों की क्रूरता नहीं, बल्कि सामाजिक संवेदनहीनता भी है। सार्वजनिक स्थलों पर महिलाओं की सुरक्षा को लेकर सामूहिक जिम्मेदारी का अभाव दिखाई देता है। लोग तमाशबीन बन जाते हैं। कई बार पीड़िता को ही कठघरे में खड़ा कर दिया जाता है-उसके कपड़े, समय, जीवनशैली और व्यवहार पर सवाल उठाए जाते हैं। यह मानसिकता अपराधियों का मनोबल बढ़ाती है, क्योंकि उन्हें पता होता है कि समाज पूरी तरह पीड़िता के साथ खड़ा नहीं होगा। कब तक महिलाएं अपने ही शहरों, बसों, गलियों और कार्यस्थलों पर भय के साथ जीती रहेंगी? कब तक माता-पिता अपनी बेटियों के घर लौटने तक चिंता में डूबे रहेंगे? यह प्रश्न केवल महिलाओं का नहीं, बल्कि पूरे समाज की आत्मा का प्रश्न है। जिस समाज में आधी आबादी स्वयं को सुरक्षित महसूस न करे, वह समाज वास्तव में सभ्य नहीं कहलाया जा सकता।

आज आवश्यकता केवल कठोर कानूनों की नहीं, बल्कि कठोर सामाजिक आत्ममंथन की है। कानून अपराधी को दंड दे सकता है, लेकिन समाज ही मानसिकता बदल सकता है। स्कूलों और परिवारों में लैंगिक संवेदनशीलता की शिक्षा अनिवार्य होनी चाहिए। बेटियों को भय में जीना नहीं, बल्कि सम्मानपूर्वक जीना सिखाना होगा। फिल्मों, सोशल मीडिया और विज्ञापनों में स्त्री की वस्तुवादी छवि पर भी गंभीर विमर्श जरूरी है, क्योंकि संस्कृति और मनोरंजन भी समाज की सोच को प्रभावित करते हैं। प्रशासन को भी केवल घटनाओं के बाद की कार्रवाई तक सीमित नहीं रहना चाहिए। सार्वजनिक परिवहन में रियल-टाइम जीपीएस, सीसीटीवी, पैनिक बटन और नियमित निगरानी को पूरी कठोरता से लागू करना होगा। निजी परिवहन संचालकों और कर्मचारियों का गहन सत्यापन अनिवार्य किया जाना चाहिए। पुलिस व्यवस्था को अधिक संवेदनशील, जवाबदेह और सक्रिय बनाना होगा। सबसे महत्वपूर्ण यह है कि समाज को यह समझना होगा कि महिला सुरक्षा कोई महिला मुद्दा नहीं, बल्कि मानवता और सभ्यता का प्रश्न है। जब तक स्त्री को समान सम्मान, स्वतंत्रता और सुरक्षा नहीं मिलेगी, तब तक विकास के सारे दावे अधूरे रहेंगे।

नांगलोई की यह घटना केवल एक समाचार नहीं, बल्कि पूरे समाज के लिए चेतावनी है। यदि अब भी हम नहीं जागे, तो निर्भया जैसी त्रासदियां बार-बार हमारे सामने आती रहेंगी और हर बार हमारी संवेदनहीनता, हमारी प्रशासनिक विफलता और हमारी विकृत मानसिकता हमें कठघरे में खड़ा करती रहेगी। प्रश्न यही है-आखिर कब तक? तमाम जागरूकता एवं सरकारी प्रयासों के बावजूद भारत में भी बालिकाओं की स्थिति में यथोचित बदलाव नहीं आया है। धर्मगुरु, राजनेता एवं समाजसुधारक महिलाओं एवं बालिकाओं के प्रति कितनी कुत्सित मानसिकता का परिचय देते आए हैं, यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है। इनके चरित्र का दोहरापन जगजाहिर हो चुका है। कोई क्या पहने, क्या खाए, किससे प्रेम करे और किससे शादी करें, सह-शिक्षा का विरोधी नजरिया- इस तरह की पुरुषवादी सोच के तहत बालिकाओं को उनके हकों से वंचित किया जा रहा है, उन पर तरह-तरह की बंदिशें एवं पहरे लगाये जा रहे हैं। 'यत्र पूज्यंते नार्यस्तु तत्र रमन्ते देवता'- जहां नारी की पूजा होती है, वहां देवता निवास करते हैं। किंतु आज हम देखते हैं कि नारी का हर जगह अपमान होता चला जा रहा है। उसे 'भोग की वस्तु' समझकर आदमी 'अपने तरीके' से 'इस्तेमाल' कर रहा है, यह बेहद चिंताजनक बात है। आज अनेक शक्लों में नारी के वजूद को धुंधलाने की घटनाएं शक्ल बदल-बदल कर काले अध्याय रच रही है। देश में गैंग रेप की वारदातों में कमी भले ही आयी हो, लेकिन उन घटनाओं का रह-रह कर सामने आना त्रासद एवं दुःखद है।

ईरान-अमेरिका युद्ध में तेल की बर्बादी

नजरिया

ईरान समुद्र में बहा रहा है रोजाना 2800 करोड़ का तेल

प्रमोद भार्गव

अमेरिका-ईरान के बीच जंग के मैदान बने समुद्र में तेल खेल का औजार बन गया है। अमेरिकी नाकाबंदी के चलते एक महीने के भीतर ईरान के 58 तेल टैंकर होर्मुज जलडमरूमध्य पार नहीं कर पाए। इस कारण प्रतिदिन 30 लाख बैरल से ज्यादा कच्चा तेल समुद्र में बहा रहा है। हर दिन नश्ट किए जा रहे इस तेल की कीमत 2800 करोड़ रुपए है। ईरान को ऐसा इसलिए करना पड़ रहा है, क्योंकि उसकी तीन करोड़ बैरल तेल भंडारण की क्षमता पूरी हो चुकी है। ईरान के पास 3500 ऐसे तेल के कुएं हैं, जिनसे निरंतर तेल का उत्पादन जरूरी है। यदि तेल निकालना बंद कर दिया गया तो इन कुओं से तेल का उत्पादन हमेशा के लिए बंद हो जाएगा। ऐसा इसलिए हो जाता है, क्योंकि ड्रिलिंग बंद कर देने से कुएं के भीतर डाली गई पाइपलानों में पानी-गैस भर जाती है। इन्हीं पाइपों से कच्चा तेल रिस-रिसकर आता है। तेल की चट्टानों के छेदों में वैक्स की परत जम जाने से तेल रिसना बंद हो जाता है। यह मोम जैसा प्राकृतिक या रासायनिक ठोस पदार्थ होता है। ईरान कच्चे तेल का 90 प्रतिषत निर्यात खार्ग द्वीप से करता है। यहीं ईरान के तेलों के भंडार ग्रह हैं। तेल की यह बर्बादी पष्चिम एषिया के देषों के लिए ऊर्जा का संकट तो बन ही रही है, समुद्री पर्यावरण भी तेजी से बिगड़ रहा है। इसीलिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देष की जनता से अपील करनी पड़ी है कि इस संकट के दौरान पेट्रोल, डीजल, गैस और अन्य पेट्रोलियम उत्पादों का उपयोग कम से कम करें।

यूरोपियन स्पेस एजेंसी के सेंटीनल सैटेलाइट डेटा और अमेरिकी मीडिया रिपोट्स के अनुसार खरास की खाड़ी एवं होर्मुज स्ट्रेट के आसपास समुद्री पानी के सतह पर तेल की परतें देखी गई हैं। ये परतें कुवैत के लावन द्वीप, केषम द्वीप और खार्ग द्वीप के समुद्र में बड़े-बड़े धब्बों के आकार में देखी गई है। इनमें से एक धब्बा करीब 120 वर्ग किमी क्षेत्र में फैला हुआ है। विशेषज्ञों ने रडार डेटा की मदद से इसका विश्लेषण करते हुए कहा है कि सतह पर तैरता तेल लहरों को शांत कर देता है, जिससे रडार से ली गई तस्वीरों में काले और चिकने धब्बे दिखाई देते हैं। इस कारण यह आशंका बनी है कि ईरान समुद्र में तेल बर्बाद कर रहा है। यदि यह तेल लगातार छोड़ा जाता रहा तो इससे समुद्री जीवन और पर्यावरण को भारी नुकसान हो सकता है। फारस की खाड़ी के समुद्री क्षेत्रों में बड़ी संख्या में मछुआरे, कोरल रीफ और अन्य समुद्री जीव रहते हैं, जिन पर लाखों लोगों की आजीविका निर्भर है। यह तेल मछलियों के लिए जहर का काम कर सकता है। समुद्री पक्षियों को नुकसान पहुंचाता है और संवेदनषील समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र को तबाह कर देता है। ऐसे में ऑक्सीजन की कमी हो जाती है और अनेक समुद्री जीव बेमौत मर जाते हैं। अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच छिड़ी जंग समुद्री पर्यावरण के लिए भारी संकट के रूप में पेश आ रहा है। यह संकट धरती से लेकर आसमान तक कहर डहा रहा है। होर्मुज के संकरे मार्ग पर तेल की इस बर्बादी से पहले पेट्रोलियम पदार्थों से भरे करीब 20 जहाज नष्ट कर दिए गए गए थे। एक अनुमान के अनुसार इन टैंकरों में तीन लाख मीट्रिक टन तरल एलपीजी भरी हुई थी। एक बड़े गैस टेंकर में लगभग 45 हजार मीट्रिक टन एलपीजी होती है और एक बड़े गैस टैंकर से करीब 31 से 32 लाख घरेलू गैस सिलेंडर भरे जा सकते हैं।

पेट्रोलियम पदार्थ एक साथ मिट्टी, पानी और हवा को दूषित करते हुए मानव जीवन के लिए वरदान की बजाय अभिशाप साबित होने लग जाते हैं। वैसे भी दुनिया के समुद्री तटों पर पेट्रोलियम पदार्थों और औद्योगिक कचरे से भयावह पर्यावरणीय संकट पैदा हो रहे हैं। तेल के रिसाव, तेल टैंकों के टूटने व धोने से भी समुद्र का पर्यावरणीय पारिस्थितिकी-तंत्र (इकोसिस्टम) प्रभावित हो रहा है। यदि एक जहाज से भी तेल का रिसाव होता है तो पर्यावरण को बड़ी क्षति पहुंचती है। कुछ साल पहले जापान के टोकियों के तट पर 317 किमी की पट्टी पर तेल के फैलाव से जापान के तटवर्ती शहरों में हाहाकार मच गया था। रूस में बेलाय नदी के किनारे बिछी तेल पाइप लाइन से 150 मीट्रिक टन के रिसाव ने यूराल पर्वत पर्वत पर बसे ग्रामवासियों को पेय जल का संकट खड़ा कर दिया था। सैनजुआन जहाज के कोरल चट्टानों से टकरा जाने के कारण अटलांटिक तट पर करीब तीस लाख लीटर तेल का रिसाव होने से समुद्री जीव प्रभावित हुए थे। मुंबई हाई से लगभग 1600 मीट्रिक टन तेल का रिसाव हुआ। इसी तरह बंगाल की खाड़ी में क्षतिग्रस्त तेल से फैले टैंकर ने निकोबार द्वीप समूह में तबाही मचा दी थी। जिससे यहां रहने वाली जनजातियों और समुद्री जीवों को भारी हानि हुई थी। लाइबेरिया के एक टैंकर से 85000 मीट्रिक टन रिसे तेल ने स्कॉटलैण्ड में पक्षी-समूहों को बड़ी तादात में हानि पहुंचाई दी थी।

सबसे भयंकर तेल का फैलाव यूएसए के अलास्का में हुआ था। यह रिसाव प्रिंस विलियम साउण्ड टैंकर से हुआ था। इस तेल के फैलाव का असर छह माह तक रहा। इस अवधि के दौरान इस क्षेत्र में 35000 पक्षी, 10000 ओस्टर शेलफिस और 15 व्हेल मछली मर गईं थीं। बाबजूद इस घटना का असर इराक युद्ध में सद्दाम हुसैन द्वारा समुद्र में छोड़े तेल से कम था। यह तेल इसलिए छोड़ा गया था कि कहीं यह अमेरिका के हाथ न लग जाए। अमेरिका द्वारा इराक के तेल टेंकरों पर की गई बमबारी से भी लाखों टन तेल समुद्री सतह पर फैला था। एक अनुमान के मुताबिक इस कच्चे तेल की मात्रा 110 लाख बैरल थी। इस तेल के बहाव ने फारस की खाड़ी में घुसकर जीव जगत के लिए भारी हानि पहुंचाई थी। इस प्रदूषण का असर मिट्टी, पानी और हवा तीनों पर पड़ा था। जानकारों का मानना है कि इराक युद्ध का पर्यावरण पर पड़ा दुष्प्रभाव हिरोशिमा-नागाशाकी पर हुए परमाणु हमले, भोपाल गैस त्रासदी और चेरनोबिल दुर्घटना से भी ज्यादा था। इस कारण इराक का एक क्षेत्र जहरीले रेगिस्तान में तब्दील हो गया और वहां महामारी का प्रकोप भी अर्से तक रहा।

समुद्री सतह पर ये तरल द्रव्य बड़ी मात्रा में फैलते हैं तो इससे जल की सतह पर एक मोटी परत बन जाती है,सूर्य की रौशनी और ऑक्सीजन को नीचे जाने में बाधा बन जाती है। इससे जल के भीतर स्वाभाविक रूप में जीवन व्यतीत कर रहे जीव दम घुटने से मर जाते हैं। जो जीव किसी कारण से बचे भी रहते हैं,उनकी प्रजनन क्षमता बुरी तरह प्रभावित हो जाती है। क्योंकि इन द्रव्यों का प्रभाव जहरीला होता है। पक्षियों के पंखों और स्तनधारियों के फर पर तेल जमने से उनकी ऊष्मारोधी क्षमता कम हो जाती है। अतएव ये जीव शरीर का तापमान बहुत कम हो जाने से मर जाते हैं। तेल के कुओं और भंडार गृहों में आग लगने से तीव्र एवं जहरीली रोशनी निकलती है। यह रोशनी मधुमक्खियों जैसे परा-गणकों को प्रभावित कर उनके जीवन चक्र को बाधित कर देती है।

समुद्र में जल रहा तेल पृथ्वी का ऊर्जा संतुलन तेजी से बिगाड़ने का काम कर रहा है। इससे भविष्य में वैश्विक जलवायु आपातकाल की स्थिति निर्मित हो रही है। ऊर्जा असंतुलन बढ़ता रहा तो वायुमंडल का तापमान गरम होगा,जो एक साथ पृथ्वी,वायु और पानी की नमी को सोखने का काम करेगा। यह हिमनदों के बड़ी मात्रा में पिघलने का कारण बनने के साथ भारी बारिश का सबब बनेगा। जंगलों में आग लगने की घटनाएं बड़ी संख्या में देखने में आएंगी। मध्य एशिया में जल रहा यह तेल हिंद महासागर के तापमान को अप्रत्याशित रूप में बढ़ाएगा।इसका सीधा प्रभाव मौसम चक्र पर पड़ेगा। परिणाम स्वरूप अतिवृष्टि, अनावृष्टि, बाढ़, धूल भरे अंधड़ की घटनाएं कालांतर में देखने को मिल सकती हैं।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

रक्तचाप से निपटने के लिए शीघ्र निदान और देखभाल जरूरी : स्वास्थ्य विशेषज्ञ

नई दिल्ली/भाषा। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने उच्च रक्तचाप के बढ़ते मामलों से निपटने के लिए शीघ्र निदान, निवारक देखभाल और जीवनशैली में बदलाव की शुक्रवार को अपील की।

विश्व उच्च रक्तचाप दिवस 2026 से पहले आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान, आयुष राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव ने कहा कि जीवनशैली में बदलाव और शारीरिक तथा मानसिक स्वास्थ्य की उपेक्षा के कारण युवाओं में उच्च रक्तचाप की समस्या तेजी से बढ़ रही है। उन्होंने कहा, बदलती जीवनशैली और शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य पर कम ध्यान देने के कारण युवाओं में भी उच्च रक्तचाप की समस्या तेजी से बढ़ रही है। उन्होंने उच्च रक्तचाप को दबे पांव आने वाली मौत बताया जो हृदयाघात और मस्तिष्काघात जैसी गंभीर जटिलताओं का कारण बन सकता है। जाधव ने कहा कि सरकार राष्ट्रीय गैर-संचारी रोग निवारण एवं नियंत्रण कार्यक्रम (एनपीसीडीसीएस) के तहत देश भर के स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्रों के माध्यम से लोगों की जांच, शीघ्र पहचान और प्रबंधन को बढ़ावा दे रही है।

पूर्व केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने कहा कि भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में भी उच्च रक्तचाप यह जटिल समस्या है। उन्होंने इसके शीघ्र निदान और समय पर उपचार के महत्व पर बल दिया। उन्होंने कहा, शीघ्र निदान अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि शीघ्र निदान के बिना, शीघ्र उपचार मुश्किल हो जाता है। उन्होंने कहा कि गैर-संक्रामक रोग विभिन्न देशों के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) को काफी हद तक प्रभावित करते हैं, इसलिए रोकथाम और समय पर हस्तक्षेप अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

''इलनेस टू वेलनेस फाउंडेशन'' की सलाहकार परिषद के अध्यक्ष अनिल राजपूत ने कहा कि लंबे कार्य घंटे, अपर्याप्त नींद, तनाव पैदा करने वाली आधुनिक जीवनशैली की उच्च रक्तचाप और अन्य विकारों में अहम भूमिका है। उन्होंने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और नौकरी की सुरक्षा से जुड़ी चिंताओं पर भी प्रकाश डाला और साथ ही इस बात पर जोर दिया कि एआई का अगर जिम्मेदारी से उपयोग किया जाए तो यह जीवन की गुणवत्ता में सुधार ला सकता है और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा दे सकता है।

मैक्स स्मार्ट सुपर स्पेशलिटी अस्पताल के डॉ. रिपेन गुप्ता ने कहा कि लगभग एक चौथाई वयस्क उच्च रक्तचाप से प्रभावित हैं, लेकिन इस संबंध में जागरूकता अब भी कम है।

ईरान युद्ध और व्यापार पर चिनफिंग के साथ वार्ता के बाद ट्रंप की चीन यात्रा संपन्न

बीजिंग/भाषा। चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग और उनके अमेरिकी समकक्ष डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को अपनी वार्ता को ''ऐतिहासिक और महत्वपूर्ण'' बताया, हालांकि किसी भी विवादास्पद मुद्दे पर कोई समझौता नहीं हुआ है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप शुक्रवार को चीन की अपनी तीन दिवसीय यात्रा पूरी कर बीजिंग से रवाना हो गए। इस यात्रा के दौरान ट्रंप ने चिनफिंग के साथ ईरान युद्ध और व्यापार सहित विभिन्न वैश्विक मुद्दों पर कई दौर की वार्ता की।

ट्रंप के रवाना होने से पहले दोनों नेताओं ने बीजिंग में कड़ी सुरक्षा वाले चीनी राष्ट्रपति के आवास 'झोंगनानहाई' में एक निजी बैठक की। चीनी पक्ष के अनुसार, ट्रंप ने इस यात्रा को ''बेहद सफल और अविस्मरणीय'' बताया। शी चिनफिंग को अपना ''एक पुराना दोस्त'' बताते हुए, अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि उनके मन में अपने चीनी समकक्ष के लिए ''बहुत सम्मान'' है और उन्होंने ''गहन संवाद'' बनाए रखने की इच्छा व्यक्त की। शुक्रवार को दोनों नेताओं की अंतिम बैठक के दौरान शी चिनफिंग ने कहा कि ट्रंप की यात्रा एक ऐतिहासिक और मील का पत्थर साबित हुई तथा दोनों पक्षों ने ''रणनीतिक स्थिरता'' पर आधारित रचनात्मक संबंध बनाने का ''नया दृष्टिकोण'' स्थापित किया है।

शी जिनपिंग ने कहा, ''स्थिर आर्थिक और व्यापारिक संबंधों को बनाए रखने, विभिन्न क्षेत्रों में व्यावहारिक सहयोग का विस्तार करने और एक-दूसरे की चिंताओं को ठीक से संबोधित करने पर हम महत्वपूर्ण आम सहमति पर पहुंचे हैं।''शी के अनुसार, चीन और अमेरिका अंतरराष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय मुद्दों पर सहयोग को लेकर भी सहमत हुए। चीनी नेता ने कहा कि यह यात्रा आपसी समझ बढ़ाने, पारस्परिक विश्वास को गहरा करने और दोनों देशों के लोगों के कल्याण में सुधार लाने के लिए लाभदायक है। दोनों नेताओं ने बृहस्पतिवार को भी बातचीत की थी। इस दौरान शी चिनफिंग ने ट्रंप को चेतावनी दी कि ताइवान मुद्दे को गलत तरीके से दर्शाने से दोनों देशों के बीच ''टकराव और यहां तक कि संघर्ष'' भी शुरू हो सकता है।

अमेरिकी राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय 'व्हाइट हाउस' द्वारा जारी दोनों नेताओं की बैठक के ब्योरे के अनुसार, ट्रंप ने शी और उनकी पत्नी को 24 सितंबर को 'व्हाइट हाउस' में आमंत्रित किया और दोनों नेता इस बात पर सहमत हुए कि ऊर्जा के मुक्त प्रवाह का सुनिश्चित करने के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य खुला रहना चाहिए। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने प्रेसवार्ता के दौरान विवादास्पद मुद्दों पर दोनों नेताओं के बीच बनी आम सहमति के विवरण से संबंधित सवालों का जवाब देने से परहेज किया। दोनों नेताओं के शिखर सम्मेलन के दौरान शी-ट्रंप के बीच ईरान युद्ध को समाप्त करने या भविष्य में अमेरिकी तेल खरीदने के समझौते से संबंधित सवालों के जवाब में प्रवक्ता ने कहा कि चीन वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा और औद्योगिक एवं आपूर्ति शृंखलाओं की स्थिरता की संयुक्त रूप से रक्षा के लिए सभी पक्षों के साथ काम करने को तैयार है।

हेमा मालिनी ने की पीएम मोदी के संदेश की सराहना, बताया सुरक्षित भविष्य के लिए जरूरी कदम

मथुरा/एजेन्सी

मथुरा की सांसद और अभिनेत्री हेमा मालिनी ने गुरुवार को आईएएनएस के साथ बातचीत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राष्ट्र के नाम की गई महत्वपूर्ण अपील पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने प्रधानमंत्री की अपील को जनहित में एक दूरदर्शी कदम बताते हुए कहा कि सभी को सतर्क और जागरूक रहने की जरूरत है। उन्होंने कहा, पीएम मोदी ने सभी को अहम संदेश दिया है, जिसका पालन करना हमारे भविष्य के लिए बेहद जरूरी है। उन्होंने लोगों को सलाह दी कि वे जरूरत से ज्यादा सोने के गहने खरीदने से बचें। उनका मानना है कि भविष्य में इससे संबंधित कुछ चुनौतियां या परेशानियां सामने आ सकती हैं, इसलिए पहले से सतर्क रहना ही समझदारी है। हेमा मालिनी ने कहा, पीएम मोदी ने वाहनों के कम इस्तेमाल और इलेक्ट्रिक वाहनों के अधिक उपयोग पर जोर दिया है। साथ ही, उन्होंने अनावश्यक विदेश यात्राओं से परहेज करने की बात की है। मैं खुद इन सुझावों पर अमल करने की कोशिश करूंगी, साथ ही सभी से इसे मानने की अपील भी करती हूं।

हेमा मालिनी ने बातचीत में बताया कि मथुरा के स्थानीय निवासियों और पर्यटकों की सुविधा के लिए मेरो मथुरा नाम का नया ऐप लॉन्च किया गया है। उन्होंने कहा, आज मथुरा में मेरो मथुरा ऐप शुरू किया गया है। इस ऐप से स्थानीय लोगों और पर्यटकों के लिए सारी जानकारी उपलब्ध होगी। स्थानीय लोग अपनी समस्याओं और शिकायतों को ऐप के माध्यम से सीधे दर्ज करा सकेंगे। प्रशासन द्वारा दी जाने वाली सभी सुविधाओं का विवरण इस ऐप पर उपलब्ध होगा।

उन्होंने आगे कहा, इसके अलावा, एचडीएफसी बैंक ने 'कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी' के तहत 4 करोड़ रुपए के बजट से शहर में भव्य सोलर लाइटें लगवाई हैं। इस पहल के लिए मैं जिला अधिकारी शैलजा कांत मिश्रा और नगर निगम के जज प्रवीण को बधाई देती हूं और साथ ही, कहना चाहती हूं कि वृंदावन में भी इसी तरह के आधुनिक और इको-फ्रेंडली विकास कार्य किए जाएं।

सोनल चौहान बर्थडे स्पेशलः इमरान हाशमी के अपोजिट 'जन्नत' से डेब्यू, फिर तमिल-तेलुगू फिल्मों में भी बिखेरा जलवा

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड की ग्लैमरस और खूबसूरत अभिनेत्रियों में शुमार सोनल चौहान का जन्मदिन 16 मई को है। उनका जन्म 16 मई 1985 को उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर में हुआ था। रॉयल बैकग्राउंड से ताल्लुक रखने वाली सोनल ने अपनी खूबसूरती और मेहनत के दम पर मॉडलिंग से लेकर बॉलीवुड और साउथ सिनेमा तक अपनी अलग पहचान बनाई है। हालांकि, वह सिर्फ अपनी फिल्मों ही नहीं, बल्कि अपनी पर्सनल लाइफ और रिलेशनशिप्स को लेकर भी कई बार चर्चा में रह चुकी हैं। फिल्मों में आने से पहले सोनल चौहान ने साल 2005 में मिस वर्ल्ड टूरिज्म का खिताब अपने नाम किया था। ऐसा करने वाली वह पहली भारतीय महिला बनी थीं। इसी उपलब्धि ने उनके लिए ग्लैमर वर्ल्ड के दरवाजे खोल दिए। इसके बाद उन्होंने मॉडलिंग, विज्ञापनों और म्यूजिक एल्बम्स में काम करना शुरू किया और धीरे-धीरे फिल्मों की दुनिया तक पहुंच गईं। सोनल की जिंदगी का सबसे बड़ा टर्निंग पॉइंट साल 2008 में आया, जब उन्हें फिल्म 'जन्नत' में काम करने का मौका मिला। इस फिल्म में उनके अपोजिट इमरान हाशमी नजर आए थे। फिल्म सुपरहिट साबित हुई और सोनल रातोंरात चर्चा में आ गईं। दिलचस्प बात यह है कि फिल्ममेकर कुणाल देशमुख ने सोनल को मुंबई के एक रेस्टोरेंट में देखा था और उसी वक्त तय कर लिया था कि यही लड़की उनकी फिल्म की हीरोइन बनेगी। महज सात दिनों के अंदर सोनल को फिल्म के लिए साइन कर लिया गया। 'जन्नत' में सोनल की सादगी और खूबसूरती को दर्शकों ने खूब पसंद किया। फिल्म के गाने और उनकी स्क्रीन प्रेजेंस ने उन्हें युवाओं के बीच काफी लोकप्रिय बना दिया। इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा और कई फिल्मों में नजर आईं। सोनल हिमेश रेशमिया के फेमस एल्बम 'आप का सुरूर' में भी दिखाई दी थीं। इस म्यूजिक वीडियो से भी उन्हें अच्छी पहचान मिली थी। वह सिर्फ एक्टिंग तक सीमित नहीं हैं, बल्कि उन्हें संगीत में भी काफी रुचि है। फिल्म '3जी' में उन्होंने मशहूर सिंगर केके के साथ 'कैसे बताऊं' गाना भी गाया था।

आलिया भट्ट के बचाव में उतरे सोनू सूद, बोले- 'कलाकार की मेहनत को कैमरों की चमक से न आंकें'

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री आलिया भट्ट इन दिनो कांस फिल्म फेस्टिवल में कथित तौर पर फोटोग्राफर के द्वारा नरअंदाज किए जाने पर सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग का सामना कर रही है। इसी, बीच शुक्रवार को अभिनेता सोनू सूद आलिया के सपोर्ट पर सामने आए। अभिनेता ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर आलिया के लिए नोट शेयर किया। इसके जरिए उन्होंने कहा कि किसी भी कलाकार की मेहनत और वैश्विक उपलब्धि को सिर्फ कैमरों की चमक से नहीं आंका जा सकता है। अभिनेता ने ट्रोलर्स को फटकार लगाते हुए नोट पर लिखा, जब हमारा ही कोई अपना व्यक्ति अंतर्राष्ट्रीय मंच पर कदम रखता है, तो यह हमारे लिए गर्व का पल होना चाहिए, न कि कमियां ढूंढने का बहाना। हर उपलब्धि को सार्थक होने के लिए कैमरों, सुर्खियों या अजनबियों से मान्यता मिलने की जरूरत नहीं होती।

उन्होंने आलिया के अंतरराष्ट्रीय दौरे का सम्मान करते हुए लिखा, अंतरराष्ट्रीय स्टेज पर खड़े होना, अपनी कला का प्रतिनिधित्व करना और अपनी यात्रा को गरिमा के साथ आगे बढ़ाने का साहस ही अपने आप में बहुत बड़ी उपलब्धि है। सोनू ने आगे लिखा, आज की दुनिया को ट्रोलिंग की लत लग चुकी है, लेकिन हमें प्रोत्साहन को चुनना चाहिए। याद रखें जो लोग अपने सपने बुनने में व्यस्त होते हैं, उनके पास दूसरों को नीचे खींचने के लिए वक्त नहीं होता। उन्होंने आखिरी में लिखा, हमें तुम पर गर्व है, मेरे दोस्त। सही लोगों ने तुम्हारी चमक को पहचान लिया।

हालांकि, अपनी इस पोस्ट में सोनू ने साफ तौर पर आलिया का नाम नहीं लिखा लेकिन उनका इशारा साफ तौर पर आलिया के लिए ही था क्योंकि अभी आलिया को सोशल मीडिया पर कांस दौरे पर जमकर ट्रोल किया जा रहा है। बता दें कि रेड कार्पेट पर उनके वीडियो को लेकर मिली-जुली प्रतिक्रियाएं आईं। जहां कुछ लोगों ने उनके कॉन्फिडेंस और एलिगेंट लुक की तारीफ की, वहीं कुछ ट्रोलर्स ने उन्हें विदेशी पैपराजी द्वारा कम अटेंशन मिलने को लेकर आलोचना भी की।

जश्न

मध्य प्रदेश हाई कोर्ट द्वारा धार स्थित विवादित भोजशाला-कमाल मौला परिसर को देवी वाग्देवी (सरस्वती) का मंदिर घोषित किए जाने के बाद शुक्रवार को अधिवक्ताओं ने जश्न मनाया।

प्रिया दत्त ने शेयर की परिवार संग पुरानी तस्वीरें, भाई संजय और पिता सुनील दत्त संग दिखी खास बॉन्डिंग

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेता संजय दत्त की बहन प्रिया दत्त लाइमलाइट की दुनिया से अलग हटकर राजनीति में सक्रिय है। शुक्रवार को उन्होंने परिवार संग यादों को फिर से ताजा किया। प्रिया ने इंस्टाग्राम पर परिवार के साथ कुछ यादगार तस्वीरें पोस्ट कीं, जिनमें अभिनेता संजय दत्त और पिता सुनील दत्त के साथ नजर आ रहे हैं। प्रिया ने अपनी पोस्ट के जरिए उन सभी को याद किया, जिन्होंने उनके जीवन को आकार देने में अपनी भूमिका निभाई। पहली तस्वीर में, अभिनेता संजय दत्त अपने परिवार के सदस्यों के साथ नजर आ रहे हैं, जिसमें अभिनेता सुनील दत्त भी शामिल हैं। सुनील दत्त बीच में बैठे हैं और उनका परिवार उनके चारों ओर इकट्ठा है। बाकी की तस्वीरों में प्रिया के करीबी परिवार और जानकार शामिल हैं। एक तस्वीर में, तो संजय मस्ती से प्रिया को पकड़े हुए हैं।

तस्वीरें शेयर कर प्रिया ने लिखा, इन वर्षों में, ज़िंदगी ने मुझे कई खूबसूरत रिश्ते तोहफे में दिए हैं।राजनेता ने अपना सफर याद करते हुए लिखा, कुछ ऐसे रिश्ते हैं, जो जन्म से मिले हैं और कुछ जिंदगी के सफर के दौरान बन गए। जिंदगी के अच्छे-बुरे दौर में इन्हीं लोगों ने मेरे जीवन को प्यार, हिम्मत, अपनापन और मायने दिए हैं।प्रिया ने सभी को शुक्रिया अदा करते हुए लिखा, दिल से शुक्रगुजार हूं उन सभी लोगों की, जिन्होंने मेरे साथ इस सफर को खूबसूरत बनाया।

बता दें कि सुनील दत्त और नरगिस के संजय दत्त, नम्रता दत्त और प्रिया दत्त तीन बच्चे हैं। प्रिया दत्त बचपन से ही थोड़ी अलग थीं। उन्होंने परिवार से थोड़ा अलग जाकर समाज सेवा और राजनीति में करियर बनाया।

मुंबई के सोफिया कॉलेज से ग्रेजुएशन करने के बाद उन्होंने न्यूयॉर्क से टीवी प्रोडक्शन में डिप्लोमा किया। 2004 में पिता की मौत के बाद वह राजनीति में आईं। 2009 में लगातार दूसरी बार सांसद बनीं। 2014 के लोकसभा चुनाव में उन्हें भाजपा की पूनम महाजन ने हरा दिया। 27 नवंबर 2003 को उनकी शादी ओवेन रोनकॉन से हुई थी। प्रिया और ओवेन के दो बच्चे हैं। ओवेन एंटरटेनमेंट बिजनेस से जुड़े हुए हैं।

'वेलकम टू द जंगल' से अक्षय कुमार का फर्स्ट लुक आउट

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेता अक्षय कुमार की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है। बुधवार को मेकर्स ने फैंस की उत्सुकता को बढ़ाते हुए अक्षय कुमार का लेटेस्ट लुक शेयर किया, जिसे देख फैंस फिल्म को लेकर काफी उत्साहित नजर आ रहे हैं। अभिनेता अक्षय कुमार ने इंस्टाग्राम पर पहला लुक पोस्ट किया। इस तस्वीर में अक्षय कुमार काफी स्टाइलिश अंदाज में नजर आ रहे हैं। गहरे रंग के सूट पहने हुए अभिनेता आंखों पर काला चश्मा चढ़ाए हुए बेहद शानदार लग रहे हैं। तस्वीर का बैकग्राउंड किसी घने जंगल के सेट जैसा है, जहां अक्षय कुमार आत्मविश्वास के साथ चलते हुए दिखाई दे रहे हैं। तस्वीर पोस्ट कर अभिनेता ने लिखा, अगला वेलकम टू द जंगल। अक्षय की पोस्ट ने उनके प्रशंसकों के बीच काफी उत्साह जगा दिया है। हालांकि, अभिनेता ने फिल्म को लेकर अन्य जानकारी शेयर नहीं की है।

बता दें कि कॉमेडी ड्रामा फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' का निर्देशन अहमद खान ने किया है। यह फिल्म 'वेलकम' फ्रेंचाइजी का तीसरा भाग है। इसमें अक्षय कुमार मुख्य भूमिका में हैं, जो अपने आइकॉनिक अंदाज में वापसी कर रहे हैं। उनकी इस फिल्म में बड़ी स्टारकास्ट शामिल है, जिसमें अक्षय के अलावा, सुनील शेट्टी, परेश रावल, अरशद वारसी, रवीना टंडन, जैकी श्रॉफ, दिशा पाटनी, जैकलीन फर्नांडीज, राजपाल यादव, जॉनी लीवर समेत कई कलाकार नजर आएंगे। साजिद नाडियाडवाला और स्टार स्टूडियोज द्वारा निर्मित फिल्म 26 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

इस फिल्म के जरिए अभिनेता अक्षय कुमार और रवीना टंडन दो दशक से भी ज्यादा समय के बाद साथ में ऑन-स्क्रीन पर वापसी करेंगे।

पिछली बार दोनों साथ में 'पुलिस फोर्स: एन इनसाइड स्टोरी' में नजर आए थे। दिलीप शुक्ला द्वारा निर्देशित यह फिल्म ईमानदार पुलिस अधिकारियों के संघर्ष, भ्रष्टाचार और अपराधियों के खिलाफ उनकी लड़ाई की कहानी थी। फिल्म में अक्षय कुमार, रवीना टंडन और अमरीश पुरी मुख्य भूमिकाओं में थे।

हम रास्ते नहीं बना रहे थे, बस अपनी कहानी जी रहे थे : मनीष रायसिंघानी

मुंबई/एजेन्सी

इस समय हर तरफ कान्स फिल्म फेस्टिवल की धूम देखने को मिल रही है, लेकिन शायद ही कुछ लोग जानते होंगे कि टेलीविजन इंडस्ट्री के लोकप्रिय अभिनेता मनीष रायसिंघानी पहले ही अतंर्राष्ट्रीय मंच पर अपना जलवा बिखेर चुके हैं। दरअसल, अभिनेता मनीष रायसिंघानी और अभिनेत्री अविका गौर की जोड़ी कान्स फिल्म फेस्टिवल में मुख्य रूप से 2016 और 2017 में शामिल हुई थी। उस दौर को याद करते हुए अभिनेता ने बताया कि उस समय उनका मकसद किसी लेबल को साबित करना नहीं, बल्कि अपनी कहानी को दुनिया के सामने रखना था।मनीष रायसिंघानी ने कहा, उस समय हमारे दिमाग में यह ख्याल नहीं था कि हम टीवी एक्टर्स के लिए नए रास्ते खोल रहे हैं, बल्कि हमने तो बस अपनी फिल्म के आधिकारिक चयन को पूरे

उत्साह के साथ सेलिब्रेट किया था।उन्होंने आगे कहा कि ग्लोबल मंच हमेशा उन लोगों के लिए खुले रहते हैं, जो पूरे विश्वास और जुनून के साथ नई संभावनाओं को तलाशने के लिए तैयार रहते हैं।अभिनेता ने भारतीय कहानियों और संस्कृति को अंतर्राष्ट्रीय दर्शकों तक पहुंचाने पर गर्व जताया। उन्होंने कहा, रेड कार्पेट पर जब हम चल रहे थे, तो हमारे मन में दो विचार थे। एक तरफ, तो मुझे गर्व था कि मैं टीवी की दुनिया से वहां पहुंचने वाले शुरुआती लोगों में से एक हूं, दूसरी ओर हर कदम के साथ भविष्य में कहानी कहने की कला में सर्वश्रेष्ठ बनने का सपना था।

अभिनेता ने बताया कि उनके लिए यह सफर सिर्फ ग्लैमर तक सीमित नहीं था, बल्कि रचनात्मक रूप से खुद को साबित करने का एक बड़ा मौका था। अभिनेता ने इस बात पर जोर देते हुए कहा कि उन्होंने और अविका ने हमेशा खुद को कहानीकार के रूप में देखा। उन्होंने किसी भी प्रोजेक्ट को टीवी या फिल्म के नजरिए से नहीं देखा। उन्होंने बताया, मैंने अपनी फिल्मों में अभिनय के साथ निर्देशन, पटकथा लेखन, शूटिंग और एडिटिंग भी की है। उन्होंने आगे कहा, जब आप अपनी फिल्म का हर काम खुद करते हैं, तो आप किसी तय ढांचे या खाने में फिट नहीं होते, बल्कि आप अपनी एक अलग जगह बना लेते हैं।

वर्षावास धर्म जागरण का विशिष्ट पर्व है : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बल्लारी। गुरुवार को हैदराबाद से कल्याणकारी तपागच्छ वर्षावास समिति के पदाधिकारी व सदस्यगण आचार्यश्री विमलसागरसूरीश्वरजी के वर्षावास की संयोजना व व्यवस्था चर्चा के लिए बल्लारी पहुंचे। शिष्टमंडल ने वर्षावास के लिए पहली बार तेलंगाना और हैदराबाद के प्रवास पर पधार रहे आचार्यश्री विमलसागरसूरीश्वरजी और गणिवर्य पद्मविमलसागरजी आदि श्रमणजनों के दर्शन-वंदन कर विस्तृत विहार यात्रा पर चर्चा की। महावीरस्वामी जैन श्वेतांबर संघ के मंत्री दिलीप श्रीश्रीमाल ने सभी का स्वागत किया। बैठक में जैनाचार्य से महामांगलिक का श्रवण कर चातुर्मास के लिए विविध समितियों का गठन किया गया। बैठक में महावीरस्वामी जैन श्वेतांबर संघ के तत्वावधान में फीलखाना-हैदराबाद में होने वाले वर्ष-2026 वर्षावास को लेकर चर्चा हुई। बैठक में आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि वर्षावास धर्म जागरण का विशिष्ट पर्व है। इस दौरान साधु-साध्वीगण चार माह एक क्षेत्र में निवास कर श्रावक-श्राविका वर्ग की युगों-युगों की सोई हुई धार्मिक-आध्यात्मिक चेतना को जागृत करने का प्रयास करते हैं। इसके लिए प्रतिदिन धर्मसभाएं, सामायिक-प्रतिक्रमण की साधना, उपवास-आयंबिल की तपाराधना, छोटे-बड़े संकल्प-प्रत्याख्यान और विविध अनुष्ठानों के आयोजन होते हैं। ङ्कङ्कबैठक में वर्षावास समिति के मुख्य संयोजक मोहनलाल बागरेचा, संयोजक सुरेंद्र भंडारी सहित अन्य सदस्यों ने आचार्यश्री के समक्ष चातुर्मास को लेकर विभिन्न विषयों पर चर्चा की। शिष्टमंडल में गौतम श्रीश्रीमाल जोटा, मुकेश पोमाणी, ललित बालड़, आकाश बागरेचा, दिनेश देवड़ा और संजय मांडोत भी सम्मिलित थे।

एक दूसरे के साथ व्यवहार निभाना आ गया तो वह घर स्वर्ग समान : आचार्यश्री पार्श्वचंद्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गणेशबाग में पंद्रह दिवसीय आत्म आराधना उपधान प्रथम सोपान में श्रद्धालुओं को सम्बोधित करते हुए आचार्यश्री पार्श्वचंद्रजी ने कहा कि नवकार संसार से पार कराने वाली ऐसी कार है जिसमें बैठने वाले को न पेट्रोल जलाना पड़ता है, न डीजल। जो सरल होता है वही नवकार अर्थात नमस्कार कर सकता है। सरलता के बिना लाखों नमस्कार करने पर भी लाभ नहीं मिलेगा। जिसे एक दूसरे के साथ व्यवहार निभाना आ गया तो वह घर स्वर्ग है अन्यथा घर भी नर्क हो जाता है। उन्होंने नवकार महामंत्र के तीसरे पद आचार्य के गुणों का वर्णन करते हुए कहा कि आचार्य 36 गुणों के धारक होते हैं।

आचार्य विचारों में स्थिर रहते हैं। उनका चित्त विकल नहीं रहता है। उनका चिंतन, व्यवहार, आचार विचार स्वर्ण के समान मूल्यवान एवं दैदीप्यमान होता है। आचार्य के पास 36 गुणों की महान सम्पदा होने के बाद भी उनमें आसक्ति नहीं अपितु विरक्ति का भाव होता है। वे पद की गरिमा रखते हैं इसलिए सबके पूज्यनीय बन जाते हैं।ङ्कङ्कडॉ. पदमचंद्रमुनि ने तीर्थंकर भगवान की स्तुति करते हुए कहा कि मोक्ष मार्ग की ओर ले जाने वाले और कर्मों का नाश करने वाले, विश्व के समस्त तत्वों को जिन्होंने जान लिया है ऐसे गुणों के धारक अरिहंत परमात्मा को नमस्कार महामंत्र के पहले पद में नमस्कार किया जाता है। मोक्ष मार्ग का नेतृत्व करने वाले अरिहंतों को नमस्कार हमारे भीतर मोक्ष प्राप्ति की योग्यता प्रकट करता है।आत्म आराधना उपधान प्रथम सोपान आत्म शुद्धि के लिए संवर साधना में आपको आगे बढ़ा रहा है। जय धुरंधरमुनिजी ने 24वें तीर्थंकरमहावीरस्वामी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि श्रमण भगवान महावीरस्वामी ने साधना द्वारा स्वयं मोक्ष को प्राप्त किया, साथ ही संसार में दूसरों को भी मोक्ष प्राप्त करने का मार्ग प्रकाशित किया। जय पुरंदरमुनिजी ने कहा कि 12 भावनाओं में प्रारम्भ की भावनाएं स्थूल से प्रारम्भ होकर भावनाओं की सूक्ष्मता की ओर ले जाती है। अन्यत्व भावना भेद विज्ञान का बोध कराती है कि आत्मा भिन्न है और शरीर भिन्न है। प्रातः समणी निदेशिका सुयशनिधिजी ने अणुप्पेहा ध्यान साधना का प्रशिक्षण दिया। प्रातः प्रवचन में वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ हनुमंतनगर के अध्यक्ष गौतमचंद सिंघवी, मंत्री सुरेशचंद धोका, उपाध्यक्ष हुक्मीचंद बाफना, कार्यकारिणी सदस्य सज्जनराज रूणवाल, उत्तमचंद बोहरा ने आचार्य पार्श्वचंद्रजी को शेषकाल के लिए निवेदन की। प्रचार प्रसार प्रभारी जेके महावीरचंद चोरड़िया ने जानकारी देते हुए बताया कि उपधान समिति के सदस्यों ने अतिथियों का सम्मान किया। कार्यक्रम में जेपीपी जैन युवा फाउंडेशन एवं जेपीपी जैन महिला फाउंडेशन हलसूरु के सदस्यों ने सेवाएं दी। संचालन मनोहरलाल डूंगरवाल ने किया।

साधुमार्गी शांत क्रांति संघ कर्नाटक शाखा की कार्यकारिणी बैठक सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अखिल भारतीय साधुमार्गी शांत क्रांति संघ कर्नाटक शाखा के संघ अध्यक्ष प्रकाशचंद बंब की अध्यक्षता में आयोजित कार्यकारिणी बैठक में महामंत्री अभय कुमार बांठिया ने कहा कि राष्ट्रधर्म प्रत्येक का परम और प्रथम धर्म होता है। राष्ट्र के प्रधान नेता जब जनता से आर्थिक अनुशासन का सहयोग मांगते हैं तो अपना कर्तव्य बन जाता है कि हम राष्ट्र धर्म का पालन करें। विश्व की परिस्थितियां मानवता के प्रतिकूल बनती जा रही हैं और आपसी सहयोग और विश्वास से ही हम राष्ट्र की सेवा कर सकते हैं। राष्ट्र मजबूत होगा तो ही संस्कृति की रक्षा हो सकेगी, इसलिए हम आवश्यक और निर्देशित अनुशासन का पालन करें। राष्ट्र प्रथम ही प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व होना चाहिए। बैठक में कार्यकारिणी समिति ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के देश की हालत को देखते हुए गत दिनों नागरिकों से किए सात सूत्री निवेदन का समर्थन किया है।

बैठक में गौतमचंद ओस्तवाल के मंगलाचरण करने के बाद गत दिनों जयपुर में दिवंगत साध्वीश्री प्रभावतीजी के गुण स्मरण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। साध्वीश्री चंदनप्रभाजी एवं प्रीतिसुधाजी के भी गुण स्मरण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। सभा में शांतक्रांति संघ के राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष ओमप्रकाश लुणावत, कर्नाटक शाखा के उपाध्यक्ष धर्मीचंद कांटेड, कोषाध्यक्ष हितेश बोहरा, प्रचार मंत्री गौतमचंद छाजेड़ आदि उपस्थित थे। वरिष्ठ सदस्य बाबूलाल दक के मंगल पाठ के साथ सभा संपन्न हुई।

सेवा का सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के राजस्थान संघ कर्नाटक ट्रस्ट द्वारा दानदाताओं के सहयोग से वर्तमान में 1 मोक्षरथ व 4 मोक्ष वाहिनी निःशुल्क अंतिम यात्रा वाहन शहर के विभिन्न क्षेत्रों में अपनी सेवाएं प्रदान कर रही है। उसी क्रम में रजत जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में सुरेशकुमार सुमितकुमार निमितकुमार भेरोणी कंकुचोपड़ा परिवार ने एक वर्ष के लिए मोक्ष वाहिनी के रखरखाव का लाभ लिया। ट्रस्ट के अध्यक्ष कैलाश संखलेचा, उपाध्यक्ष ओम लुणावत, अरविंद खिंवेसरा, मोक्षवाहिनी के चैयरमैन कमल पुनमिया, को-चेयरमैन जिनेश मेहता आदि ने लाभार्थी परिवार का सम्मान किया।

पदयात्रा हमारी आध्यात्मिक संस्कृति का प्राण : राष्ट्रसंत कमलमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के शूले स्थित उपाध्याय केवलमुनि जैनोदय ट्रस्ट भवन में विराजित राष्ट्रसंतश्री कमलमुनिजी कमलेश ने अपने प्रवचन में कहा कि लोकतंत्र के संविधान में सभी के अधिकारों की रक्षा करना सरकार का प्रथम कर्तव्य होता है। मुनिश्री ने कहा कि पदयात्रा हमारी आध्यात्मिक संस्कृति का प्राण है, पर्यावरण की रक्षा के लिए ऑक्सीजन से महत्वपूर्ण है, स्वास्थ्य के लिए रामबाण औषधि है और आर्थिकता के लिए कुबेर का भंडार भरने वाली है। उन्होंने कहा कि सभी धर्म में पंढरपुर, अय्यप्पा स्वामी, तिरुपति बालाजी, स्वर्ण मंदिर अमृतसर, साईं बाबा शिरडी, वैष्णो देवी, रामदेवरा, कावड़ यात्रा अजमेर गरीब नवाज शरीफ, नर्मदा पालीताणा, गिरनार, शिखरजी अनेक स्थान पर अपने-अपने रूप में पदयात्रा का महत्वपूर्ण स्थान है। स्वयं महापुरुषों ने पद यात्रा करके आदर्श प्रस्तुत किया। मुनि कमलेशजी ने कहा कि संत समाज ने गर्मी-सर्दी की परवाह न करते हुए पदयात्रा से संस्कृति को जिंदा रखा है, संत गांव-गांव जाकर अहिंसा प्रेम और शांति का संदेश देते हैं और नशा मुक्ति, राष्ट्रभक्ति का जज्बा पैदा करते हैं। उन्होंने कहा कि विश्व की संपूर्ण संपत्ति देकर भी एक संत का निर्माण नहीं किया जा सकता। वह अनमोल और अद्भुत है। जैन संत ने कहा कि पदयात्रा से भावनात्मक एकता मजबूत होती है सरकार के पेट्रोल की बचत करते हैं सादगी का आदर्श प्रस्तुत करते हैं । अनंत आत्मा को प्रेरणा मिलती है। पद यात्रा धर्म और साधना का असली प्राण है।

अंतरिक्ष तीर्थ जिनालय का चल प्रतिष्ठा मुहूर्त प्रदान किया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। महाराष्ट्र के आकोला स्थित अंतरिक्ष पार्श्वनाथ दादावाड़ी ट्रस्ट द्वारा तीर्थ में निर्माणाधीन नूतन जिनालय की चल प्रतिष्ठा का शुभ मुहूर्त गच्छाधिपति आचार्यश्री जिनमणिप्रभसूरीश्वरजी द्वारा शुक्रवार को सूरत में प्रदान किया गया। ट्रस्ट के बेंगलूरु निवासी कुशलराज गुलेच्छा ने गुरुदेव से चल प्रतिष्ठा के मुहूर्त के लिए निवेदन कियाऔर बताया कि चल मन्दिर एवं फले चुंदड़ी का लाभ जमनादेवी जांवतराज श्रीश्रीमाल परिवार ने लिया। चल प्रतिष्ठा के संयोजक विक्रम गुलेच्छा ने बताया कि गुरुदेव द्वारा शिरपुर स्थित जिनालय की चल प्रतिष्ठा का मुहूर्त 25 जून का प्रदान किया गया है जिसमें गुरुदेवश्री अपनी निश्रा प्रदान करेंगे। केयुप के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रदीप श्रीश्रीमाल ने बताया कि मन्दिर में अंतरिक्ष पार्श्वनाथ की प्रतिमा के साथ गौतमस्वामी, दादा गुरुदेव और अन्य देवी देवताओं की प्रतिमाएं भी विराजमान होंगी। संघ के ललित डाकलिया ने बताया कि चल प्रतिष्ठा के पूर्व तीर्थ में गुरुदेव की निश्रा में तीन दिवसीय वांचना शिविर का आयोजन खरतरगच्छ युवा और महिला परिषद की केन्द्रीय समिति की ओर से आयोजित किया जाएगा। चल प्रतिष्ठा हेतु सभी को लाभ देने के उद्देश्य से सामूहिक लाभ की योजना बनाई गई है। मुहूर्त प्रदान समारोह में अनेक ट्रस्टी उपस्थित थे ।

प्रत्येक परिवार को गाय के लालन-पालन का संकल्प लेना चाहिए : राघवन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। अखिल भारतीय गौसेवा प्रशिक्षण प्रमुख के. राघवन ने अपने हुब्बल्ली प्रवास के दौरान बाफना परिवार के निवास स्थान पर प्रवासी राजस्थानियों से मुलाकात कर गौ सेवा के महत्व पर चर्चा की। उन्होंने उपस्थित समाज जनों से आग्रह किया कि प्रत्येक परिवार को गौ माता के लालन-पालन का संकल्प लेना चाहिए।

साथ ही उन्होंने कहा कि भारतीय परंपरा, कृषि एवं आयुर्वेद में गाय के गोमूत्र और गोबर का विशेष महत्व माना गया है तथा इनके अनेक लाभ हैं। इस अवसर पर पिंजरापोल गौशाला हुब्बली के अध्यक्ष एवं विश्व हिन्दू परिषद उत्तर कर्नाटक प्रान्त के पूर्व उपाध्यक्ष रमेश बाफना ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। उन्होंने उपस्थित समाज बंधुओं से अधिक से अधिक संख्या में गौ सेवा से जुड़ने एवं गौ पालन का प्रण लेने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में अखिल भारतीय गौ सेवा टोली के सदस्य दत्तात्रेय भट्ट तथा शांतिनाथ गौशाला हुब्बली के पूर्व अध्यक्ष भेरूलाल जैन ने भी गौ सेवा के महत्व एवं उसके सामाजिक और आध्यात्मिक पक्षों पर अपने विचार व्यक्त किए। गौतम बाफना ने सभी को धन्यवाद दिया।

जीवन में वास्तविक परिवर्तन केवल 'जिनवाणी' से संभव : डॉ. समकितमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। संतश्री डॉ. समकितमुनिजी ने शुक्रवार को मंजूनाथनगर से मंगल विहार कर एक श्रद्धालु के निवास स्थान पर पहुंचे। यहां प्रवचन सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने साधु भगवंतों के विहार में बेंगलूरु के युवाओं की भारी उपस्थिति और उनके उत्कृष्ट सेवा भाव की मुक्त कंठ से प्रशंसा की। उन्होंने विशेष आग्रह किया कि जिस प्रकार युवा वर्ग विहार और सामाजिक क्षेत्रों में अग्रणी भूमिका निभा रहा है, अब समय आ गया है कि वह उसी उत्साह के साथ 'जिनवाणी' से भी जुड़े। संतश्री ने कहा कि जिनवाणी हमारे जिनशासन का अमूल्य अंग और मुख्य आधार है। केवल जिनवाणी के श्रवण से ही हमें इस बात का बोध होता है कि जीवन में क्या करने योग्य है और क्या त्यागने योग्य। धर्म की विस्तृत और सच्ची जानकारी केवल तीर्थंकरों की वाणी को सुनने से ही प्राप्त होती है। जीवन में यदि कोई संपूर्ण बदलाव ला सकता है और हमें सन्मार्ग पर स्थापित कर सकता है, तो वह एकमात्र जिनवाणी है। गुरुदेव ने कहा, अपने जीवन में आपने विहार और सेवा को जिस उच्च स्थान पर रखा है, उसे अब एक कदम और आगे बढ़ाते हुए जिनवाणी को भी अपने जीवन में सर्वोच्च स्थान दें। जहाँ भी साधु-साध्वी भगवंत विराजित हों, वहाँ प्रवचन श्रवण का लाभ अवश्य लें, इससे कभी वंचित न रहें। इस नश्वर संसार के कार्यों में से यदि थोड़ा सा समय निकालकर धर्म और परमात्मा की वाणी को दे दोगे तो तुम्हारा यह अमूल्य मानव जीवन सार्थक हो जाएगा। इस वर्ष गुरुदेव का चातुर्मास वीवी पुरम स्थित महावीर धर्मशाला में होना सुनिश्चित हुआ है। चातुर्मास को लेकर उन्होंने विशेष रूप से युवाओं का आह्वान किया कि वे इस आगामी चातुर्मास में सक्रिय रूप से जुड़ें। बेंगलूरु चातुर्मास समिति-2026 के सदस्यों और समस्त श्रावक-श्राविकाओं में अपार हर्ष और उत्साह का माहौल है। नेमीचंद दलाल ने संतश्री के आगामी कार्यक्रमों की जानकारी दी तथा सभी को धन्यवाद दिया।

आदर्श कॉलेज में स्नातक व स्नातकोत्तर फाइनल बैच का दीक्षांत समारोह सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के चामराजपेट स्थित सीतादेवी रतनचंद नाहर आदर्श कॉलेज ने शुक्रवार को स्नातक व स्नातकोत्तर बैच-2026 का दीक्षांत समारोह व पुरस्कार वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में प्राचार्य ने सभी का स्वागत किया और विद्यार्थियों की मेहनत व लगन की सराहना की। इस मौके पर प्रसार भारती आकाशवाणी में दूरदर्शन और ऑल इंडिया रेडियो के कंटेंट ऑपरेशन (साउथ ज़ोन) के डिप्टी डायरेक्टर डॉ. रघु एन. मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। डॉ. रघु ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के तेज़ी से विकास और प्रोफेशनल माहौल पर इसके बदलाव लाने वाले असर के बारे में विस्तार से बात की। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी अपने स्मार्टफोन में अपना समय और क्षमता बर्बाद करने के बजाय लगातार असल दुनिया में हो रहे विकास व टेक्नॉलाजिक्ल बदलावों के हिसाब से खुद को ढालें।

कार्यक्रम में फाइनल वर्ष के विद्यार्थियों द्वारा वर्ष में शैक्षणिक रूप से बेहतर प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को मेडल व प्रमाणपत्र वितरित किए गए। इसके अलावा खेल, एथलेटिक व अन्य क्षेत्र में विशेष प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया। इस दीक्षांत समारोह में आदर्श कॉलेज के अध्यक्ष पदमराज मेहता, सचिव जितेन्द्र मरड़िया, उपाध्यक्ष भेरुमल भंडारी, संजय धारीवाल, सहमंत्री महेश नाहर, अरविंद डोसी , कोषाध्यक्ष चेतन मरलेचा सहित अनेक शिक्षक उपस्थित थे।

वनबंधु परिषद महिला समिति ने मनाया मातृ दिवस

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। वनबंधु परिषद महिला समिति बेंगलूरु की सदस्याओं ने शुक्रवार को वसंतनगर में मातृ दिवस का आयोजन किया। इस मौके पर समिति की अध्यक्षा कांता काबरा सहित 15 सदस्यों व 50 बच्चों और माताओं की उपस्थिति थी। कार्यक्रम में मातृ पितृ श्लोक बोलकर उसका अर्थ समझाया गया जिसमें यह संदेश दिया गया कि माता-पिता के चरणों में ही सभी तीर्थ एवं स्वर्ग है। सभी बच्चों को अपने माता पिता के लिए ग्रीटिंग कार्ड बनवाया गया। उसके पश्चात मां और बच्चे के बारे में एक कहानी के माध्यम से संदेश दिया। इस मौके पर अध्यक्ष ने कहा कि माता-पिता को महंगे गिफ्ट नहीं बल्कि बच्चों में अच्छे संस्कार और माता-पिता के प्रति सम्मान और केयर चाहिए, यही उनका सबसे बड़ा गिफ्ट है। इस मौके पर सभी पदाधिकारियों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालन अनीता जैन ने किया। बच्चों को फल व मिठाइयों का वितरण किया गया।

ट्रैक्टर के पुल से गिरने से छह लोगों की मौत, नौ घायल

कोप्पल। कोप्पल जिले में शुक्रवार को एक ट्रक से टकराने के बाद एक ट्रैक्टर पुल से नीचे गिर गया जिससे छह लोगों की मौत हो गई और नौ अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि टक्कर के कारण ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पुल से नीचे गिर गया। यह दुर्घटना मुनिराबाद पुलिस थाना क्षेत्र में आने वाले तुंगभद्रा पुल पर हुई। पुलिस के अनुसार, दुर्घटना के समय ट्रैक्टर की ट्रॉली में 15 यात्री सवार थे जो हुलिगे मंदिर जा रहे थे। प्रारंभिक जांच के आधार पर कोप्पल के पुलिस अधीक्षक राम एल अरसिद्दी ने बताया कि ट्रक ने ट्रैक्टर को टक्कर मारी, जिससे वह पुल से नीचे गिर गया। पुलिस ने कहा कि छह यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि नौ अन्य घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

प्रतियोगिता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

स्थानीय कांठा प्रांत जैन ट्रस्ट द्वारा रेलवे खेल मैदान में आयोजित तीन दिवसीय क्रिकेट स्पर्धा 'केपीपीएल सीजन-8 मोतीलाल मुणोत कप' के दूसरे दिन खेल मैदान में खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए मुख्य प्रायोजक महेंद्र मुणोत एवं अन्य।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**